THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 335 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.13 2079 शनिवार, 18 फरवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मोदी को बदनाम करने को विदेशी फंडिंग : स्मृति

अमेरिकी बिलेनियर जॉर्ज सोरोस के बयान पर कहा, यह लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अमेरिका के बिलेनियर कारोबारी जॉर्ज सोरोस के प्रधानमंत्री मोदी पर दिए बयान को विदेशी साजिश बताया है। जॉर्ज सोरोस ने गुरुवार रात को म्यूनिख सिक्योरिटी काउंसिल में कहा था कि भारत लोकतांत्रिक देश है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी लोकतांत्रिक नहीं हैं। उनके तेजी से बड़ा नेता बनने की अहम वजह मुस्लिमों के साथ की गई हिंसा है।

इस बयान पर स्मृति ने कहा कि विदेशी धरती से भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। यह भारत की डेमोक्रेसी में दखल देने की कोशिश है। उधर कांग्रेस ने भी जॉर्ज सोरोस के बयान की निंदा की है। स्मृति ईरानी ने आरोप लगाया कि जॉर्ज सोरोस ने ऐलान किया है कि वे हिन्दुस्तान में ऐसी व्यवस्था बनाएंगे, जो हिन्दुस्तान के हितों की नहीं उनके हितों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि एक विदेशी ताकत ने ऐलान किया है कि वे भारत के लोकतांत्रिक ढांचे पर वार करेंगे और पीएम मोदी को हमले के सेंटर में रखेंगे। हर भारतीय को इसका मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। म्यूनिख सिक्योरिटी काउंसिल की मीटिंग में बोलते हुए अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस ने कहा कि भारत क्वॉड का मेंबर है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान भी उसके साथ हैं। इसके बावजूद भारत रूस से बड़े डिस्काउंट पर तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है।

सोरोस ने कहा, स्टॉक मार्केट में अडाणी के शेयर ताश के पत्तों की तरह बिखर गए। मोदी को इस पर जवाब देना होगा, जिससे सरकार पर उनकी पकड़ कमजोर होगी। मैं अनाड़ी हो सकता हूं लेकिन मैं भारत में फिर से लोकतंत्र के आने की उम्मीद कर रहा हूं। सोरोस ने भारत में नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए और कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए पर भी पीएम मोदी पर निशाना साधा था। सोरोस ने दोनों मौकों पर कहा था कि भारत हिंदू राष्ट्र बनने की तरफ बढ़ रहा है। दोनों ही मौकों पर उनके बयान बेहद तल्ख थे और वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते दिखाई दिए थे। 92 साल के जॉर्ज सोरोस दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक हैं। सोरोस एक यहूदी हैं, जिस वजह से सेकेंड वर्ल्ड वॉर के समय उन्हें अपना देश हंगरी छोड़ना पड़ा था। 1947 में वे लंदन पहुंचे। उन्होंने यहीं से लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में फिलोसोफी की पढ़ाई की। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक साल 16 सितंबर 1992 में जॉर्ज सोरोस की वजह से ब्रिटेन की करेंसी पाउंड में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। जिसके पीछे जॉर्ज सोरोस का हाथ माना गया था।

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुझाव नामंजूर

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अडाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच के लिए एक्सपर्ट्स के नाम सीलबंद लिफाफे में लेने से इनकार कर दिया है। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट के कहने पर सरकार केस की जांच के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने को तैयार हो गई थी। उस समय सरकार ने एक्सपर्ट्स के नाम सीलबंद लिफाफे में देने की पेशकश की थी।

शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह केस की जांच में ट्रांसपेरेंसी चाहता है। लिहाजा केंद्र का सुझाव नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा, आपने जो नाम सौंपे हैं, वह दूसरे पक्ष को नहीं दिए गए तो पारदर्शिता की कमी होगी। इसलिए हम अपनी तरफ से कमेटी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम आदेश सुरक्षित रख रहे हैं। इस मामले में अभी तक 4 जनहित याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं।

एडवोकेट एम एल शर्मा, विशाल तिवारी, कांग्रेस नेता जया ठाकुर और सोशल वर्कर होने का दावा करने वाले मुकेश कुमार ने ये याचिकाएं दायर की हैं। इस मामले में पहली सुनवाई चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला ने शुक्रवार (10 फरवरी) को की थी। दूसरी सुनवाई सोमवार (13 फरवरी) को हुई। >14

दाऊद इब्राहिम का करीबी टुंडा बरी

रोहतक, 17 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में करीब 26 साल पहले हुए सिलसिलेवार 2 बम धमाकों में कोर्ट शुक्रवार को अपना फैसला सुना दिया। बम ब्लास्ट के आरोपी अब्दुल करीम उर्फ टुंडा को कोर्ट ने बरी कर दिया गया है। टुंडा को मोस्ट वांटेड आतंकी दाऊद इब्राहिम का करीबी माना जाता है। न्यायालय द्वारा सोमवार को ही इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित कर लिया गया था।

शिंदे की हुई शिवसेना, तीर-कमान निशान भी मिला

मुंबई, 17 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना मान लिया है। आयोग ने शुक्रवार शाम को शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और तीर-कमान का निशान भी इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी। आयोग ने पाया कि उद्धव गुट की पार्टी का संविधान अलोकतांत्रिक है। इसमें लोगों को बिना किसी के चुनाव के नियुक्त किया गया था।

चुनाव आयोग ने यह भी पाया कि शिवसेना के मूल संविधान में अलोकतांत्रिक तरीकों को गुपचुप तरीके से वापस लाया गया, जिससे पार्टी निजी जागीर के समान हो गई। इन तरीकों को चुनाव आयोग 1999 में नामंजूर कर चुका था। इसी के साथ महाराष्ट्र में शिवसेना से अब उद्धव गुट की दावेदारी खत्म मानी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में शिवसेना बनाम शिंदे गुट विवाद पर फैसला 21 फरवरी तक टाल दिया है। बेंच ने कहा, नबाम रेबिया के सिद्धांत इस मामले में लागू होते हैं या नहीं, केस को 7 जजों की बेंच को भेजा जाना चाहिए या नहीं, ये मौजूदा केस के गुण-दोष के आधार पर तय किया जा सकता है। इसे मंगलवार को सुनेंगे। सीजेआई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की पीठ इस केस को 7 जजों की बेंच को रेफर करने का फैसला एक दिन पहले सुरक्षित रख लिया था। बेंच में जस्टिस एमआर शाह, जस्टिस कृष्ण मुरारी, जस्टिस हेमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा समेत सीजेआई डीवाय चंद्रचूड़ भी शामिल थे। >14

देवासी समाज, (गोडवाड़) हैदराबाद-सिकन्दराबाद
(जिला-पाली) के तत्वावधान में
महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर
15 वाँ विशाल जागरण
आज शनिवार, दिनांक 18.02.2023
समय : रात्रि 9.00 बजे से सम्पूर्ण रात्रि
स्थान : बालाजी नगर, साईबाबा कमान रोड,
मरुधर कॉलोनी, यापराल, सिकन्दराबाद-87
प्रमुख भजन गायक कलाकार
ओम प्रकाश सुथार एण्ड पार्टी
बालोतरा
मुख्य अतिथि
श्री पी. मुरलीधर राव जी
प्रदेश प्रभारी भाजपा मध्यप्रदेश
J. NAVEEN KUMAR JI
CORPORATOR
Balaji Nagar
श्री श्री 1008 फुला भारती जी
आप सभी सादर आमंत्रित है
संरक्षक
नत्थाराम देवासी
GAURAV SALES CORPORATION
(C) 9440444499
अध्यक्ष :
सावलराम देवासी
SRI BHAVANI Plywood, Paints & Hardware
(C) 9618227162
उपाध्यक्ष :
तुलसाराम देवासी
PADMAVATHI HARDWARE
(C): 8885427780
सचिव
रघुनाथ देवासी
GAURAV MARKETING
(C) 9441425578
कोषाध्यक्ष
वर्धाराम देवासी
TEJA JEWELLERS SECUNDERABAD
(C) 9949056410
सह कोषाध्यक्ष
सुखदेव देवासी
SREE GANESH KIRANA GENERAL STORE
9705883474
सह सचिव
मोहनलाल देवासी
Shiv Shakthi Plywood
(c) 7981887431
नारायणलाल देवासी
SRI HARIOM, ENTERPRISES
(C) 9004302329
लाबूराम जी
AMBIKA SUPER MARKET, GOLLIDODDI, HYD
आप सभी सादर आमंत्रित है
राजाराम देवासी
GANESH HARDWARE & PAINTS
(C): 9000908303
मदनलाल देवासी
DHANLAXMI PLYWOOD & HARDWARE
(C) 9121947246
घेवरचंदजी देवासी
श्री एन.पी. टेक्सटाईल्स
(C) 9441807752
ठाकूर राम देवासी
VIJAY PLYWOOD, PAINTS & HARDWARE
(C) 9959784242
मांगीलाल देवासी
SRI BHAVANI Electrical, Sanitary & Cements
(C) 9849289081
बहादूरराम देवासी
BHARATH ENTERPRISES
(C) 9426847036
लक्ष्मण देवासी
श्री POOJA Plywood
(C): 9966252862
लाभूराम देवासी
SHRI MANGALDEEP PIYWOOD
(C) 9849148301
धनाराम देवासी
माताजी ईन्टर प्राईजेस
गच्चीबौली, हैदराबाद
(C): 9966652622
भुंडारामजी देवास
(पुजारी)
9079565833
घेवरराम देवासी
JAGADAMBA ELECTRICAL & HARDWARE
(C) 9390366952
चेलाराम देवासी
NARAYAN MARKETING
(C): 8801055718
घेवाराम देवासी
NEW BALAJI GLASS & PLYWOOD
(C) 9492658606
अमरारामजी देवासी
TIRUPATHI PLYWOOD
(C) 9490016188
सुरेश कलोतरा
BHAVANI HARDWARE & PAINTS
(C): 9001225059
घेवरराम देवासी
POT MARKET, SECUNDERABAD.
(C) 9000609481
वागाराम देवासी
GOPPAL PLYWOOD
(C): 9963245564
भुंडारामजी देवासी
V.P.TRADERS
(C) 9951099550
पकाराम देवासी
BALAJI ENTERPRISES
(C) 8019693056
दिनेश कुमार देवासी
HANUMAN HARDWARE
(मो.) 8885848712
भुंडाराम देवासी
RAMDEV SUPER MARKET
(C): 9618831149
जागाराम देवासी
JAI BHAVANI PLYWOOD & HW
(C) 8328260051-
भुंडाराम देवासी
RAMDEV PLYWOOD
(C) 9030501045
घेवरराम देवासी
SRI SHIV SHAKTI KIRANA GENRAL STORE
(C) 7093055618
घेवरराम देवासी
SRI GANESH JEWELLERS KAVADIGUDA
(C) 8121997415
हरीष देवासी
AMBIKA ENTER-PRISES, AMINPUR
(C) 8096148513
घेवरराम देवासी
BHAGWATHI PLYWOOD & HW
(C): 9573048343
नेमाराम देवासी
GAURAV BATH WORLD
(C) 9490223366
शंकरलाल देवासी
MARUTHI ENTERPRISES
(C) 9618525876
नथाराम देवासी
BHARATH PLY
(C) 7738332055
छताराम देवासी
CHOUDHARY SANITARY
(C) 9951769914
रघुनाथराम देवासी
SRI KESAR ENTERPRISES
(C) 9154042096
पुनाराम देवासी
LAXMI NARSIMHA HARDWARE
(C) 9666688351
जोयताराम देवासी
KRISHNA PLYWOOD HARDWARE
(C) 9618528501
ओगडराम देवासी
MAHALAXMI TRADERS
(C) 9959886569
घेवरराम देवासी
SREE BHERUNATH PLYWOOD
(C) 9866582012
गजेन्द्र देवासी
AMBIKA ELECTRICAL SANITARY
(C) 9398529268
हरीश देवासी
NATRAJ PLY & HARDWARE
(C): 9059095570
भावेश देवासी
SRI CHAMUNDA KIRANA
(C) 8790240513
पीराराम देवासी
MAHADEV ELECTRICAL & SANITARY
(C) 9652572944
Distributors
GAURAV SALES CORPORATION
Kukatpally, Hyderabad
Ph.
9440444499
7093617564
SILENCIO
ASTRAL PIPES
ASTRAL DRAINMASTER
SUPERIOR PUSH-FIT SYSTEM
INDIA KA SABSE BHAROSEMAND PIPE
93°c
ASTRAL PIPES
THE ALL NEW ADVANCED
ASTRAL CPVC PRO
निवेदक : देवासी समाज, (गोड़वाड़) हैदराबाद-सिकन्दराबाद
संपर्क : 9440444499, 8328260051, 9392485475, 9618227162, 9966652622
सभी भक्तजनों से नम्र निवेदन है कि जागरण में परिवार सहित पधारकर भजन का आनंद लेवें।
सभी देवासी समाज के बंधुओं से नम्र निवेदन है कि दि 19.02.23 को अपने प्रतिष्ठान बंद रखें।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 18 फरवरी, 2023 3

सु वि चा र

भरोसा रखें
जब हम किसी का अच्छा
कर रहे होते हैं, तब हमारे
लिए भी कहीं कुछ
अच्छा हो रहा होता है।

पुलिस ने अंतरराज्यीय ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया, 23.5 किलो गांजा जब्त

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की माधापुर पुलिस ने एक अंतरराज्यीय ड्रग पेडलिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया और एक महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने 23.5 किलोग्राम गांजा एक कार, तीन मोबाइल फोन और नकद समेत कुल मिलाकर 6 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की। गिरफ्तार लोगों की पहचान उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के रहने वाले सौरभ सिंह (29), उनकी पत्नी राधा (20) और जय प्रकाश सिंह (26) के रूप में हुई है। फरार लोगों में ओडिशा और आंध्र प्रदेश के ड्रग डीलर तुम्बुनाथ और रमेश हैं। पुलिस के मुताबिक, सौरभ, राधा और जय प्रकाश ने जल्दी और आसानी से पैसा कमाने के इरादे से ड्रग तस्करी शुरू की। उन्होंने ओडिशा के एक ड्रग डीलर तुम्बुनाथ और आंध्र प्रदेश में अराकू एजेंसी के एक अन्य ड्रग पेडलर रमेश से संपर्क किया और अपनी रुचि व्यक्त की। वे उनसे 2,500 रुपये प्रति किलो गांजा खरीद रहे हैं और इसे मथुरा में ग्राहकों को 15,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच बेच रहे हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, "जांच चौकियों पर पकड़े जाने से बचने के लिए, संदिग्ध अदरक, बाजरा के पौधों के नीचे और कार के गुप्त केबिन में छिपा देते हैं।" एक गुप्त सूचना के आधार पर, माधापुर पुलिस ने खानमेट में संदिग्धों को उस समय पकड़ा, जब वे एक कार में तस्करी कर उड़ीसा के दर्लीपुट से हैदराबाद होते हुए उत्तर प्रदेश के मथुरा जा रहे थे।

कनाडा के अधिकारियों ने टीएसपीआईसीसीसी का दौरा किया

सीपी सीवी आनंद ने प्रतिनिधिमंडल को दी पुलिस की कार्यशैली की जानकारी

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बैंगलोर में कनाडा के महावाणिज्य दूतावास और नई दिल्ली में कनाडा के उच्चायोग के अधिकारियों ने हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्तालय और टीएसपीआईसीसीसी का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में बेंगलुरु में कनाडा के महावाणिज्य दूतावास में डैनियल मोरेंसी, नई दिल्ली में कनाडा के उच्चायोग में कौंसल सुश्री क्लाउड रोचॉन और उच्चायोग में वरिष्ठ कांसुलर कार्यक्रम अधिकारी जसविंदर सिंह शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने शहर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद के साथ मुलाकात की। प्रतिनिधियों को अत्याधुनिक कमांड कंट्रोल सिस्टम की झलक मिली। सीपी आनंद ने सुविधा के कार्य तंत्र के बारे में बताया और बताया कि कैसे यह पुलिस बल को आपात स्थिति में जल्दी और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने में सक्षम बनाता है। "प्रणाली सार्वजनिक सुरक्षा और कानून प्रवर्तन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए शहर की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। वास्तव में यह कई विकसित देशों में अन्य सामरिक कमांड नियंत्रण केंद्रों के बराबर है।" प्रतिनिधियों ने विचार व्यक्त किए। सीपी आनंद के साथ अपनी बातचीत से पहले, समूह ने हैदराबाद सिटी पुलिस की एसएचई टीमों और भरोसा केंद्र का दौरा किया। डीसीपी स्नेहा मेहरा ने उन्हें एसएचई टीमों की सेवाओं, राहत और पुनर्वास उपायों, बाल अनुकूल अदालतों के बारे में जानकारी दी और उन्हें राज्य की राजधानी में लागू किए जा रहे महिला सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने उचित सुरक्षा ढांचे के माध्यम से सभी समावेशी विकास को मजबूत करने के लिए तेलंगाना सरकार की भी सराहना की और शी टीम और भरोसा की सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे पास शहर की संस्कृति से परिचित होने का अच्छा समय और अवसर था। कुल मिलाकर, बैठक कनाडा के अधिकारियों और हैदराबाद पुलिस आयुक्त के कार्यालय के बीच विचारों और सूचनाओं का एक उत्पादक आदान-प्रदान था।

टैंकबंड पर कल से फिर शुरू होगा सनडे-फनडे

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) द्वारा टैंक बंड में लोकप्रिय रविवार-फनडे को 19 फरवरी से पुनर्जीवित किया जाएगा। हुसैन सागर झील में हाल ही में लॉन्च किया गया देश का सबसे बड़ा म्यूजिकल फ्लोटिंग फाउंटेन एक अतिरिक्त आकर्षण बनने के लिए तैयार है। रविवार को शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक एक घंटे के अंतराल के साथ लगभग 15 मिनट के लिए चार बार बजाया जाता है और इसमें लगभग छह धुनें होती हैं। दो साल पहले शुरू किया गया संडे-फनडे कार्यक्रम लोगों के बैंड प्रदर्शन, सांस्कृतिक गतिविधियों और खेलों का आनंद लेने के साथ हिट हो गया। कार्यक्रम के घंटों के दौरान पूरे टैंक बंड को यातायात मुक्त कर दिया गया था। बड़ी संख्या में लोग इत्मीनान से टहलने के लिए आते थे और स्नैक्स का आनंद लेते थे। यह कई कारणों से पिछले कई हफ्तों से आयोजित नहीं किया गया था।

न्याय के लिए इंदिरा पार्क से डीजीपी दफ्तर तक अर्धनग्न पहुंचा किसान

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक अनोखे विरोध में, वरंगल जिले के पोनागल गांव के एक अर्धनग्न किसान सुरेंद्र, अपने कंधे पर हल और हाथ में एक रस्सी लेकर, इंदिरा पार्क से कार्यालय तक पैदल चल पड़े। शुक्रवार को लकड़ीकापुल में पुलिस महानिदेशक ने उन्हें न्याय दिलाने और सत्ताधारी बीआरएस नेताओं से सुरक्षा की मांग की। अर्धनग्न किसान ने मांग की कि राज्य सरकार उसके भाई और बीआरएस नेताओं को जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाकर ठगने के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित करे। अन्यथा, यदि वह एक शो करने का दोषी पाया गया, तो उसे राज्य की राजधानी के केंद्र में फांसी पर लटका दिया जा सकता है। सुरेंद्र ने आरोप लगाया कि स्थानीय बीआरएस नेताओं ने उनकी जमीन के दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा किया और जमीन उनके भाई के नाम पर करने का दबाव बनाया।

CLASSIFIEDS

WANTED

FAST MANAGEMENT WANTED . MARKAYTIG FILD OFFICERS SECURITY GUARD HOUSKIPIG MANPAWAR SUPPLY CALL ME NUMBER 9247383030 9393656543

3 व्हीलर, 4 व्हीलर वाहन चलाने के लिए के लिए ड्राइवर चाहिए, वेतन 12,000, रूम और भोजन फ्री । उम्र 35 के अंदर । यूपी, बिहार और छत्तीसगढ लोगों को मुख्य रूप से । सिकंदराबाद स्टेशन के पास । संपर्क : 9652421196, 040- 27503331

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

लखनऊ का नाम बदले की मांग पर अमित शाह बोले

'नहीं हटाना चाहते हैं मुगलों का कोई योगदान'

लखनऊ, 17 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ का नाम बदले को लेकर बीते कुछ दिनों से बयानबाजी चल रही है. प्रतापगढ़ के सांसद संगम लाल गुप्ता ने हाल ही में लखनऊ का नाम बदलकर लक्ष्मण नगरी या फिर लक्ष्मणपुरी करने की मांग की थी. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा था. अब इसपर अमित शाह की प्रतिक्रिया आई है. केंद्रीय गृह मंत्री से जब शहरों के नाम बदले पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, देखिए मुगलों का कोई योगदान नहीं हटाना चाहिए. हम भी नहीं हटाना चाहते हैं. लेकिन इस देश की परंपरा को हम स्थापित करना चाहते हैं तो किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए. एक भी शहर ऐसा नहीं है, जिसका पुराना नाम नहीं बदला है. इसको हमलोगों की सरकारों ने बहुत सोच समझकर फैसले लिए हैं और हर सरकार का ये विधाई अधिकार है.

क्या बोले ये सीएम योगी?

इससे पहले सीएम योगी ने कहा था, हम नाम बदलने के पहले पूर्व घोषणा नहीं करते हैं. जब करना होगा तो दमदार तरीके से ही करेंगे. लखनऊ अपने आप में एक ऐतिहासिक नाम है. लखनऊ हमारे प्रदेश की राजधानी है. लखनऊ की पहचान पौराणिक भी है और ऐतिहासिक भी है. इसलिए अभी लखनऊ, लखनऊ के रूप में जाना जा रहा है, इसका नाम अभी लखनऊ ही रहेगा.

हालांकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा था, 19वीं सदी के अंत तक इस शहर को लखनपुर कहने की परंपरा चली आ रही थी. यह नगर एक तरफ हमारी प्राचीनतम परंपराओं से जुड़ा हुआ है तो दूसरी ओर आधुनिक काल में भी संस्कृति, साहित्य और कला कौशल का प्रमुख केंद्र है. बता दें कि लखनऊ के अलावा यूपी के गाजीपुर और बहराइच का नाम बदलने की मांग उठी है. ये मांग सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने की थी.

दर्दनाक हादसे से मची चीख-पुकार, दंपती ने मौके पर तोड़ा दम, बच्चों और ड्राइवर को आई चोट

बिजनौर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। बिजनौर जनपद के नगीना में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां कोतवाली मार्ग पर अचानक कार पलटने से दंपती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके दो बच्चों व एक मित्र को मामूली चोट आई है। घटना की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भिजवा दिया। बताया गया कि परिवार के सदस्य कार द्वारा एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने काशीपुर से चंडीगढ़ पंजाब जा रहे थे।

'भारत न हिंदू राष्ट्र था, न है और न रहेगा'

बागेश्वर बाबा के ऐलान पर बोले एमपी शफीकुर्रहमान

लखनऊ, 17 फरवरी (एजेंसियां)। देश में हिंदू राष्ट्र के विषय पर विमर्श तेज हो गया है. बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के ऐलान के बाद एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदू राष्ट्र का मर्म समझाया था, वहीं अब संभल से सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क ने भी बयान दिया है. उन्होंने कहा कि भारत ना तो कभी हिंदू राष्ट्र था, ना आज है और ना ही भविष्य में कभी होगा. उन्होंने कहा कि असली मजहब इस्लाम है और दूनिया में इस्लाम का प्रसार मुहब्बत से हुआ है. सांसद डॉ. बर्क ने कहा कि गैर मुस्लिम अखलाख से मुतासिब होकर इस्लाम कबूल करते हैं. उन्होंने कहा कि यह मजहब इंसान की खिदमत करने के लिए आया है. इसी क्रम में उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी पर हमला किया. कहा कि मैं योगी आदित्यनाथ को अच्छे से जानता हूं. वह मेरे साथ रहे हैं. उन्होंने सीएम योगी के हिंदू राष्ट्र वाले बयान पर कहा कि उन्हें समझ लेना चाहिए कि भारत न कभी हिंदू राष्ट्र था और न आज है तथा भविष्य में भी कभी ऐसा नहीं होगा. उन्होंने कहा कि यह देश सेक्यूलर है, जहां सभी धर्म और समाज के लोग एक साथ रहते हैं.

बागेश्वर सरकार के ऐलान से शुरू हुआ विमर्श

बागेश्वर सरकार धीरेन्द्र शास्त्री ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम में हिंदू राष्ट्र का मुद्दा उठाया था. उन्होंने सार्वजनिक तौर पर ऐलान किया था कि 'हिंदुओं, तुम साथ दो हम हिंदू राष्ट्र बनाएंगे'. उनके इस बयान पर देश भर में विभिन्न राजनीतिक दलों ने प्रतिक्रिया दी. खुद सीएम योगी ने राजस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान लोगों को हिंदू राष्ट्र का मर्म समझाया था. वहीं अब सपा नेता शफीकुर्रहमान भी इस मामले में कूद पड़े हैं. उन्होंने कहा कि इंशा अल्लाह हिंदुस्तानी इसको क़ुबूल नहीं करेगा. मुस्लिम का मजहब इस्लाम है. इस्लाम के ऊपर कोई आंच नहीं आ सकती और ना ही इसे कोई दबा सकता है.

सीएम योगी के 'हिंदू राष्ट्र' वाले बयान पर राम गोपाल यादव की तीखी प्रतिक्रिया

लखनऊ, 17 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों में कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है. जिसके बाद इसपर सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है. अब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव राम गोपाल यादव का बयान आया है. राम गोपाल यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, जब लोगों के पास कुछ करने को नहीं रहता है, जब वे निराश होने लगते हैं और जनता उदास होने लगती है तो इसी तरह के भ्रम जाल में फैसलाना चाहते हैं. हिंदू देश में हमेशा से थे और भी धर्मों के लोग थे. वे भी रहेंगे और हिंदू भी रहेंगे. हिंदू धर्म इतना सहिष्णु है कि छोटे मन वाले लोगों को इत तरह की बात नहीं करनी चाहिए. जबकि सपा के प्रदेश कार्यकारिणी के गठन पर उन्होंने कहा, जो ठीक तरह से काम करने वाले कार्यकर्ता होंगे उन्हें जिम्मेदारी दी जाएगी. वो जनता के बीच में जा सकते हैं और काम कर सकते हैं. मैं चहता हूं कि रामचरितमानस पर विवाद होना ही नहीं चाहिए. हर ग्रंथ में कुछ बहुत अच्छी बातें होती हैं. एक-दो बात ऐसी भी होती है जिससे सहमत नहीं हो सकते. जिसपर वो सहमत नहीं हैं उसपर चर्चा नहीं करें और जो अच्छा है उसको लेकर चलें. इससे पहले सीएम योगी ने कहा था, भारत का कोई व्यक्ति अगर हज करने के लिए जाता है तो उसका संबोधिन वहां हिंदू का होता है. अगर भारत का कोई व्यक्ति हज करने के लिए जा रहा है और वहां उसको कोई हाजी के रूप में नहीं मानता है और न ही इस्लाम के रूप में मानता है. वहां उसको हिंदू नाम से संबोधित किया जाता है.

अखिलेश ने निकाला तो भड़कीं रोली और ऋचा

रातभर किए ट्वीट, कहा- सपा ने घोंट दिया लोहिया के समाजवाद का गला

लखनऊ, 17 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (एसपी) ने अपनी दो महिला नेताओं ऋचा सिंह और रोली तिवारी मिश्रा को अनुशासनहीनता का हवाला देते हुए निष्कासित कर दिया। यह घोषणा पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से की गयी है। दोनों महिला नेताओं ने लगातार सपा महासचिव स्वामी प्रयाद मौर्य के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ था। पार्टी से निकाले जाने पर दोनों ही महिला नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि दोनों नेताओं को अनुशासनहीनता के कारण निष्कासित किया गया है। ऋचा सिंह, स्वामी प्रसाद मौर्य के सपा में शामिल होने के बाद से ही उनके खिलाफ मुखर दिखाई दे रही थीं। वहीं रोली तिवारी पार्टी महासचिव के रामचरितमानस को लेकर दिए गए बयान का खुलकर विरोध कर रही थीं। ऋचा सिंह ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में इलाहाबाद पश्चिम सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

"सपा ने घोंट दिया लोहिया के समाजवाद का गला"

इलाहबाद विश्वविद्यालय की पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रहीं ऋचा सिंह ने ट्वीट कर समाजवादी पार्टी पर हमला बोला है। ऋचा सिंह ने ट्वीट कर कहा कि समाजवाद का तात्पर्य है किसी के साथ भी जाति, धर्म और लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाना लेकिन आज जिस तरीके से जाति और लिंग के आधार पर मेरे साथ भेदभाव किया गया है, समाजवादी पार्टी ने लोहिया जी के समाजवाद का गला घोंट दिया।

एक अन्य ट्वीट में ऋचा सिंह ने कहा कि मैं इलाहाबाद विश्वविद्यालय की पहली निर्वाचित महिला अध्यक्ष होने के बाद से ही लगातार निष्कासन का सामना कर रही हूँ। यह निष्कासन कोई नया नहीं है जब जब गलत का विरोध किया निष्कासन को झेला है। पर महिषासुरों के खिलाफ डटकर खड़ी रही इस बार फिर महिषासुर वध होगा।

"रामचरितमानस का अपमान नहीं सहेंगे"

समाजवादी पार्टी की प्रवक्ता रोली तिवारी मिश्रा लगातार स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ सख्त बयान देती हुई दिखाई दे रही थीं। उन्होने एक बयान में इशारा किया था कि अगर उन्हें पार्टी से निकाला जाता है तो वह यह भी स्वीकार कर लेंगी, लेकिन धर्म के अपमान को नहीं सहेंगी। रोली तिवारी ने कई खबरों को साझा करते हुए लिखा कि यह दिखाता है कि अखिलेश यादव रामचरितमानस का अपमान करने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ खड़े हैं।

लखनऊ के बालगृह में चार मासूमों की मौत

जिला प्रशासन में मचा हड़कंप, मंत्री ने दिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

लखनऊ, 17 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्राग नारायण रोड स्थित राजकीय बालगृह में पांच दिनों में चार बच्चियों की मौत को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए उसके अधीक्षक को निलंबित कर दिया है और मजिस्ट्रेट जांच के भी आदेश दिए हैं. जिला प्रशासन ने इन बच्चियों की ठंड से मौत की बात को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि मौत के कारणों के बारे में सही जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चल पायेंगी. इस बारे में महिला कल्याण, बाल विकास और पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य ने बताया कि ये चार बच्चियां कम वजन, जकड़न, दस्त, बुखार थैलीसीमिया से पीड़ित थीं. इनका विभिन्न चिकित्सालयों में उपचार कराया जा रहा था. मंत्री ने भी इन बच्चियों की मौत ठंड से होने की बात को पूर्णतः गलत और भ्रामक बताया है. राजकीय बालगृह में नवजात से लेकर दस साल के बच्चे रखे जाते हैं. यह महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित है. यहां निराश्रित, लावारिस एवं परित्यक्त नवजात शिशुओं को बाल कल्याण समीति के आदेश से रखा जाता है. इस बाल गृह में फिलहाल 28 नवजात सहित कुल 75 बच्चे रह रहे हैं. उनका पालन पोषण उत्तर प्रदेश का महिला कल्याण विभाग करता है. बालगृह में शहर में पाये जाने वाले निराश्रित, लावारिस और परित्यक्त नवजात शिशुओं को रखा जाता है. शहर में कहीं भी पाये गये लावारिस शिशु को यहां रखा जाता है. उनके इलाज से लेकर खानपान आदि सभी जिम्मेदारियां इस बाल गृह की होती है. महिला कल्याण विभाग के जिला परिवीक्षा अधिकारी विकास सिंह ने गुरुवार को बताया कि बाल गृह में चार बच्चियों की मौत 10 और 14 फरवरी के बीच इलाज के दौरान हुई है जो डेढ़ महीने से साढ़े पांच महीने की थीं. उन्होंने कहा कि इन बच्चियों के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है जिसकी रिपोर्ट अभी नहीं मिली है. उनका कहना था कि रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा. उनके अनुसार घटना के मजिस्ट्रेट जांच के भी आदेश दे दिए गए हैं.

पीड़ित परिवार से मिलने आ सकती हैं प्रियंका वाड्रा

इस सप्ताह है औचक टूर की तैयारी

कानपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर देहात के रूरा थानाक्षेत्र में अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान हुए अग्निकांड में जलकर मरने वाली मां-बेटी के परिवार से कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा मिलने आ सकती हैं। घटना के बाद से पुलिस प्रशासन ने अब तक किसी भी विपक्षी दल के किसी भी नेता को परिवार से मिलने नहीं दिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि प्रियंका का यह दौरा औचक व गोपनीय रह सकता है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि प्रियंका गांधी ने घटना की पूरी जानकारी मांगी थी जो उपलब्ध करा दी गई है। माना जा रहा है कि इस हफ्ते के अंत तक वह पीड़ित परिवार से मिल सकती हैं। बता दें, रूरा थाना क्षेत्र के मड़ौली गांव के कृष्ण गोपाल दीक्षित की पत्नी प्रमिला दीक्षित और बेटी शिवा की अवैध अतिक्रमण के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान आग में झुलसने से मौत हो गई थी। पीड़ित का आरोप था कि पुलिस प्रशासन ने ही गांव के कुछ लोगों के साथ मिलकर साजिश रची। एसपी हरदोई की अध्यक्षता में गठित एसआईटी करेगी जांच

जीतन राम मांझी के बयान से महागठबंधन में पड़ सकती है दरार

कहा- मेरे बेटे को सीएम बनाएं, पढ़ा-लिखा भी है

जहानाबाद, 17 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी इन दिनों गरीब संपर्क यात्रा पर हैं और वे इशारों-इशारों में नीतीश कुमार एवं तेजस्वी यादव पर हमला भी बोल रहे हैं. बीते बुधवार को उन्होंने जहानाबाद में नीतीश सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे और अगले दिन गुरुवार को अरवल में तेजस्वी यादव निशाने पर रहे. जीतन राम मांझी ने बड़ा बयान दिया जिससे महागठबंधन में दरार पड़ सकती है. गरीब संपर्क यात्रा के तहत जीतन राम मांझी अरवल पहुंचे थे. इसी दौरान बेटे और बिहार सरकार में मंत्री संतोष सुमन को सीएम बनाने की मांग की. उसके कई कारण बताए. मांझी ने कहा कि संतोष पढ़ा-लिखा है. उसे मुख्यमंत्री बनाना चाहिए. मुख्यमंत्री के लिए बहुतों का नाम आता है, वैसे लोगों को पढ़ा सकता है. वह नेट है. प्रोफेसर है. सब कुछ है. सिर्फ यही है कि वह भुइयां जाति से आता है. जो दलित हैं, गरीब तबके के लोग हैं जिसकी आबादी 90 प्रतिशत है, उसका नेतृत्व नहीं होगा? पिता जीतन राम मांझी की ओर से दिए गए बयान पर उनके बेटे और मंत्री संतोष सुमन ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है. मैं मुख्यमंत्री का उम्मीदवार नहीं हूं. जनता का प्यार-सम्मान पाने के लिए और ऊर्जा के साथ काम करूंगा. गरीब संपर्क यात्रा के दौरान अरवल पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने जिले की अलग-अलग जगहों पर महादलित टोला की बस्तियों में नुक्कड़ सभा के माध्यम से लोगों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने लोगों से अपने बेटे संतोष सुमन को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की. अरवल प्रखंड परिसर में भीमराव आंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जीतन राम मांझी ने कहा कि इस सरकार में दलितों, गरीबों की उपेक्षा हुई है.

बेगूसराय में श्राद्ध कर्म का भोज खाकर लौटने के क्रम में ट्रक ने कुचला; बेटी की मौत, पिता और भाई घायल

बेगूसराय, 17 फरवरी (एजेंसियां)। बेगूसराय में भोज खाकर लौटने के क्रम में एक अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से एक मासूम बच्ची की मौत हो गई जबकि पिता और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना गढ़पुरा थाना क्षेत्र के हरीगिरी धाम के समीप की है। मृत बच्ची गढ़पुरा थाना क्षेत्र के मुरहा गांव के वार्ड संख्या 3 निवासी फूलो दास की पुत्री काजल कुमारी (12) बताई जाती है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि गुरुवार की देर शाम काजल कुमारी अपने पिता फूलो दास और भाई चंदन कुमार के साथ श्राद्ध कर्म का भोज खाकर गढ़पुरा गांव से ठेला पर सवार होकर लौट रहे थे। तभी हरीगिरी धाम के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने ठेला में टक्कर मार दिया। घटना को देखकर आसपास के लोग उधर दौड़ पड़े। लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी और सभी घायलों को पीएचसी पहुंचाया।

रोहतास में पिकअप पलटी

महिला श्रद्धालु समेत तीन की मौत, बच्चा सहित करीब डेढ़ दर्जन लोग घायल

रोहतास, 17 फरवरी (एजेंसियां)। रोहतास में जलाभिषेक के लिए गुप्ता धाम जाने के क्रम में पिकअप वैन पानी भरे खाई में गिर गई जिसमें पिकअप पर सवार दो महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि बच्चा और महिला समेत करीब डेढ़ दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घटना चेनारी थाना क्षेत्र के गाय घाट के पास की है। मृतकों की पहचान मटरा देवी, कांति देवी तथा पिकअप वैन चालक मिट्ठू कुमार के रूप में की गई है। बताया जाता है कि काराकाट के गोरारी थाना क्षेत्र के गेरा-चांदी गांव से एक पिकअप पर सवार 23 श्रद्धालु चेनारी थाना क्षेत्र के गुप्ता धाम के लिए शिवरात्रि को जलाभिषेक के लिए जा रहे थे। तभी चेनारी थाना क्षेत्र के गाय घाट के पास कैमूर पहाड़ी से पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पानी भरे खाई में गिर गई। इस घटना में पिकअप पर सवार दो महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि करीब डेढ़ दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को चेनारी पीएचपी में भर्ती कराया गया लेकिन 8 लोगों की स्थिति गंभीर होने की वजह से उन्हें सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

एक ही फंदे पर लटकते मिले प्रेमियों के शव, देर रात पुलिस और फोरेंसिक जांच को पहुंचे अफसर

कानपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में देर रात पनकी थाना क्षेत्र अंतर्गत शताब्दी नगर के अरावली भवन सी ब्लॉक में युवक और युवती के शव एक ही फांसी के फंदे पर लटकते मिलने से सनसनी फैल गई। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर फोरेंसिक के साथ घटना के साक्ष्य जुटाए। सूचना पर पहुंचे एसीपी पनकी ने जांच शुरू की। वहीं, आसपास के लोगों में मृतक युवक-युवती के प्रेमी युगल होने की चर्चा है। उन लोगों के अनुसार प्रेमी के घर पर देर शाम युवती आई थी। इसके बाद दोनों ने एक साथ आत्महत्या कर ली। मिली जानकारी के अनुसार, अरावली भवन निवासी (34) वर्षीय मोहन सिंह उर्फ मोनू चौहान सात माह पहले फ्लैट में पत्नी राखी और एक बेटी के साथ रहने आया था। मोहन के काफी समय पहले से रतनपुर कॉलोनी निवासिनी (22 वर्षीय) आरजू शर्मा से प्रेम संबंध हो गए थे। पनकी पुलिस के अनुसार 26 फरवरी को आरजू की शादी थी। इसी बात से क्षुब्ध होकर गुरुवार देर शाम वह मोहन के फ्लैट पर पहुंची और एक ही फंदे से दोनों ने फांसी लगाकर जान दे दी।

बिहार में लालू यादव के साए से बाहर निकलना चाहती है कांग्रेस?

कैबिनेट विस्तार को लेकर मचे घमासान की इनसाइड स्टोरी

पटना, 17 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में नीतीश सरकार के कैबिनेट विस्तार को लेकर कांग्रेस और आरजेडी में लड़ाई छिड़ गई है. कांग्रेस की हिस्सेदारी वाली मांग पर डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा है कि पहले कांग्रेस मंत्रियों की लिस्ट लेकर आएं, फिर बात की जाएगी. तेजस्वी के इस बयान पर बिहार कांग्रेस के मुखिया अखिलेश प्रसाद सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. सिंह ने कहा कि नीतीश कैबिनेट का विस्तार होना है, ना कि तेजस्वी कैबिनेट का. बिहार सरकार में कांग्रेस कोटे से अभी अफाक आलम और मुरारी गौतम मंत्री हैं.

हालिया विवाद कब और कैसे शुरू हुआ?

अगस्त 2022 में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने बीजेपी से गठबंधन तोड़कर महागठबंधन की सात पार्टियों के साथ मिलकर सरकार बनाई. सरकार में नीतीश-तेजस्वी समेत 31 मंत्री बनाए गए. इनमें राजद से 17, जेडीयू से 12, कांग्रेस से 2 और हम-निर्दलीय कोटे से एक-एक मंत्री बनाए गए. कांग्रेस ने यहीं से विद्रोह का बिगुल फूंक दिया. पार्टी का तर्क था कि 80 सीटों वाली राजद को 17 पद और 19 सीटें वाली कांग्रेस को सिर्फ 2 पद दिए गए हैं. सरकार में कांग्रेस कोटे के मंत्रियों को भी कमजोर विभाग दिया गया. उस वक्त गुलाम नबी आजाद जैसे दिग्गज नेताओं ने भी इसको लेकर सवाल उठाए. विवाद बढ़ा तो कांग्रेस प्रभारी भक्त चरण दास ने ऐलान कर दिया कि कांग्रेस कोटे से 2 और मंत्री अगले विस्तार में बनाए जाएंगे. जनवरी में जब विस्तार की सुगबुगाहट तेज हो गई तो कांग्रेस ने 2 पद की मांग कर दी, जिसे नीतीश कुमार ने तेजस्वी से सुलझाने के लिए कह दिया.

कांग्रेस की मांग- 5 विधायक पर हो एक मंत्री

243 सदस्यों वाली बिहार विधानसभा में महागठबंधन के पास अभी 145 विधायकों का समर्थन प्राप्त है. कांग्रेस का तर्क है कि बिहार में नियमानुसार 36 मंत्री बनाए जा सकते हैं. ऐसे में 5 विधायक पर एक मंत्री पद का फॉर्मूला आसानी से लागू किया जा सकता है, जिससे आनुपातिक हिस्सेदारी पूरा हो सकता है. इस हिसाब से राजद को 16, जदयू को 9 और कांग्रेस को 5 मंत्री पद मिलेंगे. कांग्रेस नेताओं का कहना है कि महागठबंधन में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद उसके पास कोई महत्वपूर्ण और बड़ा विभाग नहीं है. कांग्रेस आरजेडी को झारखंड का भी उदाहरण देती है, जहां आरजेडी के एक विधायक को ही सरकार में मंत्री बना दिया गया.

एक से ज्यादा पद देने को तैयार नहीं आरजेडी

दिल्ली में पिता लालू प्रसाद यादव से मुलाकात कर पटना लौटे तेजस्वी यादव ने कहा कि कैबिनेट विस्तार में कांग्रेस को एक सीट देने की बात हुई थी. उन्होंने कहा कि सरकार में 4 पार्टियां शामिल है. बाकी के 3 पार्टियां अपनी मर्जी से सरकार में शामिल नहीं हुई हैं. तेजस्वी के बयान के बाद साफ माना जा रहा है कि वो कांग्रेस को कैबिनेट में एक से ज्यादा मंत्री पद नहीं देना चाहती है. ऐसे में इस स्टोरी में जानते हैं कि किन वजहों से कैबिनेट विस्तार को लेकर राजद और कांग्रेस में घमासान मचा है?

आरजेडी के साए से बाहर निकलना चाहती है कांग्रेस?

1998 में सीताराम केसरी के समय कांग्रेस ने आरजेडी के साथ मिलकर लोकसभा का पहला चुनाव लड़ा था. इस चुनाव में कांग्रेस को 4 सीटों पर आरजेडी को 17 सीटों पर जीत मिली थी. भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाले एनडीए गठबंधन ने 29 सीटों पर जीत दर्ज की थी.

उसके बाद कांग्रेस 7 चुनाव आरजेडी के साथ मिलकर लड़ी है. आरजेडी जैसे बड़े सहयोगी दल होने के बावजूद लोकसभा चुनाव में लगातार कांग्रेस का ग्राफ गिरा है. 1999 में कांग्रेस को दो, 2004 में 3, 2014 में 2 और 2019 में 1 लोकसभा सीटों पर जीत मिली.

एक ओर कांग्रेस की सीटें घट रही है, तो दूसरी ओर आरजेडी भी बंटवारे के दौरान उसकी की सीटों में कटौती कर दे रही है. 2014 में कांग्रेस बिहार में 12 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, जबकि 2019 में यह संख्या घटकर 9 पर पहुंच गई. कैबिनेट विस्तार को लेकर हो रही कहासुनी के पीछे भी सबसे बड़ी वजह 2024 चुनाव ही है. कांग्रेस की कोशिश है कि प्रेशर पॉलिटिक्स के जरिए अधिक से अधिक सीटों पर दावा ठोक दें. साथ ही उन समीकरण को भी मजबूत करें, जिसकी बदौलत कभी कांग्रेस बिहार की सत्ता में थी.

कश्मीरी पंडितों के विरोध प्रदर्शन के 300 दिन की कहानी, एक तरफ प्रशासन, दूसरी ओर आतंकी

श्रीनगर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। यह साल का वह समय है जब कश्मीरी पंडितों के पास शायद ही किसी और चीज के लिए समय होता है क्योंकि वे अपने घरों में भगवान शिव और माता पार्वती का स्वागत करने में व्यस्त रहते हैं. उनके लिए यह महाशिवरात्रि के पावन उत्सव को धूमधाम से मनाने का समय है. हालांकि दर्जनों कश्मीरी पंडित कर्मचारियों के लिए पहले से ही उत्सव का माहौल खराब हो चुका है. पिछले साल की शुरुआत में 'टारगेट किलिंग' यानी लक्षित हत्याओं के कारण उन्हें घाटी से पलायन करना पड़ा था. चिलचिलाती गर्मी और कड़ाके की सर्दी से जूझते हुए वे पिछले साल के अगस्त से वेतन के बिना जम्मू में करीब 300 दिनों से विरोध कर रहे हैं. कश्मीरी पंडितों का दावा है कि उन्होंने दर्जनों ज्ञापन सौंपे हैं और उपराज्यपाल से भी मिले हैं लेकिन उनकी याचिकाओं का कोई जवाब नहीं आया है.

क्या हैं उनकी मांगें?

पंडित मांग कर रहे हैं कि उन्हें तब तक के लिए जम्मू ट्रांसफर कर दिया जाए जब तक कि सुरक्षा संबंधी खतरों से निपट नहीं लिया जाता और उनके बकाया वेतन का भुगतान नहीं हो जाता. प्रदर्शन कर रहे एक कश्मीरी पंडित कर्मचारी अक्षय (पहचान सुरक्षित रखने

के लिए नाम बदल दिया गया है) ने पूछने पर बताया, 'हमारी मांग यह नहीं है कि हमें स्थायी तौर पर जम्मू ट्रांसफर कर दिया जाए. हम तो अस्थायी व्यवस्था की मांग कर रहे हैं जहां हमें अपनी जान बचाने को मिले और प्रशासन काम करवाए. हम यह नहीं कह रहे कि हम आपको एक योजना देंगे. दरअसल हम इसकी मांग कर रहे हैं. हमारे विरोध को शुरू हुए 287 दिन हो चुके हैं. आतंकी कश्मीरी पंडितों को निशाना बना रहे हैं. पिछली घटनाएं इसकी गवाही दे रही हैं. राहुल भट की हत्या के बाद कई और लोग मारे गए. आज भी हमें धमकी भरे पत्र मिल रहे हैं. हम प्रशासन से बस इतना ही कहते हैं कि अगर आप चाहते हैं कि हम 35 साल कश्मीर में रहें, तो हमें एक रोडमैप दें. हमें बंदूक की नोक पर अपने घरों से बाहर निकाल दिया गया है. क्या हमें इतिहास को दोहराने देना चाहिए?'

घाटी छोड़ने की मजबूरी

विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले रंजन ने कहा, 'हमारे पास घाटी छोड़ने के अलावा और कोई चारा नहीं बचा था. हमारा वेतन जारी हुए सात महीने हो चुके हैं. हम एलजी से मिलने की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन प्रशासन अड़ियल रवैया अपनाए हुए है. क्या इंसान की जान से ज्यादा कीमती कुछ है? हम एलजी से हमारी जान बचाने की गुहार लगाते रहे हैं, क्या यह बहुत बड़ी मांग है? प्रशासन उन लोगों पर ध्यान दे रहा है जो बिना रोडमैप के इन पंडितों को वापस ले जा रहे हैं. हमसे बात क्यों नहीं करते? अगर वे ऐसा चाहते हैं तो हम इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं.' एक और कश्मीरी पंडित योगेश पंडिता ने कहा, 'हम जम्मू में स्थित ऑफिस से काम करने को तैयार हैं. हम बस इतना चाहते हैं कि कोई भी रात हमारे लिए अंतिम न हो और हम डर के बिना शांति से सोएं. अपनी पहली मुलाकात के दौरान ही हमने एलजी से अपनी समस्याओं को समझा दिया, लेकिन इसके बजाय, उन्होंने प्रमोशन और तबादलों के बारे में बात की, जिस पर हम चर्चा नहीं करना चाहते थे.

कहानियां और भी हैं

घाटी के केमिस्ट माखन लाल बिंदू को श्रीनगर में इकबाल पार्क के पास उनकी दुकान के बाहर अक्टूबर 2021 में दिनदहाड़े गोली मार दी गई. बिंदू की मौत ने स्पष्ट संदेश दिया कि आगे और भी नरसंहार होंगे. दरअसल यह सिर्फ शुरुआत थी. कश्मीर में आने वाले महीने में एक के बाद एक टारगेट किलिंग की घटनाएं हुईं, जिससे पंडित समुदाय के बीच भय और दहशत का माहौल पैदा हुआ. टारगेट किलिंग बढ़ती घटनाओं से घबराए पंडितों ने अपनी चिंताओं को सुनाने के कई प्रयास किए, लेकिन उन्हें कोई खास सफलता नहीं मिली. निराशा और मायूसी के साथ डर के साये में तब तक वे अपने कर्तव्यों का पालन करते रहे जब तक कि एक कश्मीरी पंडित 36 वर्षीय राहुल भट की 12 मई को मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में उनके कार्यालय के अंदर गोली मारकर हत्या नहीं कर दी गई. इस दुखद घटना के बाद पंडितों ने आक्रामक तेवर अपनाए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. उनकी मांग है कि स्थिति नियंत्रण में आने तक उन्हें जम्मू ट्रांसफर कर दिया जाए. विरोध प्रदर्शन के दौरान भी कश्मीर एक और हत्या से हिल गया. इस बार रजनी बाला नाम की एक हिंदू शिक्षिका को दक्षिण कश्मीर के गोपालपोरा इलाके में आतंकवादियों ने 31 मई को गोली मार दी. बाला की हत्या के बाद हत्याओं का दौर नहीं थमा. अपनी जान के डर से उन्होंने विरोध को जम्मू ले जाने का फैसला किया. पंडितों ने कहा कि कुछ ऐसे लोग जिनके पास अपने परिवार की देखभाल के लिए कोई अन्य साधन नहीं थे, जिनके पास देखभाल करने के लिए बुजुर्ग थे या जो बीमारियों से पीड़ित थे, वे दबाव के आगे झुक गए और कश्मीर में फिर से नौकरी शुरू कर दी.

पंडित वापस आएंगे?

गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह दिन दूर नहीं जब कश्मीरी पंडित अपने वतन लौटेंगे. एलजी मनोज सिन्हा ने पिछले साल 22 दिसंबर में कहा था, "हमने विरोध कर रहे कर्मचारियों को 31 अगस्त तक का वेतन दे दिया है. यह उनके लिए स्पष्ट संदेश है और उन्हें इसे सुनना और समझना चाहिए.'

पूर्व सिक्योरिटी एक्सपर्ट की राय

नाम न छापने की शर्त पर एक पूर्व सुरक्षा विशेषज्ञ ने कहा कि भले ही कश्मीरी पंडितों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है, लेकिन उन्हें भरोसे में लेने के लिए नौकरशाही की जरूरत होगी. विरोध कर रहे कई कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को पहले से ही उन स्थानों पर तैनात किया गया है जो सुरक्षित क्षेत्रों में हैं. उन्हें सरकार पर भरोसा करना होगा और अपने काम पर वापस लौटना होगा. सरकार के लिए यह भी अनिवार्य है कि वह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करे और विरोध करने वाले कर्मचारियों की पुख्ता सुरक्षा के लिए कदम उठाए. साथ ही नौकरशाही को चाहिए कि वह अपने अहंकार को त्याग कर इन लोगों से बात करे, उन्हें आश्वासन दे और उन्हें भरोसे में ले ताकि वे सुरक्षित महसूस करें.

वेतन जारी करने को लेकर हंगामा

हाल ही में जम्मू-कश्मीर सरकार ने घाटी में सभी विभाग प्रमुखों को आदेश जारी कर उन कश्मीरी पंडित कर्मचारियों और जम्मू क्षेत्र के आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों के बकाए वेतन का भुगतान करने को कहा है, जिन्होंने घाटी में अपना काम फिर से शुरू कर दिया है. हालांकि, इस आदेश में उन कर्मचारियों के बारे में कोई उल्लेख नहीं है जो जम्मू में धरने पर बने हुए हैं.

'5 दिन में भेज देंगे ऊपर', दलित की तरफदारी पर कांग्रेस नेता को खून से लिखी धमकी वाली चिट्ठी

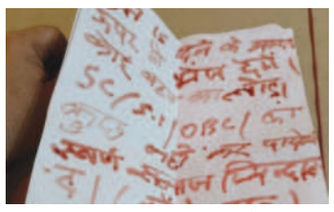

ग्वालियर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में कांग्रेस के नेता और यादव महासभा के अध्यक्ष रुपेश यादव को जान से मारने की धमकी मिली है. यह धमकी उन्हें खून से लिखी चिट्ठी के जरिए मिली है. बुधवार की शाम को जब रुपेश यादव अपने कार्यालय पहुंचे तो यह पत्र दरवाजे के अंदर पड़ा मिला. इस पत्र में भेजने वाले का नाम नहीं है. रुपेश यादव ने तत्काल मामले की जानकारी सिरोल पुलिस को दी.अब पुलिस ने धमकी की धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. सिरोल थाना पुलिस ने बताया कि कांग्रेस नेता रूपेश सिंह यादव ने किसी अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दी है. उन्होंने बताया कि बुधवार की शाम को वह सचिन तेंदुलकर मार्ग स्थित अपने आफिस पहुंचे थे. जैसे ही उन्होंने ऑफिस का गेट खोला, अंदर दो पन्ने की चिट्ठी पड़ी थी. उन्होंने उठाकर देखा तो पता चला कि यह चिट्ठी खून से लिखी गई है. इसमें उन्हें दलितों वंचितों की तरफदारी करने पर चेतावनी और जान से मारने की धमकी दी गई थी. चिट्ठी में उन्हें धमकी देने वाले ने पांच दिन की मोहलत दी है. कहा है कि नहीं सुधरने पर उन्हें ऊपर पहुंचा दिया जाएगा.इसी के साथ ही चिट्ठी में अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए लिखा है कि अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्गका कुछ नहीं कर पाओगे.

केस दर्जकर जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने बताया कि चिट्ठी में लिखा है कि स्वर्ण समाज जिंदाबाद, ब्राह्मण-ठाकुर एकता जिंदाबाद. इसी प्रकार दूसरे पन्ने पर लिखा है कि कमीने रुपेश यादव तूं हरिजन की बहुत तरफदारी करता है, तेरे चक्कर में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग के बहुत चिरकुट ज्यादा उड़ने लगे हैं. पुलिस ने कांग्रेस नेता की शिकायत और चिट्ठी के मजबून के आधार पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है. पुलिस धमकी भरी चिट्ठी लिखने वाले की तलाश कर रही है.

सीसीटीवी खंगाल रही है पुलिस

पुलिस ने बताया कि धमकी वाले की तलाश में पुलिस ने हर संभव कोशिशें शुरू कर दी हैं. इसी क्रम में पुलिस ने कांग्रेस नेता के दफ्तर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है. उधर, रूपेश यादव ने कहा कि वह इस प्रकार की धमकी देने वाले को नहीं जानते. उन्होंने कहा कि यदि उस व्यक्ति में दम है तो उसे सामने आकर ऐसी बात करे. उधर, सिरोल पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है. जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा.

कराला गांव में हुई चोरी की गुत्थी को पुलिस ने सुलझाया, 2 आरोपियों को दबोचा

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। बीते 12 फरवरी को दिल्ली के कंझावला थाना अंतर्गत कराला गांव में लकड़ी के सांचों के बंडलों की चोरी के मामले में पुलिस को सफलता हाथ लगी है. रोहिणी जिले की कंझावला पुलिस ने इस मामले में आरोपित 2 चोरों को गिरफ्तार किया है. लगातार पूछताछ करने पर इनके कब्जे से चोरी का माल बरामद कर लिया गया है. साथ ही अपराध में इस्तेमाल किया गया ऑटो भी बरामद किया गया है. दरअसल रोहिणी जिला के डीसीपी डॉ. गुरइकबाल सिंह सिद्धू ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते 12 फरवरी को कराला गांव में लकड़ी के मोल्डिंग के बंडलों की चोरी के संबंध में एक सूचना दी गई थी, जिसके बाद कंझावला पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के तमाम सीसीटीवी फुटेज को खंगाला. साथ ही टेक्निकल सर्विलांस की मदद लेते हुए अपने लोकल इनपुट का भी सहारा लिया. सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान पुलिस टीम ने दो संदिग्ध व्यक्ति पाए. दोनों की पहचान विकास और सुमित कुमार के रूप में हुई है.

'भारत को हिंदू-राष्ट्र बनाने की चाह रखने वाले करना चाहते हैं देश को बर्बाद'

भाजपा पर नीतीश कुमार का हमला

पटना, 17 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हिंदुत्व की राजनीति करने पर भाजपा पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश में हर धर्म, संप्रदाय के लोग रहते हैं। यदि कोई भारत को 'हिंदू-राष्ट्र' बनाना चाहता है तो वो देश को बर्बाद करना चाहता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीबीसी के ऑफिस पर आईटी सर्व की कार्रवाई को लेकर भी भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि अगर कार्रवाई की जाती है तो साफ हो जाएगा कि मोदी सरकार क्या चाहती है। इससे पता चलता है कि अगर कोई उनके (मोदी सरकार) खिलाफ बोलेगा तो उन्हें परिणाम भुगतने होंगे।नीतीश कुमार ने आगे अपनी सरकार का उदाहरण देते हुए कहा कि जो लोग हमारे खिलाफ बोलना और लिखना चाहते हैं, वे ऐसा कर सकते हैं। आखिरकार, फैसला जनता करेगी। जब हम संसद में थे तो हमारी बात सुनी गई। जब हम सरकार में थे, तब भी पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी विपक्ष की बात सुनते थे। यदि मोदी सरकार अडाणी विवाद को अस्वीकार करती है तो यह एक आंतरिक मामला होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमारा काम लोगों की सेवा करना है और उसके लिए हम रात-दिन काम करते रहते हैं। इस सरकार ने किसानों के हित में काम किया है। अगर कोई मेरे खिलाफ बोलेगा तो वो जनता का नेता नहीं बनेगा, किसी पार्टी का नेता बनेगा। उन्होंने कहा कि हमें केवल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कही बातों का पालन करना चाहिए। हम गांधीजी के बताए रास्ते पर ही चल रहे हैं। बिहार के राजनीतिक गलियारों में उथलपुथल मची है। एक तरफ नीतीश कुमार को अपनी पार्टी में उपेंद्र कुशवाहा से बगावत का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी तरफ नीतीश कुमार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की फोन पर बातचीत से नीतीश कुमार के फिर से पलटी मारने की चर्चा ने जोर पकड़ ली है। हालांकि, जदयू और राजद के नेता नीतीश कुमार का ही पक्ष ले रहे हैं। जदयू के एक नेता ने सीएम के पलटी मारने की अफवाहों को लेकर कहा कि 'नीतीश ने हमेशा गठबंधन धर्म का पालन किया है। जिसके साथ रहे, पूरी ईमानदारी के साथ रहे हैं।' वहीं, नीतीश कुमार पहले ही कह चुके हैं कि वह फिर से भाजपा से हाथ मिलाने के बजाय मरना पसंद करेंगे। वहीं, शुक्रवार को भाजपा के हिंदुत्व की राजनीति पर नीतीश कुमार का करारा हमला उड़ रही तमाम अफवाहों पर विराम लगा सकता है।

एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

श्रीनगर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीनगर के करण नगर के अंतर्गत पड़ते गोल मार्केट इलाके में शुक्रवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। अधिकारियों ने बताया कि कि शुक्रवार को गोले बाजार इलाके करण नगर में मिले एक अज्ञात शव को श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल ले जाया गया है। एसएमएचएस के एक अधिकारी ने बताया कि 20-22 साल के एक व्यक्ति का शव अस्पताल लाया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा शव की पहचान की जा रही है।

16 साल से पुलिस की आंख में झोंक रहा था धूल, भगोड़ा पकड़ने वाली टीम ने पहुंचा दिया तिहाड़

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। डेढ़ दशक से ज्यादा समय से फरार चल रहे एक कुख्यात भगोड़ा को आखिरकार साउथ वेस्ट जिले के आर के पुरम थाने की पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी की पहचान आस मोहम्मद के रूप में हुई है, यह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का रहने वाला है. जानकारी के अनुसार जब कुख्यात बदमाश फरार हुआ था, तो इसकी उम्र 31 साल थी और आज इसकी उम्र 47 साल हो चुकी है. पुलिस ने आरोपी को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया है.

बरातियों ने शादी के रंग में डाला भंग

मारपीट और पथराव के बाद दुल्हन की हुई ऐसी विदाई...हर जगह चर्चा

भगवानपुर (हरिद्वार), 17 फरवरी (एजेंसियां)। गांव में बरातियों ने बैंड वाले को डांस करने के लिए रुकने के लिए कहा तो विवाद हो गया। बरातियों ने बैंड वाले से अभद्रता कर दी। बैंड वाला उसी गांव का निवासी है। जिस गांव में बारात आई थी। जिसके चलते गांव वालों ने बरातियों पर हमला बोल दिया। दोनो पक्षों के बीच पथराव भी हुआ। एसपी देहात एसके सिंह ने मौके पर पहुंचकर जानकारी ली है। घटनाक्रम के अनुसार क्षेत्र के ग्राम डाडापटटी निवासी एक ग्रामीण के बेटे की बारात क्षेत्र के ही ग्राम अकबरपुर कालसो मे एक ग्रामीण के यहाँ गई थी। जैसे ही बराती गांव में बरद्वारी कर रहे थे तो इसी बीच एक बराती और बैंड बजाने वाले के बीच किसी बात को लेकर नोकझोंक हो गई और मारपीट कर दी। इसी दौरान गांव के एक विशेष समुदाय के कुछ लोग बैंड वाले वयक्ति के पक्ष में आकर बरातियों के साथ धक्कामुक्की करने लगे। जिसके बाद बरातियों के पक्ष में भी दूसरे समुदाय के लोगों ने आकर हंगामा कर दिया। दोनों पक्षों के बीच पथराव हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को किसी तरह संभाला।

दुल्हन की विदाई के लिए छावनी बना गांव

इस दौरान तीन लोगों को हिरासत में ले लिया गया। साथ ही पुलिस तैनात कर दी गई। जिसके चलते दुल्हन की विदाई के लिए गांव छावनी में तब्दील हो गया। एसपी देहात स्वप्न किशोर ने गांव पहुंचकर घटना की जानकारी ली है। उन्होंने बताया है कि मामला बैंड वाले और बरातियों के बीच का था। जिसमे गांव वाले भी आ गए थे। फिलहाल मामला शांत हो गया है। भगवानपुर थाना प्रभारी राजीव रोथाण ने बताया कि अकबरपुर कालसो निवासी तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सात साल की बच्ची को सगी बुआ देती थी ऐसी दर्दनाक सजा, जानकर रूह कांप उठेगी

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के आरके पुरम इलाके से एक सात साल की बच्ची के साथ जुल्म की दर्दनाक दास्तां सामने आई है। एक सगी बुआ ने सात साल की बच्ची को गोद लिया और गोद लेने के पहले ही दिन से उसे प्रताड़ित कर रही थी। पहली कक्षा में पढ़ने वाली बच्ची के शरीर पर जब स्कूल की टीचर ने चोट के इतने निशान देखे तो उसने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने जब मामले की पड़ताल की और बच्ची का मेडिकल कराया तो जांच की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि बच्ची के शरीर पर 18 से ज्यादा चोटों के निशान हैं। पुलिस ने सफदरजंग अस्पताल में तैनात आरोपी नर्स और उसके पति को रूड़की से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नर्स रिश्ते में बच्ची की बुआ लगती है और उसने बच्ची को गोद लिया था। मिली जानकारी के मुताबिक बच्ची के शरीर पर चोट के निशान स्कूल टीचर ने देखा और उसने पुलिस को फोन किया। बच्ची ने पुलिस को जो बताया वो सुनकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। बच्ची ने बताया कि वो अपनी बुआ के साथ आर के पुरम में रहती है,कक्षा एक में पढ़ती है। बुआ ने गोद लेने के बाद पहले ही दिन से ही उसकी पिटाई शुरू कर दी थी। बच्ची ने बताया कि उसे दिसंबर और जनवरी में सर्द रातों में बिना कपड़े के घर की छत और बालकनी में सुलाया जाता था। उसे कोयले से जलाया गया और चाकू से उसकी जीभ काट दी गई। उसे गर्म पतीले में बैठाया जाता था। उसकी हर रोज पिटाई होती थी। दिल्ली पुलिस ने आरोपी नर्स और उसके पति को पहले रुड़की से गिरफ्तार किया, फिर उसके बेटे को भी धर दबोचा है। आज उन सबको कोर्ट में पेशी के बाद दिल्ली पुलिस सबको रिमांड पर लेगी और फिर जानने की कोशिश करेगी कि वह ऐसा क्यों करती थी। जब उसने भतीजी को गोद लिया था तो फिर उसे क्यों ऐसी यातना देती थी। आरोपी नर्स का नाम रेनू कुमारी है जो दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में काम करती है। उसके पति का नाम आनंद कुमार है।

अंबाला में संदिग्ध हालात में मां-बेटी लापता: महिला ने पति को मैसेज लिखा- 'मैं अब घर नहीं आऊंगी, तू मेरी तरफ से फ्री है'

अंबाला, 17 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में पति को मैसेज छोड़ 28 वर्षीय महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। महिला अपने साथ 4 वर्षीय बेटी को भी ले गई। हर जगह तलाश करने पर भी परिजनों को महिला व बच्ची का कहीं कोई सुराग नहीं लगा है। इसके बाद परिजनों ने नारायणगढ़ पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। गांव लाहा निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसकी बेटी की शादी गांव सुरजपुर में हुई थी। शादी के बाद से उसकी बेटी के पास एक 4 साल की बेटी भी है। 11 फरवरी को दामाद उसकी बेटी और दोहती को उसके घर छोड़कर गया था।

लूट के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

नगदी और एटीएम कार्ड बरामद

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिणी दिल्ली जिला के अंबेडकर थाने की पुलिस ने अपने फैक्ट्री के पास घूम रहे एक व्यापारी से लूट के मामले में दो लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है. इनके कब्जे से टीम ने 2,000 रुपये नकद, एटीएम कार्ड और आईडी प्रूफ बरामद किया है. आरोपियों की पहचान दक्षिणपुरी निवासी अमित और विपिन के रूप में की गई है, जिनपर पहले से ही 2 आपराधिक मामले दर्ज हैं. दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि, थाना अंबेडकर नगर में लूट की घटना की सूचना मिली थी. इसपर तत्काल पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंचे, जहां शिकायतकर्ता निवासी मदनगीर ने बताया कि रात करीब 10 बजे वह कृष्णा आइसक्रीम फैक्ट्री मदनगीर के पास टहल रहे थे. इस दौरान अचानक दो अज्ञात व्यक्ति उसके पास आए, जिनमें से एक ने पीछे से उसका गला पकड़ लिया और दूसरे ने उसका पर्स लूट लिया, जिसके बाद वह फरार हो गए. इसमें 3,100 रुपये सहित एटीएम कार्ड और आधार कार्ड था. इस संबंध में अंबेडकर नगर थाने में मामला दर्ज किया गया और अपराध की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए एसीपी ने अंबेडकर नगर थाने के एसएचओ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया. इसमें एसआई पंकज, एएसआई जगरूप सिंह, हेड कॉन्स्टेबल दीप राम, कॉन्स्टेबल सत्येंद्र और हेड कॉन्स्टेबल सुनील को शामिल किया गया. पुलिस ने जांच करते हुए अपराध स्थल का दौरा किया और आसपास के 30 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की. साथ ही लुटेरों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए शिकायतकर्ता से भी गहनता से पूछताछ की गई.

फतेहाबाद में स्पा सेंटरों पर पुलिस रेड

पूछताछ के लिए एक युवती और 2-3 युवकों को हिरासत में लिया; कार्रवाई से हड़कंप

फतेहाबाद, 17 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद में शुक्रवार दोपहर पुलिस की अलग-अलग टीमों ने शहर के सभी स्पा सेंटरों पर रेड की। अधिकतर स्पा सेंटरों में छानबीन के दौरान अवैध गतिविधि नहीं मिली। हुडा सेक्टर के एक सपा सेंटर से एक युवती सहित 2-3 लोगों को पूछताछ के लिए पुलिस अपने साथ ले गई। पुलिस रेड से स्पा सेंटरों पर हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार आईजी स्टाफ और शहर पुलिस की अलग-अलग टीमों ने दोपहर को अचानक शहर के सभी स्पा सेंटरों को खंगालना शुरू कर दिया। शहर में हुडा सेक्टर, अरोड़वंश धर्मशाला रोड, सिरसा रोड पर बाबा कॉम्प्लेक्स, शिवालय मार्केट के सामने स्थित स्पा सेंटरों पर पुलिस की टीमों ने दबिश दी।

75 का दूल्हा, 65 की दुल्हन

10 साल से लिव इन में रहे, गांव वालों ने कराई शादी

भोपाल, 17 फरवरी (एजेंसियां)। न उम्र की सीमा हो न जन्म का हो बंधन, जब प्यार करें कोई तो देखे केवल मन, नई रीत चला कर तुम मेरी प्रीत अमर कर दो। इस मशहूर गीत के बोल सतना में हकीकत में बदल गए, वाकई नई रीत चली और प्रीत अमर हो गई। सतना की रामनगर जनपद में गुरुवार को प्यार के आगे उम्र के सारे बंधन भी टूट गए।

एक बुजुर्ग जोड़े ने उम्र के चौथे पड़ाव पर पहुंच कर विवाह रचाया। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में 75 साल के दूल्हे भगवानदीन और 65 साल की मोहनिया ने सात फेरे लिए। रामनगर की देवरी पंचायत के रहने वाले भगवानदीन जन्म से दिव्यांग है। उनका विवाह हुआ था, लेकिन कोई संतान नहीं हुई। 11 साल पहले उनकी पत्नी की मौत हो गई। उधर, मोहनिया ने तो विवाह ही नहीं किया था। विवाह सम्मेलन में प्रदेश के पंचायत राज्य मंत्री राम खिलावन पटेल शामिल हुए। भगवानदीन की पत्नी के निधन के बाद वह अकेले हो गए थे। मोहनिया भी अकेली ही थी। पिछले 10 साल से दोनों लिव इन में रह रहे थे। उनके प्रेम की खबर गांव वालों को भी थी। इसी बीच उन्हें पता चला मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत विवाह सम्मेलन होने वाला है। गांववालों ने भगवानदीन को मोहनिया से शादी करने के लिए प्रेरित किया। दोनों शादी के लिए राजी हो गए। जैसे ही ये प्रेमी जोड़ा कार्यक्रम स्थल पहुंचा तो उन्हें देखने के लिए भीड़ जमा हो गई। इस अनोखे जोड़े को देखकर हर कोई हैरान था। शादी की रस्में शुरू हुई। दिव्यांग भगवानदीन को ग्रामीणों ने गोद में उठा कर अग्नि के फेरे लगवाए। आखिर भगवानदीन और मोहनिया एक दूजे के हो गए।

सीमा पर सैन्य तैयारी

भारतीय सीमा पर अब सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सेना की चौकसी युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई है। सड़क मार्गों को जहां दुरुस्त किया जा रहा है वहीं सैन्य तैयारी में भी कोई कसर बाकी नहीं रखी जा रही है। सुरक्षा मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति ने विशेष रूप से चीन से लगती सीमा की सुरक्षा के लिए गठित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की सात नई बटालियन के गठन को मंजूरी दे दी है। सीमा पर चीन लगातार अपनी सैन्य आक्रामकता को दर्शा रहा था इसलिए बीते एक दशक में पहली बार आईटीबीपी की बटालियनों की संख्या में इजाफे का फैसला किया गया है। इसकी लागत लगभग 1,808 करोड़ आने का अनुमान है। कम से कम नौ हजार नए जवानों के साथ आईटीबीपी चीन से लगती 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा पर 47 नई सुरक्षा चौकियां बनाएगा। प्रमुख बात ये है कि ये सभी चौकियां अरुणाचल प्रदेश में ही होंगी। इसके साथ ही पूर्वी लद्दाख तक हर मौसम में पहुंच के लिए सामरिक दृष्टि से बेहद अहम नीमू-पदम-दारचा सड़क मार्ग पर सिनकुन ला सुरंग के निर्माण को भी मंजूरी दी गई है। लगभग 16,580 फुट की ऊंचाई पर बनाए जा रहे इस सुरंग के दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। इसके बाद पूर्वी लद्दाख के लिए इस सबसे छोटे बारहमासी रास्ते से सैन्य साजोसामान और रसद की तेजी से आपूर्ति आसान हो जाएगी। सबसे खास बात यह कि यह मार्ग चीनी और पाकिस्तानी तोपों की पहुंच से दूर है। इसके अलावा, समिति ने सीमाई गांवों के विकास और वहां से पलायन को रोकने के लिए 'वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' (वीवीपी) का एलान किया है। ये तीनों फैसले सीमा पर चीनी आक्रामकता से निपटने के लिए सरकार की रणनीति की ओर इशारा करते हैं। इसके तहत सीमाई इलाकों के गांवों में संपर्क सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा, ताकि वे सुरक्षा बलों की आंख और कान का काम कर सकें। आईटीबीपी के जरिए निगरानी और त्वरित कार्रवाई की क्षमता बढ़ाने के साथ सैन्य साजोसामान और रसद की आपूर्ति के लिए सुरक्षित मार्गों का निर्माण होगा। अरुणाचल प्रदेश सीमा पर आईटीबीपी की सुरक्षा चौकियों और शिविरों के निर्माण से सामरिक रूप से महत्त्वपूर्ण इलाकों की निगहबानी और घुसपैठ की किसी भी कोशिश के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की क्षमता में इजाफा होगा। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि 'वीवीपी' से सीमाई इलाकों में चीनी गतिविधियों के बारे में सूचनाओं का प्रवाह बढ़ेगा और इन गांवों में विकास से स्थानीय लोगों में भारत के प्रति भरोसा मजबूत होगा। सीमा पर अग्रिम सैन्य अड्डों तक हर मौसम में रसद की आपूर्ति करने के लिए सुरंगों का निर्माण भारत की प्राथमिकता है। ये सुरंगें सिर्फ आवाजाही के लिए नहीं, बल्कि गोला-बारूद, मिसाइल, इंधन और खाने-पीने की चीजों के भंडारण के लिए भी उपयोगी हैं। इसी से साथ सरकार को अब बारह किलोमीटर लंबी सासेर ला सुरंग के प्रस्तावित निर्माण को भी मंजूरी देने में देर नहीं करनी चाहिए, ताकि दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी मार्ग पर चीनी हमले या बमबारी की जद में आने की स्थिति में उत्तर पूर्वी लद्दाख की सबसे अग्रिम हवाई पट्टी दौलत बेग ओल्डी तक पहुंचने का एक वैकल्पिक मार्ग कायम हो सके। सरकार का यह आदेश स्वागतयोग्य है कि चीन सीमा को लेकर भारत सरकार अपने परंपरागत रक्षात्मक रुख से किनारा कर रही है। दशकों से सीमा पर सड़कों और अन्य आधारभूत ढांचे के निर्माण को लेकर सरकारें आशंकित रही हैं। पूर्ववर्ती सरकारों का मानना था कि युद्ध की स्थिति में चीनी फौज इन सड़कों पर कब्जा कर आवाजाही के लिए इनका इस्तेमाल कर सकती है। आज का हालात में देखा जाए तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि अब वह स्थिति नहीं है। भारत अब सीमा पर सड़क मार्गों और सैन्य तैयारी में काफी आक्रामक तरीके से इजाफा कर रहा है। अगर चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' यानी छोटे-छोटे टुकड़ों में कब्जा करके कुछ सालों में इलाके का नक्शा बदल देने की रणनीति को विफल करना है तो सीमा पर निगरानी, संपर्क और सैन्य तैयारियां बढ़ाने के सिवा और कोई रास्ता नहीं है।

बौद्धिक पलायन भारत की अर्थव्यवस्था पर चोट

संजीव ठाकुर

विगत दो दशकों में प्रतिभा पलायन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है शिक्षा के क्षेत्र में बड़े शिक्षा संस्थानों में भारी-भरकम खर्च के बाद शिक्षित युवक विदेशों में अपनी सेवाएं प्रदान करने को सदैव तत्पर रहते हैं इसका बड़ा कारण विदेशी मुद्रा की कमाई और विदेशी चकाचौंध के तरफ आकर्षण ही होता है। इससे भारत के आर्थिक तंत्र पर बड़ा भार प्रत्यारोपित होता है। इतना खर्च कर के पढ़ाई करने के बाद भारतीय युवा मस्तिष्क भारत के विकास में योगदान न दें तो देश के लिए विडंबना की भांति है। भारत के इतिहास पर नजर डालें, तो नालंदा,तक्षशिला, शांति निकेतन,और पाटलिपुत्र जैसे बड़े शिक्षा के केंद्र रहे हैं। सदैव अलग-अलग देशों से शिष्य शिक्षा प्राप्त करने भारत आते रहे हैं। अब ऐसा क्या हो गया है कि भारत से तकनीकी, चिकित्सकीय और संचार माध्यमों, मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए भारत से लगभग दो से ढाई लाख छात्र विदेश में पढ़ने के लिए जाने लगे हैं। वहीं भारत सरकार का सदैव प्रयास रहा है की विदेशी छात्र हिंदुस्तान में पढ़ाई के लिए देश में आए और और हिंदुस्तानी डिग्री लेकर अपने देश में लौटे। इस तरह भारत सरकार द्वारा भारत को एक बड़ा शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। और किसके लिए एक अभियान फैलोशिप कार्यक्रम चलाया गया है। इसके अलावा सरकार द्वारा एक प्रोजेक्ट डेस्टिनेशन इंडिया भी शुरू किया गया है। जिसके अंतर्गत विदेशी छात्रों को प्रवेश की प्रक्रिया को अत्यंत सरल सुगम बनाना है जिससे ज्यादा से ज्यादा छात्र भारत में पढ़ कर डिग्री हासिल करें अभी वर्तमान में भारत में आसियान देशों के निवासी छात्रों की संख्या लगभग सवा दो लाख के करीब है मानव संसाधन विभाग द्वारा इसे आगामी वर्षों में चार गुना करना चाहती है। आसियान देशों के छात्र भारत में पढ़ने से थोड़ा हिचकिचाते भी हैं,जिसके अनेक कारणों में से अपराधिक गतिविधियां, प्रदूषण, गर्मी, प्रवेश की लंबी लंबी प्रक्रिया, और भारतीय डिग्री की मान्यता नहीं होना भी शामिल है भारत में बारह से चौदह ऐसे शिक्षा संस्थान हैं, जो विश्व के 200 मान्यता प्राप्त संस्थानों में शामिल हैं। भारत में शिक्षा प्राप्त करना कम खर्च में संभव है, पर भारत के छात्र अमेरिका,ऑस्ट्रेलिया, कनाडा,सिंगापुर में पढ़ना चाहते हैं जहां पढ़ने का खर्च डॉलर में यहां से चार गुना पड़ता है। जबकि भारत में आए छात्रों का पढ़ाई तथा खाने-पीने रहने का खर्च लगभग एक चौथाई होता है, फिर भी भारत के अभिभावक अपने बच्चों को विदेश भेजने में वरीयता देते हैं।भारत द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है कि भारत के विश्वविद्यालयों की शिक्षा की गुणवत्ता विदेशी स्तर पर हो,पर इसमें काफी समय लगने की गुंजाइश भी है।यह भी संभव होगा कि विदेशी विश्वविद्यालयों की शाखाएं भारत में खोल दी जाए, और भारत के छात्र भारत में ही रह कर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। असल चिंता की बात यह है कि विदेश में जाने वाले छात्र वहां पढ़कर वहीं के संस्थानों में अपनी नौकरी खोज कर वहीं रहने लगते है। दूसरा यह है कि यहां की तकनीकी टॉप संस्थानों के होनहार युवक विदेशों में मोटी मोटी तनख्वाह में नौकरी देख कर विदेश चले जाते हैं, इस तरह भारत सरकार का उन पर किए जाने वाला खर्च का फायदा भारतीय संस्थानों को ना होकर विदेशी संस्थाएं उठा ले जाती हैं। इस तरह प्रतिभा पलायन भारत के लिए, और भारतीय शिक्षा पद्धति तथा भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए, नुकसानदेह भी है। भारत ने आसियान देशों के एक हजार छात्रों को फैलोशिप के लिए 2018 में योजना बनाकर राशि आवंटित की थी। हर साल 200 से 300 छात्रों को बड़े तकनीकी संस्थानों में डॉक्टरेट की उपाधि देने की योजना बनाई थी।

सृष्टि के सबसे बडे गुरुः भगवान शिव

अतुल कुमार

महाशिवरात्रि पर्व की महिमा अपरंपार है .भिन्न प्रांतों में इस पर्व और इसकी पैराणिक कथाएं अलग अलग प्रचलित हैं .कुछ जगहों पर भगवान शिव पर रंग लगाया जाता है। इससे उनका एक नाम रंगेश्वर है .मान्यतानुसार इस दिन भगवान शिव और पार्वती का विवाह हुआ .यह भी माना जाता है कि इसी दिन भगवान शिव ने पहली बार ज्योतिर्लिंग के रूप में दर्शन दिये .उनकी गृहस्थी को आदर्श परिवार माना जाता है अपने बेटों कार्तिक और गणेश के साथ उनका परिवार और प्रेम मौजूदा परिवारों के लिये आदर्श की व्याख्या को परिभाषित करते हैं पति पत्नी माता पिता और संतानों के रिश्तों को कैसे प्रेम पूर्वक रखा जा सकता हैं यह सारी बातें शिव परिवार में उत्कृष्ट मिसाल के रूप में देखी जा सकती है. इसकी महता आज और अधिक प्रासंगिक है इसे समझने की ज़रूरत है .क्यों कि माता पिता की उपेक्षा और वृद्धाश्रमों की कारुणिक गाथाएं दिल को झकझोर रही हों तब शिव की महिमा अधिक दिखायी देती है वास्तव में शिव ने सुखी संपन्न और सकुशल परिवार की मान्यताओं को अपने जीवन के माध्यम से प्रस्तुत किया इसे समझना होगा। भगवान शिव ने पार्वती को परम प्रिय मानते हुए सदा उनका आदर सम्मान किया बराबरी में बांयी ओर बैठने के लिये आसन दिया .यह इस बात का संदेश है कि पति पत्नी के मन में एक दूसरे के प्रति प्रेम के साथ आदर भाव भी होना चाहिये दांपत्य जीवन में एक दूसरे के प्रति आदर और सम्मान न हो तो गृहस्थी कभी सुखी नहीं रह सकती। आज के संदर्भों में यह बहुत मायने रखता है क्यों कि मैरेज इंस्टिट्यूशन कमज़ोर हो रहा है। बढते तलाक इसकी गवाही दे रहे हैं। समाज शास्त्रियों के लिये जब यह चिंता और मंथन का विषय बनता जा रहा हो तब शिव और अधिक प्रासंगिक लगते हैं। भगवान शिव को सृष्टि का पहला गुरु माना गया .शिव के कई स्वरूप हैं और हर रूप अपने आप में पूर्ण है .उन्हें अघोर भी कहा जाता है .अघोर का अर्थ है जो घोर नहीं है यानी जो किसी में भेद भाव नहीं करता .जिसके लिये सारे समान हैं जो सभी अच्छे बुरे भावों से मुक्त है .वह सिखाते हैं कि मनुष्य को अघोर होना चाहिये तभी मोक्ष संभव है .भला बुरा ,भेद भाव ,मेरा तेरा का भाव आते ही वह मोक्ष के रास्ते से भटक जाता है .उनका सहज स्वरूप सबको समान भाव से देखने का है .उनका शस्त्र त्रिशूल है जन्म ,जीवन और मृत्यु तीनों शूल (कांटे) की तरह दुख दायी हैं .लेकिन आप अपने कर्मों से इन्हें अपना हथियार बना सकते हैं। शिव पूजन के साथ उनकी सीख को जीवन में उतारने से हमारी कई समस्याएं दूर हो सकती हैं शिव जी की कई ऐसी प्रथाएं प्रचलित हैं जिनमें भगवान ने जीवन को बेहतर बनाने के सूत्र बताए हैं उदाहरण के लिये कभी भी अपनी शक्तियों पर घमंड न करें महाभारत की कथा है " कौरव और पांडवों का युद्ध तय हो चुका था .उससे पहले अर्जुन भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिये तप कर रहे थे .वह दिव्यास्त्र पाना चाहते थे .उस समय वहां एक असुर जंगली सूअर बन पहुंच गया और वह अर्जुन को मारना चाहता था .अर्जुन ने सूअर को देखा तो अपने धनुष पर बाण चढा दिया उसी समय एक वनवासी वहां आ गया उसने अर्जुन को बाण न छोडने के लिये कहा .वनवासी बोला कि यह सूअर मेरा शिकार है ,तुम इसे मत मारो लेकिन अर्जुन ने उसकी बात नहीं मानी और बाण छोड दिया .वनवासी ने भी बाण छोड दिया दोनों के बाण एक साथ सूअर को लगे .इसके बाद दोनों सूअर पर अपना अधिकार बताने लगे विवाद बढा तो दोनों के बीच युद्ध शुरु हो गया बहुत कोशिशों के बाद भी अर्जुन उस वनवासी को पराजित नहीं कर पा रहे थे जब वनवासी के बाण अर्जुन को लगे तो वह प्रहार सहन नहीं कर सके अर्जुन बेहोश हो गये कुछ देर बाद अर्जुन को होश आया तो उन्होंने मिट्टी से एक शिवलिंग बनाया और एक पुष्पहार पहनाया तो वह हार वनवासी के गले में दिखायी देने लगा .अर्जुन समझ गये कि यह वनवासी शिव जी ही हैं .इसके बाद अर्जुन ने शिव की आरधना की। तब शिव जी ने अर्जुन को ज्ञान दिया कि कभी भी किसी को कमज़ोर न समझो और अपनी शक्तियों का घमंड मत करो इस ज्ञान को पा अर्जुन ने शिव जी के चरण स्पर्श किये। शिव से बडा कोई योगी नहीं हुआ किसी भी परिस्थिति से खुद को दूर रखते हुए उस पर पकड रखना आसान नहीं होता .महादेव एक बार ध्यान में बैठ जाएं तो दुनिया इधर से उधर हो जाए उनका ध्यान भंग नहीं कर सकता यह ध्यान हमें जीवन की चीज़ों पर नियंत्रण रखना सिखाता है। जगत कल्याण के लिये समुद्र मंथन के दौरान मिले विष और अमृत में स्वयं विष पान किया और सारा अमृत दान कर दिया .उनकी शरण में जड चेतन .सुर असुर ,देव दानव नर नारी एक समान शरण पाते हैं कैलाश वासी शिव का सबसे प्रमुख संदेश " अपने सिद्धांत ,धर्म और कर्तव्य को हमेशा ऊंचा रखें इन्हें सम्मान दोगे तो आपका सम्मान भी पर्वत की तरह ऊंचा होगा .वह त्रिकाल दर्शी ,अंतर्यामी , अजर अमर ,और अविनाशी हैं .उनका पूरा दर्शन मानव उत्थान के लिये है .सदा धन और संपदा से दूर रहे उनके पास अगर कुछ है तो वह है एक त्रिशूल और एक डमरू जो यह सिखाता है कि अगर आप भौतिक वाद के पीछे दौडेंगे तो कभी खुशियों को नहीं पा सकेंगे। आज के संदर्भ में यह बडी सीख है क्यों कि पैसा ,प्रापर्टी और पोसीशन की दौड ज़ोरों पर है मोह माया से दूर रहने का ज्ञान दिया। आज जो कुछ भी है वह कल मौजूद नहीं रहेगा ज़िंदगी में बदलाव आते हैं और हमें भी उन बदलावों को स्वीकार करना चाहिये की सीख दी। वास्तव में भगवान शिव का सबसे बडा रूप गुरु का है। उन्हें ही नृत्य कला का जनक माना गया .नृत्य कला के सम्राट हैं इसलिये नटराज कहलाए जीवन अलग अलग मोडों से बहती धारा का नाम है जो समय , संघर्ष संकल्प और संयम से आगे बढता है। अतः कभी आपा न खोएं. चित्त पर नियंत्रण रखें। यदि आपने मन में कोई काम करने का निश्चय कर लिया है तो कभी लोगों से प्रभावित मत हों चाहे वह आपके बारे में कुछ भी बुरी बातें कहें उन पर ध्यान देने से आपकी उन्नति बाधित होगी आप लोगों को शांत नहीं कर सकते। अतः अपनी ऊर्जा व्यर्थ करने से कोई फायदा नहीं। शिव का जीवन उनका अवतार उनके हर रूप के स्वभाव बिल्कुल अलग हैं भगवान शिव को विनाशक के रूप में जाना जाता है दुष्ट राक्षसों को निष्पक्ष तरीके से नष्ट किया इसी तरह हमें भी अपने आसपास हो रही बुराई के प्रति ज़ीरो टालरेंस रखने की कोशिश करनी चाहिये .उन्हें हमेशा त्रयंबक कहा गया क्योंकि उनकी तीसरी आंख है .तीसरी आंख का मतलब है कि अनुभव और बोध के दूसरे आयाम का खुलना हमारी दो आंखें भौतिक जगत को देख सकती हैं लेकिन जो अंदर की ओर देखने वाली है वह तीसरी आंख है इस बोध से आप जीवन को बिल्कुल अलग ढंग से देख सकते हैं इसलिये बनी बनायी चीज़ों पर चलने से पूर्व पहले खुद को समझें .भगवान शिव को " देवों के देव – महादेव " कहा जाता है शांत चित्त दिखने वाले शिव संहारक के रूप में बदल सकते हैं और भोलेनाथ भी हो सकते हैं उनके व्यक्तित्व के विविध रूप हैं उनका शांत रूप बताता है कि " भटका हुआ मन आपको विनाशकारी जीवन जीने के लिये प्रेरित कर सकता है जब आप ध्यान खो देते हैं और अपनी इच्छाओं और व्यसनों के शिकार हो जाते हैं तो ज़िंदगी अशांत हो जाती है इसलिये ज़रूरी है कि अपने दिमाग को शांत व अपने लक्ष्यों को दिल से जोडे रखें ".माता पार्वती ने भगवान शिव से पूछा मन को शांत कैसे रखना चाहिये तब लोक हित में उन्होंने कहा कि व्यक्ति को ध्यान का अभ्यास करना चाहिये क्यों कि बहुमुखी परिस्थितियों से निबटने के लिये शांत मन और दिमाग ही इसके लिये सक्षम होगा। देवी पार्वती ने महादेव से पूछा दुनिया में सबसे कीमती चीज़ कौन सी है ?

मानवता के पुजारी थे रामकृष्ण परमहंस

स्वामी रामकृष्ण परमहंस भारत के सुप्रसिद्ध संत, महान विचारक व मानवता के पुजारी थे। स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने सभी धर्मो को एक बताते हुए उनकी एकता पर जोर दिया था। उनका मानना था सभी धर्मों का आधार प्रेम हैं। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति की। अपनी साधना से रामकृष्ण इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं है। वे ईश्वर तक पहुंचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं।

इनका जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी- देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है। रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया।

यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्व मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था। तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये।

ये उनकी पहली समाधी थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी।

रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे।

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे।

रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चैबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते।

मां-बेटी की जलने से मौत की घटना ने खड़े किए हैं सवाल

उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले के मड़ौली गांव में घटी त्रासदी विचलित करने वाली है। लेकिन कल्पना करिए, अगर मां-बेटी के जलने की घटना नहीं हुई होती तो क्या होता? स्थानीय पुलिस और प्रशासन का मानो एक ही लक्ष्य था- परिवार को बलपूर्वक उजाड़ दो और न माने तो कानूनी कार्रवाई करो। मां प्रमिला दीक्षित और बेटी नेहा दीक्षित की मौत के बाद भी प्रशासन का बयान आया कि दोनों ने स्वयं ही आग लगा ली। ऐसे में कई सवाल उठते हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता।

– मां-बेटी स्वयं को आग क्यों लगाएंगी, इसका तार्किक उत्तर किसी के पास नहीं है।

– मान लिया दोनों ने खुद ही आग लगाई, तो उसके लिए दोषी किसे माना जाएगा?

– क्या वहां मौजूद पुलिस-प्रशासन और लोगों का दायित्व नहीं था कि उन्हें आग से बचाने की कोशिश करें? लेकिन किसी ने उन्हें बचाने की कोशिश नहीं की।

– आग लगने के बावजूद बुलडोजर से झोपड़ी को गिराया जाना साबित करता है कि वहां मौजूद सरकारी महकमा हर हाल में मनमानी करने पर उतारू था। यानी उसे अपने विरुद्ध किसी तरह की कार्रवाई का डर नहीं था।

– जो लोग वहां थे, वे भी आग में जलती मां-बेटी को बचाने का जतन करने के बजाय विडियो बनाते रहे। अगर झोपड़ी न गिराई जाती और दरवाजा तोड़कर प्रमिला और नेहा को निकाला जाता तो संभवतः उनकी जान नहीं जाती। साफ है कि वहां उपस्थित अधिकारी, पुलिसकर्मी तथा झोपड़ी गिरवाने के लिए इकट्ठा हुए सारे लोग मां-बेटी की मौत के दोषी हैं। सरकार की तरफ से SDM, लेखपाल, स्थानीय थाना प्रभारी सहित कुल 42 लोगों पर हत्या सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा किया जा चुका है। SDM निलंबित हुए और लेखपाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़ित परिवार को मुआवजा, सरकारी नौकरी, कृषि भूमि का पट्टा, पेंशन आदि की घोषणा भी हो गई है। लेकिन क्या इससे सरकार की जिम्मेदारी पूरी हो गई? कई सवाल हैं, जो इस प्रकरण के ज्यादा गहरे पहलुओं की ओर संकेत करते हैं।

– ठीक है कि वह जमीन ग्राम समाज की है। लेकिन जब प्रशासन के पास शिकायत आई तो जांच में उसे यह पता क्यों नहीं चला कि पीड़ित कृष्णगोपाल दीक्षित किस मजबूरी में वहां बसे हैं?

– एक महीने पहले परिवार का पक्का मकान गिराया गया था। उसके बाद उसने झोपड़ी बना ली थी। जिस हैंडपंप से परिवार को पीने का पानी मिलता था, उसे भी SDM ने तुड़वा दिया था।

– ग्रामीण बता रहे हैं कि दीक्षित परिवार के आपसी तनाव की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। दूसरे पक्ष की पूरी कोशिश थी कि इन लोगों को बेघर किया जाए।

– लेखपाल और SDM तक दूसरे पक्ष की प्रभावी पहुंच नहीं होती तो इस तरह की कार्रवाई के लिए प्रशासन सामान्य तौर पर तत्पर नहीं होता। इसलिए जरूरी है कि घटना की सही तरीके से जांच हो, जिसकी पहल राज्य सरकार की ओर से हुई भी है।

राजनीतिक पहलुओं पर ध्यान दें तो प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार का सबसे बड़ा यूएसपी लॉ एंड ऑर्डर रहा है। बुलडोजर भू-माफियाओं, गुंडों, दादाओं के विरुद्ध एक प्रबल हथियार बना है, जिसे दूसरी राज्य सरकारें भी अपना रही हैं। लेकिन यह घटना बताती है कि अगर पुलिस-प्रशासन का नजरिया और व्यवहार न बदले तो कानून-व्यवस्था की सख्ती सामान्य लोगों के लिए ट्रेजेडी बन जाती है। राज्य सरकार इसे अकेली घटना मानेगी तो दूसरे रूप में इसकी पुनरावृत्ति होगी। निश्चित मानिए कि पुलिस प्रशासन की कार्रवाइयों का आम लोग किसी न किसी स्तर पर पूरे प्रदेश में शिकार हो रहे होंगे। उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रशासन के रवैये पर जगह-जगह सत्तारूढ़ बीजेपी के कार्यकर्ता भी नाराजगी प्रकट करते रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान स्थानीय बीजेपी कार्यकर्ताओं-नेताओं की बड़ी नाराजगी यही थी कि पुलिस-प्रशासन नियंत्रण से बाहर है, हमारी बात नहीं सुनता और विरोध करने पर मुकदमा दर्ज कर देता है। यों भी उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रशासन के विरुद्ध शिकायतें आम हैं। कई बार वह छोटे-छोटे मामलों में बेरहमी से पेश आती है और लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज देती है।

जरा सोचिए, देश के बाहर भारतवंशी जिस बुलडोजर को प्रतीक बनाकर महिमामंडित करते हैं, वह प्रशासन के द्वारा ही अपराध का हथियार बन गया। वैसे तो यह हमारे लोकतंत्र का विद्रूप चेहरा है कि पुलिस-प्रशासन आम आदमी के प्रति उस तरह संवेदनशील और सहयोगी नहीं बना, जैसा उसे होना चाहिए।

किंतु योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के अंदर प्रशासन का यह व्यवहार उत्तेजित करता है। पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी की विजय का प्रमुख कारण यही था कि योगी के नेतृत्व में गुंडे, माफिया, बाहुबली काबू में रहेंगे और कानून-व्यवस्था का राज होगा।

हमेशा का तमाशा

डॉ. सुरेश कुमार

बेरोजगारों का सबसे बड़ा रोजगार तमाशा देखना है। यह रोजगार तब और मजेदार और चटकारेदार हो जाता है जब किसी रोजगार को एक अन्य रोजगार पीट रहा हो। इस तरह के तमाशे का सबसे बड़ा लाभ यह होता है इसे देखते समय भूख-प्यास की सुध नहीं रहती है। समय कैसे कट जाता है, पता ही नहीं चलता। इस हिसाब से देखा जाए तो तमाशे नियमित अंतराल में और सभी जगह होने चाहिए। इससे समय का गुणवत्तापूर्ण सदुपयोग होता है। महंगाई, भ्रष्टाचार, लूटपाट, चोरी-चकारी सबका निजात तमाशा है।

हुआ यूँ कि एक दिन दो युवा पुलिसकर्मी एक बूढ़े शिक्षक को लाठी के सुपुर्द कर उन्हें तबियत से भांज रहे थे। पहले लगा कि कहीं बूढ़ा टुकड़े-टुकड़े गैंग का मुखिया तो नहीं। पर यह संदेह उस समय दूर हो गया जब उन्हें टुकड़ों-टुकड़ों की तरह कूटा गया। फिर लगा हो सकता है कि कहीं यह बूढ़ा बात-बात में सरकार को गरियाने वाला तो नहीं। यह संदेह भी उस समय दूर हो गया जब उन्हें कूल ड्रिंक के साथ चिप्स जैसे ऑफर के अंतर्गत लाठी के साथ-साथ गरियाया जा रहा था। गरियाने की खासियत यह थी कि पुलिसकर्मी बूढ़े के वंश परंपरा का पूरा ध्यान रख रहे थे। लाठी प्रसाद प्राप्त कर्ता यानी बूढ़े से लेकर उसके बाप, दादा, परदादादा पुलिसकर्मियों की जिह्वा की शोभा बन रहे थे।

युवाओं की भीड़ में एक बूढ़ा लाठियों से भांजा जा रहा था। यह हमारे पराक्रमी, साहसी और शूर-वीरों वाली धरती के लिए कितने गर्व की बात है। इतना ही नहीं इस शूरता को बड़े सम्मान के साथ वीडियो में कैद किया जा रहा था।

वीडियो बनाने का श्रेय कोई और न ले ले इसके लिए सेल्फी मोड में इस शौर्यगाथा को सहेजा जा रहा था। हाँ यह जरूरी भी है वरना आगे आने वाली पीढ़ी समझदार कैसे बनेगी। यही सब दृश्य होते हैं जो आगे चलकर भविष्य की पीढ़ी को निश्चिंत जीवन जीने के लिए कार्यशाला के रूप में काम आयेंगे।

बूढ़े बाबा को पीटने का एक बहुत बड़ा कारण था। पुलिसकर्मियों ने बताया कि उनकी तबियत खुश कर देने वाली पिटाई भीड़ को तितर-बितर करने के लिए की गई थी। यहाँ कब एक अकेला भीड़ बन जाता है और भीड़ एक अकेला, यह ठीक से कहा नहीं जा सकता। फिलहाल बूढ़े में भीड़ के दर्शन हो रहे थे। पुलिसकर्मी दाद लेने से लिए पीछे नहीं हट रहे थे। उन्होंने कहा कि वह हमीं जानते हैं कि हमने कैसे भीड़ को नियंत्रित किया। यदि हम उस बूढ़े की पिटाई नहीं की होती तो वहीं खड़ी युवाओं की भीड़ का न जाने क्या से क्या हो जाता। हमने तो बल्कि बूढ़े से युवाओं की सुरक्षा की है। अनुभव साझा करने के लिए पूछने पर बूढ़े मास्टर ने कराहते हुए कहा – बच्चों को पढ़ाने वाला मैं आज तबियत से पुलिस विभाग के बारे में बिना पुलिस थाना गए डिग्री प्राप्त कर चुका हूँ। मुझे नहीं पता था कि आजकल पुलिसकर्मी अपनी सेवाएँ घर-घर पहुँचकर दे रहे हैं।

महाशिवरात्रि : शिवलिंग पर इन 5 चीजों को चढ़ाते ही बरसने लगता है महादेव का आशीर्वाद

1. भस्म

भगवान शिव की पूजा में भस्म का उपयोग करना बहुत शुभ माना जाता है। महाशिवरात्रि के दिन विशेष तौर पर इसे शिवलिंग पर चढ़ाना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म मान जाता है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढका रहता है। इसलिए कोशिश करें कि महाशिवरात्रि के दिन उन पर भस्म जरूर चढ़ाएं।

2. बेल

महाशिवरात्रि में शिवलिंग पर अन्य फलों के अलावा बेल का फल चढ़ाना भी बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार मान्यता है कि शिवजी पर यह फल अर्पित करने से वास्तु दोष भी दूर होते हैं और घर में सुख-शांति आती है।

3. रूद्राक्ष

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव की आंख से निकले आंसुओं से निर्मित रुद्राक्ष उन्हें अर्पित करना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से वह जल्दी प्रसन्न होते हैं और भक्त पर अपनी विशेष कृपा बरसाते हैं।

4. दूध

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन में निकले विष को पीने के बाद भगवान शिव का शरीर जलने लगा, तभी वहां उपस्थित देवताओं ने उनसे दूध ग्रहण करने की विनती की। जिसके बाद उनका शरीर जलने से बच गया। इसलिए धार्मिक नजरिए से शिव जी पर दूध चढ़ाना शुभ माना जाता है।

5. गंगा जल

ऐसा माना जाता है जब माता गंगा को धरती पर लाना था तो भगवान शिव ने उन्हें अपनी जटाओं में धारण किया था और उन्हें गंगा जल बहुत प्रिय है, इसलिए महाशिवरात्रि की पूजा में शिवलिंग पर गंगाजल अवश्य चढ़ाएं।

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि पर्व का बहुत अधिक धार्मिक महत्व है। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को पड़ने वाली यह तिथि इस बार 18 फरवरी, 2023 शनिवार को पड़ रही है। मान्यता है कि इस दिन भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा करने से भक्तों की सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं और उनके जीवन के सभी कष्ट भी दूर होते हैं। महाशिवरात्रि के दिन लाखों श्रद्धालु भोलेनाथ के प्रसिद्ध मंदिरों में जाते हैं और उनकी पूजा करते हैं। उन्हे प्रसन्न करने के लिए सभी भक्त तरह-तरह की चीजें अर्पित करते हैं लेकिन कुछ ऐसी विशेष और आवश्यक चीजें है जिन्हें शिवलिंग पूजा में आवश्यक माना जाता है।

शिव को अर्क या धतूरा क्यों चढ़ाया जाता है?

देखने में आता है कि शिवरात्रि पर कई लोग अक के फूल चढ़ाते हैं। देवताओं पर तो कमल, गुलाब या अन्य सुगन्धित पुष्प चढ़ाते हैं लेकिन पतित पावन परमात्मा शिव पर अर्क, धतूरे का रंग व गन्धहीन पुष्प चढ़ाया जाता है। क्या आपने कभी विचार किया है कि इसी फूल को क्यों, अन्य किसी फूल को क्यों नहीं अर्पित किया जाता। अक तो एक जंगली उपज है और प्रायः अपने घर में कोई लाता भी नहीं। न तो वह प्रसाद की वस्तु है, न उपहार की। न तो यह सजावट की चीज़ है, न तो सुगंध देने वाली, न इसका कोई हार बन सकता है, न गुलदस्ता, फिर बगीचे के अनेक प्रकार के फूलों को छोड़ कर इन जंगली फूलों को अर्पण करने के पीछे कोई रहस्य ही होगा। वह तो चढ़ाने की वस्तु है और उस पर ही छोड़ देने की चीज़ है ताकि वह हमारे पास न रहे। अवश्य ही, यह मनुष्य की सुगन्धहीन, सौन्दर्यहीन, नागरिकता एवं सुसभ्यता-रहित किन्हीं जंगली आदतों का सूचक मात्र है। यह इष्ट देव के प्रति श्रद्धा या परम स्नेह का सूचक न होकर, उसे सौंप देने ही के लिए, उस पर चढ़ाया जाता है।

अतः यह तो उस संस्कार, विचार अथवा मानसिक दुर्बलता का प्रतीक है जिससे मनुष्य छुटकारा पाना चाहता है, जो असल में हेय है। वास्तव में जब पतित पावन परमात्मा शिव पतित, तमोप्रधान, कलियुगी, आसुरी सृष्टि पर पावन, सतोप्रधान, सतयुगी दैवी स्वराज्य की पुनर स्थापना के लिए अवतरित होते हैं तो सभी जीवात्माओं से काम-क्रोधादि पंच विकारों का दान मांगते हैं। जो नर-नारी जीवन में दुःख अशान्ति पैदा करने वाले पंच विकारों को परमात्मा शिव पर चढ़ा देते हैं, वे निर्विकारी बन पावन, सतयुगी दैवी स्वराज्य के अधिकारी बनते हैं। इसी की स्मृति में, भक्ति मार्ग में परमात्मा शिव पर अर्क-धतूरे का फूल चढ़ता हैं।

अतः मानवमात्र का यह परम कर्त्तव्य है कि शिवरात्रि के इस पावनतम अवसर पर सुखदाता, दुःखहर्ता परमात्मा शिव पर, जीवन में दुःख-अशान्ति पैदा करने वाले पंचविचार रूपी अक-धतूरे को अर्पण कर दें और निर्विकारी बन पावन सतयुगी दैवी सृष्टि की पुनर स्थापना के ईश्वरीय कार्य में सहयोगी बनें। ओम शांति ।

-ब्रह्माकुमारीज़

इन चार राशि वालों पर होगी भगवान शिव की विशेष कृपा

मेष राशि: इस राशि के जातकों के ऊपर महाशिवरात्रि के दिन बना त्रिग्रही योग किसी वरदान से कम नहीं है। मेष राशि के लोगों को भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। आपकी कोई योजना जल्द ही पूरी होंगी जिसका इंतजार आपको कई महीनों से था। सभी तरह की खुशियां और लाभ मिलने के संकेत हैं। नौकरीपेशा जातकों को नए मौके मिलेंगे जिससे आपकी आमदनी में बढ़ोत्तरी के संकेत हैं। व्यापार में अच्छा मुनाफा हासिल होगा।

महाशिवरात्रि पर त्रिग्रही योग से इन राशि वालों की चमकेगी किस्मत

ऐसे में इस राशि के जातकों को भगवान शिव की पूजा और जलाभिषेक अवश्य करें।

वृश्चिक राशि: त्रिग्रही योग से भोलेनाथ की विशेष कृपा रहेगी। धन लाभ और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभ फलों की प्राप्ति होगी। नौकरी में प्रमोशन और लाभ की अच्छी संभावना है। भाग्य में बढ़ोत्तरी होने से रूके हुए हर कार्य पूरे होंगे। परिवार का अच्छा साथ मिलेगा। ऐसे में इस दिन भगवान भोलेनाथ को बेलपत्र चढ़ाएं।

मकर राशि: मकर राशि वालों के लिए कुंभ राशि में सूर्य, शनि और चंद्रमा तीनों का एक साथ रहना शुभ परिणाम प्रदान करने वाला साबित होगा। इस दौरान आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। परिवार में सुख,शांति और संपन्नता बरकरार रहेगी। जिन जातकों का कोई अपना व्यापार है उनके लिए यह बहुत ही शुभ रहेगा। कोई अच्छी डील प्राप्त हो सकती है और मुनाफा हासिल हो सकता है।

कुंभ राशि: कुंभ राशि में शनि, सूर्य और चंद्रमा का त्रिग्रही योग कुंभ राशि वालों के लिए बहुत ही शुभ साबित होगा। कुंभ राशि शनि की स्वयं की राशि है। इस राशि में तीन ग्रहों का योग बेहद शुभ रहेगा। अच्छे परिणामों की प्राप्ति होगी। व्यापार , नौकरी और शिक्षा में आपको अच्छे रिजल्ट हासिल होंगे। धर्म-कर्म में आपकी विशेष रूचि रहेगी। विदेश यात्रा का अच्छा योग होने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले के मुकाबले ज्यादा अच्छी रहेगी।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को कौन सी चीजें चढ़ाने से कौन सा फल मिलता है

1 महाशिवरात्रि पर गन्ने के रस से शिवलिंग का अभिषेक करने पर धन-दौलत और मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्ति होती है। शिवलिंग को कुशा जल से अभिषेक करने से रोग और परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

2 शिवलिंग पर दूध से अभिषेक करने पर संतान सुख की प्राप्ति होती है। वहीं घी से अभिषेक करने पर वंश में बढ़ोत्तरी होती है।

3 शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाने से व्यक्ति को सभी तरह की भौतिक सुख-सुविधा में बढ़ोतरी होती है। शिवलिंग पर शमी और आंकड़े के फूल चढ़ाने से सभी तरह के दुखों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

4 शिवलिंग पर शहद अर्पित करने पर पापों से मुक्ति मिलती है और जौ चढ़ाने से परेशानियों का अंत होता है।

5 महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शिवलिंग पर धूतरे का फल और पत्ते चढ़ाने से भक्त के सभी बुरे विचार नष्ट होते हैं और सोच सकारात्मक बनती है।

6 भगवान शिव को आक के पुष्प और पत्ते अर्पित करते हैं भगवान शिव उसके दैहिक,दैविक और भौतिक सभी तरह के कष्ट हर लेते हैं।

7 शिवलिंग पर दूध चढ़ाने पर बच्चों का मस्तिष्क तीव्र होता है और 21 बिल्व पत्रों पर चंदन से ऊं नमः शिवाय लिखकर शिवलिंग पर चढ़ाने से सभी तरह की इच्छाएं पूरी होती हैं।

8 महाशिवरात्रि के दिन भोलेनाथ को आम के पत्ते अर्पित करने से भक्तों के कष्टों का निवारण करते हैं,आर्थिक समस्या दूर होती है।

अर्जुन को नजदीक भी देखना पसंद नहीं करते सलमान

डांस परफॉर्मेंस से पहले शो से निकल गए थे, अरबाज-मलाइका के तलाक के लिए मानते हैं कसूरवार

सलमान खान और अर्जुन कपूर में तल्खी किसी से छुपी नहीं है। अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के तलाक के बाद से ही सलमान और अर्जुन कभी एक साथ एक फ्रेम में नहीं दिखे। सलमान नहीं चाहते कि जब वो किसी अवॉर्ड शो या इवेंट में जाएं तो उनका सामना अर्जुन से हो। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 2017 में हुए एक अवॉर्ड शो में सलमान ने जानबूझकर अर्जुन को इग्नोर किया था। सलमान ने शो के ऑर्गनाइजर्स से कहा था कि जब अर्जुन स्टेज पर परफॉर्म करने आएं तो उन्हें स्टेज पर न बुलाया जाए।

अर्जुन की परफॉर्मेंस से पहले शो से निकल गए सलमान

एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2017 में एक शो के दौरान अर्जुन और सलमान का सामना होना था, लेकिन सलमान ने ऑर्गनाइजर्स को बुलाकर सबसे पहले अर्जुन के परफॉर्मेंस के बारे में पूछा और उन्हें सख्त हिदायत दी कि अर्जुन के परफॉर्मेंस के समय उन्हें किसी भी दशा में स्टेज पर न बुलाया जाए। सलमान नहीं चाहते थे कि अर्जुन के परफॉर्मेंस के समय वो वहां आस-पास भी रहें। अर्जुन के परफॉर्मेंस के पहले ही सलमान शो से निकल चुके थे।

तलाक के लिए अर्जुन को कसूरवार मानते हैं सलमान

ऐसी खबरें आई थीं कि सलमान, अर्जुन को ही मलाइका और अरबाज के तलाक का कसूरवार मानते हैं। हालांकि सलमान ने ही अर्जुन को बॉलीवुड में आने से पहले ट्रेन किया था। सलमान और अर्जुन के पिता बोनी कपूर काफी अच्छे दोस्त हैं इसलिए उन्होंने सलमान से कहा कि वो अर्जुन को बॉलीवुड में स्थापित करें। फिल्मों में डेब्यू करने से पहले अर्जुन काफी मोटे थे, सलमान ने उन्हें अपने पर्सनल जिम में ट्रेनिंग दी थी।

अरबाज खान ने मलाइका अरोड़ा से 2017 में तलाक लिया था। करीब 18 सालों तक साथ रहने के बाद दोनों 2016 में अलग हो गए थे। दोनों ने 1998 में शादी की थी। अरबाज और मलाइका का एक बेटा भी है। अरबाज से तलाक के बाद मलाइका ने अर्जुन के साथ अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल कर दिया। दोनों की शादी की भी खबरें आती हैं लेकिन मलाइका और अर्जुन इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर देते हैं।

इटालियन मॉडल को डेट कर रहे हैं अरबाज

मलाइका से तलाक के बाद अरबाज की भी लाइफ में जॉर्जिया एंड्रियानी की एंट्री हुई। जॉर्जिया एक इटालियन मॉडल ,एक्ट्रेस और डांसर है। वो अरबाज की गर्लफ्रेंड के तौर पर जानी जाती हैं। दोनों 2018 से एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में हैं। जॉर्जिया, अरबाज से 22 साल छोटी हैं। वो बॉलीवुड में अपने पैर जमाने में लगी हुईं हैं।

तलाक के बाद भी खान फैमिली के टच में रहती हैं मलाइका

मलाइका ने कुछ दिन पहले शो मूविंग इन विद मलाइका में अपनी और खान फैमिली के बीच रिश्ते को लेकर बात की थी। मलाइका का कहना था कि जब उनका एक्सीडेंट हुआ तो पूरी खान फैमिली उन्हें देखने आई थी। उन्होंने कहा 'मैं भले ही खान फैमिली की फेवरेट पर्सन नहीं हूं लेकिन वे मेरी केयर करते हैं क्योंकि उनको अरहान की चिंता रहती है और मुझे लगता है यही सही है।'

'पहली बार बिहारी का किरदार निभाना कठिन था' : पूनम राजपूत

'बेगम जान' की अभिनेत्री पूनम राजपूत को अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी शॉर्ट फिल्म 'चार चप्पलें' में लिया गया है, जिसमें मानव कौल, रणदीप झा और संजय गांधी भी हैं. पूनम ने दिग्गज फिल्म निमार्ता के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया और यह भी बताया कि पहली बार बिहारी किरदार निभाना कितना चुनौतीपूर्ण था. उन्होंने कहाः चार चप्पलें बिहार में स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय लघु फिल्म है. मैं एक 21 वर्षीय नवविवाहित महिला का किरदार निभा रही हूं और मैं रणदीप झा के साथ मुख्य भूमिका निभा रही हूं. फिल्म की शूटिंग वाराणसी में हुई थी. 'मिजार्पुर 2' की अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने पहले कभी बिहारी किरदार नहीं निभाया और भाषा उनके लिए एक चुनौती थी.

उन्होंने कहा- मैंने अपने अभिनय करियर में कभी बिहारी किरदार नहीं निभाया है, इसलिए मुझे हिमाचल प्रदेश से होने के कारण बोली और लहजे को सीखने की जरूरत थी. मुझे भूमिका निभाने के लिए चुने जाने के 2 दिन बाद शूटिंग शुरू हुई, इसलिए मुझे जल्दी से इसमें शामिल होने की जरूरत थी. मैंने उसके छोटे शहर से आने की प्रामाणिकता को खोए बिना उसे स्वाभाविक और वास्तविक रखने की कोशिश की. साथ ही, वह एक अंतमुर्खी और सरल लड़की है, जो असल जिंदगी में मैं जैसी हूं, उससे बिल्कुल उलट है.

निर्देशक के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, पूनम ने साझा कियाः अनुराग सर कामचलाऊ प्रक्रिया को अपनाते हैं, अभिनेताओं को उनके प्रदर्शन पर पूर्ण रचनात्मक नियंत्रण देते हैं. वह अपने अभिनेताओं को सेट पर बहुत सहज महसूस कराते हैं, और वह चाहते हैं कि वे स्क्रीन पर स्वाभाविक और यथार्थवादी दिखें. जब मैंने इस रोल के लिए ऑडिशन दिया तो मुझे भरोसा नहीं था कि सर सच में मुझे कास्ट करेंगे. मुझे यकीन नहीं था कि मैं भूमिका के लिए चुने जाने के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सकती हूं, लेकिन मेरी क्षमताओं और कड़ी मेहनत में उनके विश्वास के लिए धन्यवाद. उन्होंने सेट पर अपना पहला दिन याद किया और बताया कि कैसे वह नर्वस थी. मैं इतने अनुभवी निर्देशक के साथ काम करने को लेकर नर्वस थी. पहले तो मुझे सर से काफी डर लगा लेकिन मेरे को-एक्टर रणदीप झा और मैंने एक ही टेक में पहला शॉट दे दिया. इसने मुझ पर से कुछ दबाव हटा लिया और मुझे खुद पर गर्व महसूस हुआ.

'शहजादा' को फ्लॉप कराना चाहते हैं शाहरुख खान?

कार्तिक आर्यन की फिल्म 'शहजादा' 17 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. 'शहजादा' से पहले ही शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' बीते 20 दिनों से धमाल मचाए हुए हैं, इस बीच फिल्म के मर्कर्स ने 'शहजादा' के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं. 'पठान' के चलते 'शहजादा' की रिलीज डेट पहले ही बढ़ाई जा चुकी है, लेकिन अब 'पठान' के मेकर्स ने फिल्म की टिकट सस्ती कर कार्तिक आर्यन की फिल्म के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं. जी हां, 'पठान' अब सिर्फ 110 रुपये में मिल रही है, जिसके जवाब में कार्तिक आर्यन ने भी बड़ा ऐलान किया है.

कार्तिक आर्यन ने भी किया ऐलान

'पठान' की टिकट सस्ती होना 'शहजादा' के लिए परेशानी खड़ी करने वाला कदम बताया जा रहा है. सोशल मीडिया पर कार्तिक आर्यन के कई फैंस ने दावा किया कि शाहरुख खान 'शहजादा' को फ्लॉप कराना चाहते हैं. हालांकि इससे बचने के लिए कार्तिक आर्यन ने नया रास्ता निकाला है. फिल्म की रिलीज से पहले कार्तिक आर्यन ने एक वीडियो शेयर करते हुए बताया कि फिल्म की एडवांस बुकिंग पर एक टिकट के साथ दूसरी फ्री मिल रही है. सोशल मीडिया पर कार्तिक का ये वीडियो वायरल हो गया और कई लोगों ने इस ऑफर का फायदा भी उठाया. हालांकि 'शहजादा' के लिए सिर्फ 'पठान' ही नहीं 'एंट मैन 3' भी सिरदर्द बनी हुई है, जो 17 फरवरी को रिलीज हुई.

आरके स्टूडियो के बाद अब बिका राज कपूर का बंगला, जानें अब यहां क्या बनेगा और कौन है खरीदार

बॉलीवुड की दिग्गज हस्ती राज कपूर जिन्हें सभी द ग्रेट शौमैन के रूप में जानते हैं. आज भले ही वो हमारे बीच नहीं है लेकिन उनका काम और कुछ खास यादें आज भी लोगों के बीच जिंदा है. ऐसे में अब दिवंगत अभिनेता राज कपूर का ऐतिहासिक बंगला बिक गया है. ये मुंबई के सबसे महंगे इलाकों में आने वाले चेंबूर में स्थित है. इस बंगले को गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने ही खरीदा है. कंपनी ने ये बंगला कपूर फैमिली से खरीदा है. हालांकि, गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने यह बंगला कितना में खरीदा, इसका खुलासा नहीं किया गया है.

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने खरीदा बंगला

यह प्रॉपर्टी दिवंगत राज कपूर के कानूनी उत्तराधिकारी कपूर परिवार से खरीदी गई थी. गोदरेज प्रॉपर्टीज के एमडी और सीईओ गौरव पांडेय ने कहा कि राज कपूर का आइकनिक प्रोजेक्ट अब हमारे पोर्टफोलियो में शामिल हो गया है. दरअसल कंपनी इसे एक लग्जरी रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट में डेवलेप करने जा रही है. ये सारी जमीन की डील राज कपूर के वारिस से की गई है. साथ ही गोदरेज कंपनी के सीईओ ने कपूर खानदान का आभार व्यक्त किया. साल 2019 में आरके स्टूडियो को भी गोदरेज कंपनी ने खरीद लिया था.

इस प्रॉपर्टी से हमारी कई यादें जुड़ी हैं- रणधीर कपूर

आरके स्टूडियो की सारी डील ऋषि कपूर, रणधीर कपूर और राजीव कपूर के पास है. राज कपूर ने आरके स्टूडियो की स्थापना 1948 में की. कहते हैं कि इस प्रॉपर्टी का एक हिस्सा जल गया था जिसकी वजह से कपूर खानदान ने इसे बेचने का मन बनाया. रणधीर कपूर ने कहा, 'इस प्रॉपर्टी से हमारी कई यादें जुड़ी हैं और इसका हमारे परिवार के लिए काफी महत्व है. हमें उम्मीद है कि कंपनी इस विरासत को अगले पढ़ाव पर ले जाएगी.'

होली से पहले निरहुआ और मोनालिसा का कोजी वीडियो हो रहा वायरल

भोजपुरू एक्ट्रेस मोनालिसा अपनी बोल्डनेस और अदाओं से फैंस को दीवाना बनाती हैं. सोशल मीडिया पर मोनालिसा का वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वो भोजपुरी सुपरस्टार निरहुआ के साथ होली खेलती दिखाई दे रही हैं. होली का त्योहार अगले महीने यानी मार्च में आने वाला है, ऐसे में तैयारी अभी से शुरू होने लगी है. यूट्यूब पर मोनालिसा का पुराना गाना 'सा रा रा होली है' एक बार फिर वायरल हो गया है और लोगों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है.

भोजपुरी की पॉपुलर जोड़ी मोनालिसा और निरहुआ को खूब पसंद किया जाता है, उनका वीडियो मिनटों में वायरल हो जाता है. 'सा रा रा होली है' वीडियो सॉन्ग भी जमकर वायरल हो रहा है. गाने में दोनों स्टार्स के डांस ने गाने को और भी एक्साइटेड बना दिया है. मोनालिसा और निरहुआ ने गाने के धुन पर नाचते हुए अपनी टॉप परफॉर्मेंस का प्रदर्शन किया. यूट्यूबर पर गाने को अब तक 8 लाख से ज्याा व्यूज मिल चुके हैं. गाना 6 साल पहले रिलीज हुआ था, लेकिन आज भी इसका क्रेज खत्म नहीं हुआ है.

गौरतलब है कि भोजपुरी के अलाना मोनालिसा इन दिनों टीवी इंडस्ट्री में भी धूम मचा रही हैं. वो कई टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं. इस बीच सोशल मीडिया पर भी वो अपने वीडियो और बोल्ड फोटोज को लेकर

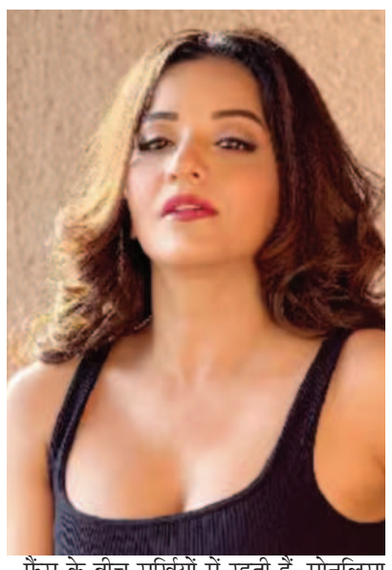

फैंस के बीच सुर्खियों में रहती हैं. मोनलिसा की फैन फॉलोइंग ऐसी है कि उनके पुराने वीडियो गाहे-बगाहे वायरल हो ही जाते हैं. भोजपुरी फिल्मों में उन्होंने निरहुआ के साथ काफी काम किया. दोनों की जोड़ी को भी खूब पसंद किया गया. होली के आने से ठीक पहले भोजपुरी स्टार्स का होली सॉन्ग वीडियो खूब वायरल हो रहा है. भोजपुरी के अलावा कई बॉलीवुड होली सॉन्ग्स हैं, जिन्हें रंगों त्योहार के दिन सुना जाता है.

उदय चोपड़ा को चाहकर भी स्टार नहीं बना पाया : आदित्य चोपड़ा

फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा ने कहा है कि 2004 में रिलीज हुई फिल्म धूम में उन्होंने स्टारकास्ट से ज्यादा पैसे फिल्म में दिखाए बाइक्स पर खर्च किए थे। अपनी लाइफ के शुरुआती दिनों में आदित्य खुद बाइक्स के शौकीन रहे थे। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई सीरीज द रोमांटिक्स में आदित्य चोपड़ा ने यशराज फिल्म्स और इससे जुड़ी काफी चीजों पर बात की। आदित्य का कहना है कि धूम के लीड एक्टर अभिषेक बच्चन, जॉन अब्राहम और खुद उनके छोटे भाई उदय चोपड़ा से ज्यादा पैसा प्रोडक्शन हाउस ने बाइक्स पर खर्च कर दिए थे। आदित्य ने उदय चोपड़ा के करियर के बारे में भी बात करते हुए कहा कि वो चाहकर भी उन्हें बड़ा स्टार नहीं बना पाए।

ऑडियंस ही आपको स्टार बना सकती है- आदित्य

आदित्य चोपड़ा ने उदय के बारे में बात करते हुए कहा, 'मेरा भाई बड़ा एक्टर नहीं बन पाया, एक बड़े फिल्ममेकर का बेटा और भाई होने के बावजूद वो कभी स्टार नहीं बन पाया, यहां तक कि उसे यशराज फिल्म्स जैसी कंपनी ने लॉन्च भी किया। बावजूद इसके उसका करियर आगे नहीं बढ़ सका। इसका मतलब ये है कि आप चाहे जो भी हों, जब तक ऑडियंस आपको पसंद नहीं करेगी तब तक आप बड़े स्टार नहीं बन सकते।

धूम में ड्रामा और इमोशन को हटाकर बाइक्स के सीन एड किए

आदित्य ने सीरीज के एक एपिसोड में अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म धूम के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने फिल्म से ड्रामा, इमोशन्स और रोमांस को हटाकर बाइक्स के सीन्स जोड़ने का फैसला किया। पहले वो फिल्म में कार का सीक्वेंस डालना चाहते थे लेकिन डायरेक्टर ने कहा कि कार में हीरो का चेहरा क्लियर नहीं दिख पाएगा इसलिए बाद में बाइक्स को लिया गया। आदित्य चोपड़ा अपनी लाइफ के शुरुआती दिनों में खुद बाइक्स के शौकीन रहे थे।

उदय ने कहा- मुझे गलतफहमी थी कि लोग पसंद कर लेंगे

उदय चोपड़ा ने भी इस एपिसोड में कुछ बातें शेयर की। उन्होंने कहा, जब मैंने एक्टिंग करनी शुरू की तो बहुत नादान था। मैंने सोचा कि मुझे हर कोई पसंद कर लेगा। मेरे दिमाग में भी नहीं था कि लोग मुझे पसंद नहीं करेंगे। उदय का कहना है कि जब कोई उन्हें नेपोटिज्म का प्रोडक्ट या असफल एक्टर कहता था तो काफी बुरा लगता था। उदय के मुताबिक, नेपोटिज्म वाली बात ने उन्हें काफी ज्यादा प्रभावित किया था।

धूम से मिली थी पॉपुलैरिटी

उदय चोपड़ा ने अपने करियर में मोहब्बतें, मेरे यार की शादी है, मुझसे दोस्ती करोगे जैसी फिल्मों में काम किया है, लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी धूम सीरीज से मिली। फिल्म में उनके रोल 'अली' ने ऑडियंस को खूब हंसाया था। हालांकि इसके अलावा उनके करियर में कोई बड़ी हाइलाइट नहीं रही है।

आदित्य चोपड़ा ने किया था डीडीएलजे का डायरेक्शन

आदित्य चोपड़ा की बात करें तो उन्होंने बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्मों में से एक दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे का डायरेक्शन किया है। उन्होंने सिर्फ 23 साल की उम्र में ये फिल्म बनाई थी। पिता यशराज चोपड़ा के गुजरने के बाद उन्होंने प्रोडक्शन हाउस की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधो पर ले ली। हाल ही में रिलीज हुई शाहरुख खान की फिल्म पठान भी यशराज फिल्म्स के ही बैनर तले बनी थी।

मैं कभी तुनिषा की जगह नहीं ले सकती': मनुल चुडासमा

तुनिषा शर्मा को गुजरे 2 महीने से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन अभी भी उनकी मौत की गुत्थी सुलझ नहीं पाई है। अब जो खबरें हैं उसके मुताबिक, उनके शो अली बाबा दास्तान-ए-काबुल में मेकर्स ने नई मरियम ढूंढ ली है। तुनिषा शर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर एक्ट्रेस मनुल चुडासमा को कास्ट किया गया है।

इस दौरान मनुल का कहना है कि वो मरियम के किरदार को नए विजन से लेकर आएंगी। उन्होंने कहा कि वो तुनिषा की जगह कभी नहीं ले सकती बस ऑडियंस से इतना चाहती हैं कि जो प्यार तुनिषा को मिला वहीं प्यार उन्हें भी मिले।

मेरे ख्याल से रिप्लेस शब्द कहना सही नहीं होगा-मनुल

मनुल अब शो अली बाबा दास्तान-ए-काबुल में राजकुमारी मरियम का किरदार निभाएंगी। मनुल का कहना है तुनिषा के दुनिया छोड़ देने के बाद लोगों का इस किरदार से अलग अटैचमेंट हो गया है। उन्होंने कहा,'इस शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी बात है, मैं इसके लिए शो के मेकर्स का आभार व्यक्त करना चाहूंगी।'

जब उनसे तुनिषा शर्मा की जगह लेने पर सवाल किया तो उन्होंने कहा, 'मेरे ख्याल से रिप्लेस शब्द का इस्तेमाल करना सही नहीं होगा। मैं तुनिषा की जगह नहीं ले सकती बस इसको एक नए विजन के साथ ला रही हूं।'

शो का हिस्सा बनकर एक्साइटेड हैं मनुल

मनुल चुडासमा इससे पहले 'एक थी रानी, एक था रावण' में लीड रोल में नजर आई थीं। ये उनका डेब्यू सीरियल था। इसके अलावा उन्होंने तेनालीराम और बृज का गोपाल जैसे सीरियल्स में भी काम किया है। अली बाबा के रूप में नई चुनौती के बारे में बात करते हुए बोलीं, 'काम करने को लेकर मेरे अंदर कोई खास घबराहट नहीं है। बल्कि मैं इस शो का पार्ट बनकर काफी रोमांचित हूं। ये चौथा शो है जिसमें मैं लीड रोल प्ले कर रही हूं।'

आज शीजान की जमानत याचिका पर होगी सुनवाई

तुनिषा शर्मा सुसाइड मामले में आरोपी शीजान खान की जमानत याचिका पर आज यानी शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। उधर, गुरुवार को वालिव पुलिस स्टेशन की ओर से वसई कोर्ट में 500 पेज की चार्जशीट दायर की गई। बता दें कि इससे पहले शीजान ने वसई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। इसके बाद शीजान ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

13 जनवरी को वसई कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

इससे पहले 13 जनवरी को हुई सुनवाई में वसई कोर्ट ने शीजान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुनवाई के दौरान शीजान के वकील ने उन्हें जमानत दिलाने की पूरी कोशिश की। इस दौरान उन्होंने आरोपी के बचाव में कई दावे भी किए। हालांकि कोर्ट ने सभी दलीलों के बावजूद शीजान की जमानत याचिका खारिज कर दी।

टीवी एक्ट्रेस तुनिषा ने 24 दिसंबर को शूटिंग के सेट पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। तुनिषा के खुदकुशी करने के कुछ ही घंटे के बाद उनकी मां की शिकायत पर उनके को-स्टार शीजान मोहम्मद खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। शीजान पर खुदकुशी के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है।

बता दें कि, शीजान और तुनिषा करीब 4 महीने से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। एक्ट्रेस की सुसाइड वाली घटना से 15 दिन पहले ही दोनों का ब्रेकअप हो गया था।

दो पुलिसकर्मियों ने व्यापारी से ठगे साढ़े पांच लाख

भोपाल, 17 फरवरी (एजेंसियां)। कोलार थाने में पदस्थ दो पुलिसकर्मियों ने अपने ही इलाके के एक आभूषण व्यापारी को डरा धमका कर पैसे लेने का मामला सामने आया है। इसमें कोलार थाने में पदस्थ रोहित और देवेंद्र जो कि आरक्षक के पद पर हैं, दोनों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। उन्होंने एक आभूषण व्यापानी को पुलिस का नकली वारंट आदि दिखाकर उससे साढ़े पांच लाख रुपए ले लिए। इस घटना को अंजाम देने के लिए आरोपी आरक्षकों ने व्यापारी का अपहरण भी किया।

महाराष्ट्र के नए राज्यपाल के रूप मे रमेश बैस आज ग्रहण करेंगे शपथ

मुंबई, 17 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नए राज्यपाल रमेश बैस शामिवार को अपने नए पद कि शपथ लेंगे। यहां शपथ ग्रहण का आयोजन राजभवन के दरबार हॉल में होने जा रहा है। बता दें कि बैस मुंबई जाने के लिए आज रात को रवाना होने वाले है, हवाई अड्डे पर उनको स्वागत करने के लिए सीएम शिंदे और कई नेता मौजूद होंगे।

सीएम शिंदे करेंगे बैस का एयरपोर्ट पर स्वागत

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक बैस आज शाम मुंबई पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित गणमान्य हस्तियां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करेंगे। दो अगस्त 1947 को रायपुर में जन्मे बैस संसदीय राजनीति, सामाजिक सरोकारों और संगठन कार्य में पांच दशकों के लंबे अनुभव के साथ नगरसेवक के पद से लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री और राज्यपाल के पद तक सार्वजनिक जीवन में विभिन्न जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया है।

इससे पहले संभाल चुके है कई पद

वह 1989 में पहली बार रायपुर से लोकसभा के लिए चुने गए थे। तब से वह छह बार यानी कुल सात बार लोकसभा के लिए चुने जा चुके हैं। वर्ष 1998 में उन्हें प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। वह 1999 से 2004 तक रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री और फिर सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री रहे।

अश्लील वीडियो और नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली/नोएडा, 17 फरवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को ठगने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए नोएडा के थाना फेज़-1 पुलिस ने तीन शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है, जबकि इनका एक साथी अभी भी फरार चल रहा है. ये लोग चाइनीज़ लोन एप के माध्यम से लोन लेने वालों के साथ ठगी करते थे. इनका फरार साथी इन्हें दो हजार से लेकर पांच हजार तक के लोन लेने वाले के डेटा उपलब्ध कराता था, जिसके बाद ये लोग सोशल मीडिया के माध्यम से अश्लील वीडियो और नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करते थे.

बाप-बेटे पर चली गोलियां,10-15 लोग बंदूकें लेकर आए थे

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के यमुना विहार इलाके में कार पार्किंग को लेकर विवाद हो गया. विवाद इतना बढ़ गया कि दबंगो ने पिता पुत्र को गोली मार दी. घायल पिता और बड़े भाई के बारे में जानकारी देते हुए पीड़ित परिवार के सदस्य ने मामले की जानकारी साझा की. उसने बताया कि पिछली रात जब मेरे पिता और भाई घर लौट रहे थे तो उन्होंने देखा कि एक कार पास की सड़क पर इस तरह खड़ी है कि कोई दूसरी गाड़ी आगे निकल कर नहीं जा सकती है. ऐसे में हमने गाड़ी चालक से उसकी गाड़ी को हटाने की रिक्वेस्ट की लेकिन वह भड़क गया और उसने उनको गाली देना शुरू कर दिया. इस बात पर जब हमने उन लोगों से को-आपरेट करने को कहा तो कार मालिक ने तमंचों के साथ 10-15 लोगों को इकट्ठा कर लिया. फिर, इस समूह के एक व्यक्ति ने मेरे पिता और भाई को घायल कर दिया. मेरे पिता जिनकी हालत गंभीर है और भाई घायल हैं उनको एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि घटना के बाद इलाके में पुलिस बल मौके पर मौजूद है. उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए पीडित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है.

फर्जी डिग्री के सहारे बन गया था राजपत्रित अधिकारी

चार साल सश्रम कारावास की सजा

इंदौर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। फायर इंजीनियरिंग की फर्जी डिग्री की मदद से राजपत्रित अधिकारी का पद हासिल करने के जुर्म में इंदौर की एक अदालत ने अग्निशमन विभाग के पूर्व प्रमुख अधीक्षक को चार साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. अभियोजन के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश संजय गुप्ता ने अग्निशमन विभाग के पूर्व प्रमुख अधीक्षक बीएस टोंगर (70) को बृहस्पतिवार को चार वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई और उन पर करीब 12,000 रुपये का जुर्माना लगाया. अधिकारी ने बताया कि भारतीय दंड विधान और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के संबद्ध प्रावधानों के तहत यह सजा सुनाए जाने के बाद टोंगर को अदालत से सीधे जेल भेज दिया गया. अधिकारी ने बताया कि पुलिस के आर्थिक अपराध जांच प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने टोंगर के खिलाफ अग्निशमन विभाग के एक निरीक्षक की शिकायत पर मामला दर्ज किया था. उन्होंने बताया कि टोंगर दिल्ली सरकार की एक विद्युत आपूर्ति इकाई में निम्न श्रेणी क्लर्क (एलडीसी) के रूप में पदस्थ थे और मध्य प्रदेश सरकार के अग्निशमन विभाग में प्रतिनियुक्ति पर आए थे.

कल निकले फागू, आज आए राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने 41वें राज्यपाल के रूप में ली थी शपथ

पटना, 17 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के 41वें राज्यपाल के रूप में राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शपथ ले ली है। उन्हें हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने शुक्रवार को दोपहर बाद करीब साढ़े 12 बजे शपथ दिलाई। 69 साल के राजेंद्र आर्लेकर की नियुक्ति को आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहले आर्लेकर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल थे 6 जुलाई 2021 को उन्हें हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। इससे पहले, गुरुवार को बिहार के राज्यपाल पद से मुक्त होकर फागू चौहान पटना से रवाना हो गए। गुरुवार को उनकी विदाई के समय और शुक्रवार को नए राज्यपाल आर्लेकर की अगवानी में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ एयरपोर्ट पर मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह बिहार के राजभवन में संपन्न हुआ।

आरएसएस बैकग्राउंड के आर्लेकर गोवा निवासी हैं

राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर गोवा के रहने वाले हैं। 23 अप्रैल 1954 को गोवा के पणजी में हुआ था। बाल्यकाल से ही वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे। 35 साल की उम्र में उन्होंने भाजपा में शामिल हुए। भाजपा कार्यकर्ता के रूप में राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले अर्लेकर पहले विधायक बने और फिर मंत्री पद पर भी रहे हैं। 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद गोवा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर परिकर को रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई। इसके बाद राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की मुख्यमंत्री बनने की चर्चा थी, लेकिन भाजपा ने लक्ष्मीकांत पारसेकर को गोवा की कमान सौंप दी। राजेंद्र आर्लेकर को गोवा विधानसभा को कागज रहित बनाने का श्रेय दिया जाता है।

मंत्री, विस अध्यक्ष जैसी भूमिकाएं भी निभा चुके

राजेंद्र अर्लेकर विधानसभा में सदस्य से लेकर मंत्री पद पर काम करने का अनुभव प्राप्त है। वे 2002 से 2007 तक विधायक थे। 2012 से 2015 तक गोवा विधानसभा के अध्यक्ष रहे। वहीं 2015 से 2017 तक गोवा के वन पर्यावरण और पंचायती राज्य मंत्री रहे थे। इसके बाद उन्हें हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया था। वे अनुसूचित जाति और जनजाति के विकास और कल्याण कार्यक्रम से भी जुड़े रहे।

पलवल में हादसा, स्कूल बस की टक्कर से ऑटो सवार एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत, पांच घायल

पलवल, 17 फरवरी (एजेंसियां)। पलवल में शुक्रवार सुबह स्कूल बस की टक्कर से ऑटो सवार एक ही परिवार के पांच सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं इस हादसे में पांच गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। ये हादसा रसुलपुर रोड स्थित गांव होशंगाबाद के पास हुआ है। परिवार गांव असावटा में आयोजित शादी समारोह से लौट रहा था। मृतक गांव सुल्तानपुर के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो को तेज झटका लगा और उसमें सवार 10 लोग इधर-उधर गिर गए। इनमें से पांच लोगों की मौत हो गई।

घाटी में सुबह-सुबह कांपी धरती

रिक्टर पैमाने पर 3.6 रही भूकंप की तीव्रता

जम्मू, 17 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर भूकंप आया है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 3.6 रही। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप पूर्वी कटरा से 97 किलोमीटर दूरी पर आया। भूकंप सवेरे 5 बजकर 1 मिनट पर आया। करीब एक महीने पहले डोडा और किश्तवाड़ में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

कठुआ में आपदा के दौरान बचाव स्थिति पर चर्चा

उधर, कठुआ में भूकंप जैसी आपदा के दौरान तैयारियों पर चर्चा की गई। वीरवार को डीसी राहुल पांडेय ने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ आपदा तैयारियों पर टेबल टॉप अभ्यास के दौरान कहा कि भूकंप और बाढ़ जैसे हालात में जिले की आपदा प्रबंधन की स्थिति के दौरान बचाव दल को अपने संचार तंत्र को मजबूत करने की जरूरत है। बैठक में उच्च तीव्रता वाले भूकंपों और अन्य आपदाओं के दौरान जान-माल के नुकसान और नुकसान को कम करने के लिए बचाव और पुनर्वास तैयारी योजना और रणनीति पर गहन चर्चा हुई। इस दौरान डीसी ने भूकंप या बाढ़ जैसी बड़ी आपदा के दौरान विभागों के बीच समन्वित और निर्बाध संचार के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भूकंप या बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एक मजबूत संचार योजना पर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने संबंधित विभागों को त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए खोज और बचाव के लिए उपयोग किए जाने वाले सैटेलाइट फोन और वायरलेस संचार उपकरणों को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं, अधिकारियों ने आपदा के समय नुकसान का आकलन कैसे किया जाए, इस पर विचार-विमर्श किया, ताकि आपदा प्रतिक्रिया और राहत अभियान के लिए संसाधनों का आवंटन किया जा सके।

बांदीपोरा में बीमार महिला मरीज को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया

जम्मू, 17 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीरघाटी के बादीपोरा में जिला प्रशासन ने नियंत्रण रेखा के करीब गुरेज घाटी के गुजरान टोले से गंभीर रूप से बीमार महिला मरीज को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया। गुजरान के दूरदराज के गांव में एक गंभीर रूप से बीमार मरीज के बारे में सूचना मिली थी। उसे तुरंत इलाज की जरूरत थी। इसके बाद उपायुक्त बांदीपोरा डॉ. ओवैस ने रोगी को स्नोबाउंड गांव से एयरलिफ्ट करने का निर्देश दिया। हेलिकाप्टर की गुजरान बस्ती में लैंडिंग करके रोगी को निकाला गया। यह गांव गुरेज घाटी के सबसे दूरस्थ गांवों में से एक है और हिमस्खलन प्रभावित क्षेत्र होने के अलावा नियंत्रण रेखा के पास पड़ता है। गांव में 10 फीट से ज्यादा बर्फ जमा है, जिससे बाकी जगहों से उसका संपर्क कट गया है। मरीज को जिला अस्पताल बांदीपोरा स्थानांतरित कर दिया गया। डॉक्टरों ने कहा कि मरीज को तत्काल चिकित्सा सहायता की जरूरत थी जो सुदूर गांव में संभव नहीं थी। स्थानीय लोगों ने एक मरीज की जान बचाने के लिए समय पर हस्तक्षेप करने के लिए जिला प्रशासन की सराहना की।

पुणे-सोलापुर हाईवे पर भीषण हादसा

3 गाड़ियां एक-दूसरे से टकराईं; एक की मौत

पुणे, 17 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे-सोलापुर नैशनल हाइवे पर हवेली तहसील के पास उरुली कांचन गांव से गुजरते वक्त तीन वाहनों में भयंकर टक्कर हो गई. इस विचित्र दुर्घटना में एक शख्स की मौत हो गई. यह घटना आज (17 फरवरी, शुक्रवार) सुबह 5 बजे हुई. मरने वाले की पहचान नहीं हो पाई है. तीनों वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं. एक कंटेनर पुणे की ओर जा रहा था. तभी एलाइट चौक और तलवडी चौक के बीच इसे पीछे से आ रहे एक कंटेनर ने जोर की टक्कर मार दी. इस टक्कर से यह कंटेनर डिवाइडर से दूसरी तरफ सोलापुर जाने वाली सड़क में आ गया और सोलापुर की दिशा में खड़े एक चार चक्के वाले वाहन से टकरा गया. इस विचित्र दुर्घटना से तीनों वाहनों को काफी नुकसान हुआ और एक शख्स की मौत हो गई. दुर्घटना की जानकारी मिलते ही उरुली कांचन के कस्तूरी प्रतिष्ठान के सदस्यों और गांव के लोगों ने तत्काल एंबुलेंस मंगवाई. जख्मी लोगों को इलाज के लिए उरुली कांचन के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया. पांच मिनट के अंतर पर मौजूद लोणी कालभोर पुलिस थाने के सीमा क्षेत्र में हुई दुर्घटना के बाद आधा घंटे तक पुलिस नहीं पहुंची. इस वजह से दुर्घटना स्थल पर गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई और ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हुई. विस्तार से मामला यह है कि आज सुबह पांच बजे पुणे-सोलापुर नैशनल हाइवे पर हवेली तहसील के उरुली कांचन गांव से गुजरते हुए एक कंटेनर को पीछे से आ रहे एक कंटेनर ने टक्कर मार दी. यह टक्कर एलाइड चौक और तलवडी चौक के बीच हुई. इस टक्कर से कंटेरनर डिवाइडर से दूसरी तरफ सोलापुर जाने वाली सड़क पर आ गया और एक अन्य चार चक्के वाले वाहन से टकरा गया.

फर्जी चेक देकर कैमरा कंपनी को लगाया था चूना, 25 साल बाद मुंबई से गिरफ्तार हुआ शख्स

मुंबई, 17 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने फर्जी चेक मामले में पिछले 25 साल से लापता 62 वर्षीय एक शख्स को गिरफ्तार किया है. गुरुवार को एक अधिकारी ने बताया कि मध्य मुंबई के रफी अहमद किदवई मार्ग पर मामला दर्ज किया गया था. आरोपी ने 40 कैमरे खरीदने के लिए 50,000 रुपये का फर्जी चेक देकर एक कैमरा कंपनी को धोखा देने की कोशिश की थी. अधिकारी ने कहा कि उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया था, लेकिन बाद में उसने अदालत में पेश होना बंद कर दिया और लापता हो गया. मामले के मुख्य आरोपी, जिसके इशारे पर उसने चेक दिया था, मुंबई पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. हाल ही में, पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली कि लापता व्यक्ति गुजरात के भरूच जिले के अछोड़ गांव में रह रहा है. अधिकारी ने कहा कि मुंबई पुलिस की एक टीम ने भरूच का दौरा किया और गुजरात पुलिस की मदद से उसे गिरफ्तार कर लिया. मुंबई से इस तरह का एक और मामला सामने आया है, जहां एक महिला से कथित तौर पर कूरियर कंपनी के कर्मचारी बनकर एक जालसाज द्वारा लगभग 7 लाख रुपये की ठगी की गई. पीड़िता प्राची ढोके ने अपनी शिकायत में कहा कि उसे एक कूरियर कंपनी के कस्टमर केयर अधिकारी के रूप में एक व्यक्ति का फोन आया. पुलिस ने शिकायत का हवाला देते हुए कहा कि उसने उसे बताया कि उसके नाम पर एक अंतरराष्ट्रीय पार्सल, जिसमें दो पासपोर्ट, पांच एटीएम कार्ड, 300 ग्राम चरस और एक लैपटॉप शामिल है,

जम्मू कश्मीर: सिर्फ नौ महीने रहा आप और हर्षदेव सिंह का साथ फिर पैंथर्स पार्टी में करेंगे वापसी

जम्मू, 17 फरवरी (एजेंसियां)। पैंथर्स पार्टी से अपना राजनीति जीवन का सफर शुरू करने वाले हर्ष देव ने सात मई को आम आदमी पार्टी का दामन थाम अपने नए राजनीतिक जीवन का सफर शुरू किया। हालांकि यह सफर सिर्फ नौ महीने तक ही चला। हर्ष देव सिंह का आप को छोड़ने का फैसला काफी हद तक परिवारिक फैसला है। वह अपनी उस पार्टी को पुर्नजीवित करना चाहते है जहां से उन्होंने अपना राजनीतिक सफर शुरू किया है। पैंथर्स पार्टी के संस्थापक प्रो. भीम सिंह के निंधन के बाद पैंथर्स पार्टी में कोई नेता नहीं बचा था। पार्टी राजनीतिक अज्ञातवास का

शिकार हो रही है। ऐसे में अपनी परिवार को पार्टी को फिर से लोगों के बीच लाने के लिए आप को छोड़ने का फैसला लिया है। पैंथर्स पार्टी में अध्यक्ष पद छोड़ कर हर्ष देव सिंह ने आम आदमी पार्टी का दामन थामा था। हर्ष देव सिंह ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर आम आदमी पार्टी छोड़ने के ऐलान किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। साथ ही जम्मू कश्मीर पैंथर्स पार्टी को फिर से मजबूत करने की बात कही। वहीं, उन्होंने पार्टी को भेजा गया इस्तीफा पत्र भी जारी किया। इसमें उन्होंने पार्टी छोड़ने के फैसले के पीछे नीजि कारण बताया है। हालांकि सोशल मीडिया पर लाइव के दौरान आम आदमी पार्टी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, 'ये पार्टियां भाजपा के सामने बोलने के लिए तैयार नहीं हैं। इनके अपने हित हैं। ऐसे में उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला लिया है।' आगे उन्होंने कहा कि जनता भाजपा की जनविरोधी नीतियों से परेशान है और ऐसे में जनता को एक विकल्प चाहिए। जम्मू कश्मीर में पैंथर्स पार्टी का झंडा एकबार फिर बुलंद होगा। पैंथर्स पार्टी में रहते हुए हर्ष देव सिंह रामनगर विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे हैं। 1996 में वह पहली बार विधायक बनकर जम्मू कश्मीर विधानसभा पहुंचे थे। 2002 में कांग्रेस-पीडीपी सरकार में वह शिक्षा मंत्री बनाए गए थे। प्रो भीम सिंह ने पैंथर्स पार्टी को 23 मार्च 1982 को गठन किया था।

त्योहार से पहले एक बार फिर जहरीली हुई दिल्ली-एनसीआर की हवा

इन गतिविधियों पर रोक

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता शुक्रवार सुबह 329 पर सूचकांक के साथ 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। इतना ही नहीं शहर के सभी प्रमुख निगरानी स्टेशनों में एक्यूआई को 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया है। इस बीच नोएडा में एक्यूआई 366 के साथ 'बहुत खराब' श्रेणी देखी गई। गुरुग्राम का एक्यूआई भी 322 पर 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। बता दें कि 201 से 300 के बीच एक्यूआई को 'खराब', 301 से 400 को 'बहुत खराब' और 401 से 500 को गंभीर माना जाता है। इसके अलावा शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा था। जबकि गुरुवार को न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 28.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा था। शुक्रवार से पहले गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ले में 270 एक्यूआई दर्ज हुआ, जिसके बाद सीएक्यूएम ने जीआरएपी-2 स्टेज को लागू किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली-एनसीआर के एक्यूआई में सुधार करने और हवा की गुणवत्ता में और ज्यागा गिरावट से बचने के लिए आज यानी शुक्रवार से जीआरएपी- के तहत सभी कार्यों को लागू करने का आह्वान किया है।

अरुणाचल प्रदेश में बिहार के एसएसबी जवान की हत्या

साथी जवान पर आरोप

भोजपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश में सीमा सुरक्षा बल के मेस इंचार्ज भोजपुर के एसएसबी जवान राकेश कुमार की हत्या कर दी गई. जैसे ही ये खबर उनके गांव पहुंची, पूरे गांव में गम का माहौल छा गया. जवान के घर में उनकी मौत से कोहराम मच गया. उनकी अरुणाचल प्रदेश में चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई. इस हत्या का आरोप उनके साथी जवान पर ही लगा है. 32 साल के जवान राकेश कुमार पदमिनियां गांव निवासी परमेश्वर यादव के बेटे थे. राकेश अरुणाचल प्रदेश की सीमा सुरक्षा बल के मेस इंचार्ज थे. उनके शरीग पर कई जगह पर जख्मों के निशान हैं.

एसएसबी जवान का पार्थिव शरीर शनिवार को उनके पैतृक गांव पहुंचेगा.

साथी से चल रहा था विवादः जानकारी के अुनसार जवान राकेश का अररिया जिले के रहने वाले उनके साथी जवान से कोई विवाद था. विवाद इतना बढ़.गया कि साथी जवान ने धारदार हथियार से राकेश पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके हो गई. मृतक के चाचा त्रिलोकी यादव ने बताया कि जिस साथी ने हत्या की वो दानापुर में भी राकेश के साथ काम करता था. एक डेढ़ साल पहले की बात है, उस समय भी दोनों का विवाद हुआ था. ₹जिसने हत्या की वो एक डेढ़ साल पहले दानापुर में भी राकेश के साथ काम करता था. उस समय भी दोनों का विवाद हुआ था लेकिन बाद में सब ठीक हो गया था, लेकिन इस बार तो उनसे राकेश की जान ही ले ली. बहुत अच्छा लड़का था राकेश पता नहीं दोनों में क्या विवाद था. एक चार साल का बच्चा भी है उसका, पूरा परिवार अब चिंता में डूबा है₹- त्रिलोकी यादव, मृतक के चाचा जवान बेटे के शव का है इंतजारः राकेश कुमार का चयन साल 2011 में हुआ था. 2013 में उनकी शादी भोजपुर के आरा में गंगहर पंचायत में हुई थी. उनका चार साल का बेटा भी है. जवान की मौत की सूचना मिलने के बाद पत्नी, मां, भाई गुड्डू और बहन नेहा का रो-रोकर बुरा हाल है. उधर राकेश की मौत की खबर सुनकर उनके रिश्तेदारों और दोस्तों का तांता उनके घर पर लग गया है, सभी का चेहरा मायूस है. फिलहाल सभी लोग अपने जवान बेटे के शव के आने का इंतजार कर रहे हैं.

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल समेत इन राज्यों पर आने वाले घंटे हैं भारी!

आईएमडी ने जारी की भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में बारिश का अनुमान लगाया गया है। खासकर उत्तर भारत की बात करें तो यहां मौसम का मिजाज कभी भी बदल जाता है। दोपहर में धूप से लोगों का हाल बेहाल है तो वहीं रात होते होते हवाओं से माहौल बदल रहा है। अब भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आने वाले दिनों में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और उत्तराखंड सहित कई राज्यों में हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी कहा कि फरवरी के अंतिम सप्ताह में किसी भी सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के द्वारा उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना नहीं है। सप्ताह की शुरुआत से ही पश्चिम बंगाल की राजधानी में न्यूनतम तापमान औसत से काफी नीचे बना हुआ है। शुरुआती घंटों में भी शहर का न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो साल के इस समय के सामान्य तापमान से दो डिग्री कम है। कोलकाता में सर्दियों के आखिरी दिन खत्म होने वाले है, इस सप्ताह से दिन और रात दोनों के तापमान में वृद्धि होने की उम्मीद है। तापमान में यह गिरावट उत्तर-पश्चिमी हवाओं की उपस्थिति के कारण है, जो पश्चिमी हिमालय क्षेत्र (विशेष रूप से उत्तराखंड) में हाल ही में हुई बर्फबारी के कारण पूर्व भारतीय महानगर में ठंडक पहुंचा रही हैं। हालांकि, बताया गया कि ये हवाएं गुरुवार से धीमी होनी शुरू हो जाएंगी, जिससे तापमान में वृद्धि होगी। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक के अनुसार, 'यह सर्दियों का आखिरी समय है और पारा फिर से गिरने की संभावना नहीं है। हिमालय में बर्फबारी के कारण ठंड का मौसम फिर से शुरू हो गया है, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं रहेगा।'आईएमडी के अनुसार, कोलकाता का न्यूनतम तापमान पूरे सप्ताह में धीरे-धीरे बढ़ेगा, शुक्रवार को 18 डिग्री सेल्सियस, शनिवार को 19 डिग्री सेल्सियस, रविवार को 20 डिग्री सेल्सियस और अगले सप्ताह की पहली छमाही के दौरान 21 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहेगा। आने वाली गर्मी के बावजूद, मौसम की स्थिरता कोलकाता निवासियों के लिए एक अच्छा मौसम लेकर आएगी। हाल के मौसम में बदलाव ने शहर भर में वायरल संक्रमण की लहर शुरू कर दी है,

ई-फार्मेसी पर सख्ती के मूड में स्वास्थ्य मंत्रालय, ऑनलाइन दवाओं की बिक्री पर लग सकती है रोक!

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ई-फार्मेसी के खिलाफ एक्शन मूड में नजर आ रहा है। ई-फार्मेसी की ओर से दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकता है। एएनआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-फार्मेसी कंपनियां अभी जिस बिजनेस मॉडल का पालन कर रही हैं, उसमें दवाओं के गलत इस्तेमाल की ज्यादा संभावना है। ऑनलाइन दवाओं के ऑर्डर से ग्राहकों के पर्सनल डेटा का भी खतरा है और दवाओं का गलत उपयोग भी हो सकता है। ऐसे में ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने इंटरनेट के माध्यम से दवाओं को बेचने वाली ई-फॉर्मेसी के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीसीजीआई की तरफ से ये नोटिस 8 फरवरी को जारी किया गया था। डीसीजीआई की ओर से जारी किए गए कारण बताओ नोटिस में 2 दिन के भीतर जवाब मांगा था। हेल्थ मंत्रालय की ओर से फटकार लगाते हुए कहा गया था कि अगर कारण नहीं बताया जाता है तो देश में दवाओं की बिक्री और डिस्ट्रीब्यूशन पर बिना किसी नोटिस के कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। केंद्रीय मंत्रालय के अधिकारी के मुताबिक, फॉर्मेसी कंपनियां 1940 से ही ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन कर रही हैं। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने 20 से ज्यादा ऑनलाइन फार्मेसी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

विदेशी चंदा को लेकर एनईएफटी और आरटीजीएस सिस्टम में बड़ा बदलाव

भारतीय रिजर्व बैंक ने जारी की नई गाइडलाइंस

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को विदेशी चंदे को लेकर आरटीजीएस और एनईएफटी सिस्टम में कई बदलाव किये गए हैं। आरबीआई की तरफ से फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट से संबंधित लेन-देन के लिए ऑनलाइन ट्रांसफर सिस्टम में यह बदलाव हुआ है। आरबीआई की ओर से जारी नई गाइडलाइन 15 मार्च, 2023 से प्रभावी हो जाएगी। जानिए क्या है नया अपडेट।

भारतीय रिजर्व बैंक ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया बैंक को दिए निर्देश

आरबीआई ने ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम में भाग लेने वाले सभी सदस्य बैंकों को नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। आरबीआई ने कहा कि एनईएफटी और आरटीजीएस सिस्टम के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक को विदेशी दान लेते समय आवश्यक विवरण प्राप्त करने के लिए अपने कोर बैंकिंग, मिडलवेयर समाधानों में कुछ सुधार करने की जरूरत है।

गृह मंत्रालय को देनी होगी जानकारी

आरबीआई ने विदेशी दानदाताओं के सभी विवरणों की रिपोर्ट के लिए गृह मंत्रालय को बाध्य कर दिया है। भारतीय स्टेट बैंक से विदेश से भेजे जाने वाले पैसे सहित विदेशी चंदा देने वालों के बारे में दैनिक आधार पर गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भेजने के लिये कहा गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि दानकर्ता के नाम, पते, देश, राशि, मुद्रा और भेजने के उद्देश्य सहित कई तरह के विवरण को बताने होंगे। इसके बारे में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को दैनिक आधार पर गृह मंत्रालय को जानकारी देनी होगी।

सीधे एफसीआरए खाते में आये पैसा

नए नियम के मुताबिक, फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट के तहत विदेशी चंदा एसबीआई की नई दिल्ली मुख्य शाखा के एफसीआरए खाते में ही आना चाहिए। विदेशी बैंकों से एफसीआरए खाते में योगदान सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशंस (स्विफ्ट) और भारतीय बैंकों से एनईएफटी और आरटीजीएस के जरिये भेजा जाता है। एफसीआरए खाते में योगदान सीधे विदेशी बैंकों से स्विफ्ट के जरिये और भारतीय मध्यस्थ बैंकों के माध्यम से आता है।भारतीय रिजर्व बैंक ने फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट से संबंधित लेन देन के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। ये बदलाव एनईएफटी और आरटीजीएस सिस्टम में आवश्यक बदलाव किए हैं। आरबीआई ने कहा कि यह नए दिशा-निर्देश देशभर में 15 मार्च, 2023 से लागू करने को कहा है।

ट्विटर ने दिल्ली और मुंबई का ऑफिस किया बंद कर्मचारियों को दिया वर्क फ्राम होम का आदेश

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने भारत में अपने तीन में से दो ऑफिसों को बंद कर दिया है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने सभी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने के लिए कहा है। ट्विटर ने यह कदम कॉस्ट कटिंग के लिए उठाया है। गौरतलब है कि पिछले साल ट्विटर ने पिछले साल अपने भारत स्थित ऑफिस के करीब 90 फीसदी इम्प्लाइंज को नौकरी से निकाल दिया था। इसका असर 200 से ज्यादा लोगों पर पड़ा था। इस फैसले के बाद कंपनी ने अपने मुंबई और नई दिल्ली को बंद करने का निर्णय लिया था, जिसे अब बंद कर दिया गया है। वहीं कंपनी का बेंगलुरु स्थित ऑफिस पहले की तरह संचालित होता रहेगा। एलन मस्क द्वारा कंपनी के टेकओवर के बाद ही इसके 50 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया था। मस्क ने ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था। इसके बाद से अपनी रकम की वसूली के लिए लगातार कंपनी के खर्च को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। मस्क ने सबसे पहले कंपनी के उस समय के सीईओ पराग अग्रवाल को नौकरी से निकाल दिया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ -	06-27	बजे
चंद्र-		में	मीन...	08-06	बजे
मंगल	वृष	में	मेष--	09-42	बजे
बुध-	मकर	में	वृष--	11-26	बजे
गुरु-	मीन	में	मिथुन..	13-27	बजे
शुक्र-	मीन	में	कर्क...	15-39	बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	17-51	बजे
राहु-	मेष	में	कन्या..	19-58	बजे
केतु-	तुला	में	तुला..	22-03	बजे
			वृश्चिक.	00-13	बजे
			धनु.....	02-27	बजे
			मकर..	04-37	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी **-20 -02** तक उपरान्त, चतुर्दशी
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , शनिवार **Feb 18**
नक्षत्र -उतराषाढा **-17 -41** तक उपरान्त श्रवण
योग - व्यतिपात - **19 - 35** - तक उप वरियान
करण- गर - **09 - 51** - तक उप- वणिज
विशेष:- शनि प्रदोष व्रत
व्रत -त्योहार - महा शिवरात्रि

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:36 से 11:03 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:45 - 08:09	अशुभ	लाभ.	18:15 - 19:51	शुभ
शुभ.	08:09 - 09:36	शुभ	उत्पात	19:51 - 21:24	अशुभ
रोग	09:36 - 11:03	अशुभ	शुभ	21:24 - 22:57	शुभ
उत्पात	11:03 - 12:30	अशुभ	अमृत	22:57 - 00:30	शुभ
चंचल	12:30 - 13:57	शुभ	चंचल	00:30 - 02:03	शुभ
लाभ	13:57 - 15:24	शुभ	रोग	02:03 - 03:36	अशुभ
अमृत	15:24 - 16:51	शुभ	काल	03:36 - 05:09	अशुभ
काल	16:51 - 18:15	अशुभ	लाभ	05:09 - 06:45	शुभ

गूगल इंडिया में छंटनी, रातोंरात निकाल दिए 453 कर्मचारी

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। टेक्नोलॉजी सेक्टर की सबसे बड़ी दिग्गज कंपनी गूगल ने भारत में काम कर रहे अपने 453 कर्मचारियों को रातोंरात नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। ये कर्मचारी गूगल इंडिया के ऑफिस में कई विभागों में अहम भूमिका निभा रहे थे। इस बारे में गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने निकाले गए कर्मचारियों को एक ई-मेल भी भेजा है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि, वह इस स्थिति तक पहुंचने के लिए किये गए सभी फैसलों की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। जानिए उन्होंने और क्या कहा है। बिजनेस लाइन की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में गूगल के लिए काम करने वाले 453 कर्मचारियों पर अचानक गाज गिरी है। रिपोर्ट में जानकारी दी है कि, जिन लोगों को टर्मिनेट किया है, उन्हें गूगल इंडिया के कंट्री हेड और वाइस प्रेसिडेंट संजय गुप्ता की तरफ से ई-मेल मिला है, जिसमें उन्हें टर्मिनेशन की सूचना दी मिली है। हालांकि इस बात को लेकर संशय है कि 453 कर्मचारियों की छंटनी पहले से घोषित 12,000 कर्मचारियों की छंटनी का हिस्सा है या फिर ये छंटनी उससे अलग है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने अपने ईमेल में लिखा कि, हमने अमेरिका में प्रभावित कर्मचारियों को पहले ही अलग से ई-मेल लिखा है। अन्य देशों में स्थानीय कानूनों और प्रैक्टिस की वजह से इसमें अधिक समय लग सकता है। पिचाई ने कर्मचारियों को भेजे मेल में कहा कि, हम जिन नौकरियों को समाप्त कर रहे हैं, वे सभी समीक्षा के परिणाम को दर्शाती है। उन्होंने अल्फाबेट, प्रोडक्ट, फंक्शन, लेवल से जुड़े अलग-अलग क्षेत्रों में ये कटौती की है।वही दूसरी ओर, दुनियाभर में कई बड़ी आईटी दिग्गज कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया है। माइक्रोसॉफ्ट ने 5 फीसदी यानि 10,000 नौकरियों की छंटनी की बात कही है। वीरांगना से 18,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा सकता है। वही दुनियाभर में फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा 11,000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है।

वायदा बाजार में गोल्ड और सिल्वर की चमक पड़ी फीकी

जानें क्या है आपके शहर का भाव?

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 17 फरवरी, 2023 को मार्केट खुलने के साथ ही सोने की चमक में कमी देखी जा रही है। आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। आज गोल्ड शुरुआती कारोबार में 387 रुपये यानी 0.69 फीसदी की गिरावट के साथ 55,975 रुपये पर खुला है। दिन में 1 बजे तक एमसीएक्स में 24 कैरेट सोना और गिरकर 55,831 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है। ऐसे में सोना वायदा बाजार में 1 महीने के सबसे निचले स्तर यानी 56,000 रुपये से नीचे पर पहुंच गया है।

कैसा है चांदी का हाल?

वहीं चांदी की बात करें तो यह भी आज लाल निशान पर कारोबार कर रहा है। वायदा बाजार में आज चांदी शुरुआती दौर में 613 रुपये प्रति किलो यानी 0.93 फीसदी की गिरावट के साथ 65,228 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था। वहीं दिन में 1 बजे तक इसके प्राइस में और गिरावट देखी गई है और यह 64,755 पर कारोबार कर रहा है। वहीं कल की बात करें तो सोना 56,228 प्रति 10 ग्राम और चांदी 65,633 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

देश में बड़े शहरों में क्या है गोल्ड-सिल्वर रेट-

गौरतलब है कि सोने और चांदी के भाव कई तरह के फैक्टर्स पर निर्भर करते हैं। इसमें डॉलर के मुकाबले रुपये का भाव, इंटरनेशनल मार्केट में सोने-चांदी की डिमांड आदि जैसी चीजें शामिल हैं। भारत के बड़े शहरों की बात करें तो आज राजधानी दिल्ली में 22 कैरेट सोना 52,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 68,600 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिक रहा है। मुंबई में 22 कैरेट सोना 51,990 रुपये और चांदी 68,600 रुपये में बिक रहा है।

कोलकाता में 22 कैरेट सोना 51,990 रुपये और चांदी 68,600 रुपये और चेन्नई में 52,790 प्रति 10 ग्राम और चांदी 71,800 रुपये प्रति किलो बिक रहा है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया क्रेडिट कार्ड का कर रहे हैं इस्तेमाल

तो अब इस काम के लिए 99 रुपये की जगह देने होंगे 199 रुपये

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने क्रेडिट कार्ड यूज करने वाले ग्राहकों को झटका दिया है। अगर आप क्रेडिट कार्ड यूज करते हैं तो अब आपको रेंट पेमेंट करने पर ज्यादा चार्ज देना पड़ेगा। कंपनी ने रेंट पेमेंट पर प्रोसेसिंग फीस को बढ़ा दिया है। यूजर्स को भेजे गए एक एसएमएस में जानकारी दी गई है कि अब इस सर्विस के दौरान उन्हें 99 रुपये और टैक्स की जगह 199 रुपये और टैक्स देना होगा। इसका मतलब है कि अगर आप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हुए रेंट पेमेंट करते हैं तो आपको रेंट पेमेंट के साथ पहले से 100 रुपये ज्यादा प्रोसेसिंग फीस देना पड़ेगा। वर्तमान समय में ग्राहकों को 99 रुपये प्लस टैक्स का भुगतान करना होता है। ये नया चार्ज यूजर्स पर 15 मार्च 2023 से लागू होगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने इससे पहले भी प्रोसेसिंग फीस को बढ़ाया था। एसबीआई ने नवंबर 2022 के दौरान इस चार्ज को बढ़ाकर 99 रुपये प्लस टैक्स कर दिया था। अब इस चार्ज में दोगुना बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा, बाकी बैंक भी इस सर्विस के लिए लोगों से चार्ज वसूल करते हैं। आइए जानते हैं कौन सा बैंक कितना चार्ज करता है। आईसीआईसीआई बैंक भी अपने ग्राहकों से क्रेडिट कार्ड के जरिए रेंट पेमेंट का 1 फीसदी प्रोसेसिंग चार्ज वसूल करता है, जो अक्टूबर 2022 से ले रहा है। वहीं एचडीएफसी बैंक की बात करें तो ये रेंट पेमेंट करने पर 500 रिवॉर्ड प्वाइंट देता है। हालांकि अगर दूसरे ही महीने आप रेंट पेमेंट करते हैं तो कुल ट्रांजैक्शन का आपको 1 फीसदी प्रोसेसिंग फीस देना होगा। बैंक ऑफ बड़ौदा की बात करें तो ये बैंक भी 1 फरवरी 2023 से रेंट पेमेंट पर 1 फीसदी प्रोसेसिंग फीस वसूल कर रहा है। इसके अलावा, कुछ और बैंक जैसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक ग्राहकों से क्रेडिट कार्ड से रेंट पेमेंट करने पर कुल ट्रांजैक्शन का 1 फीसदी प्रोसेसिंग फीस वसूल कर रहे हैं।

छह महीने के उच्च स्तर पर पहुंचा बिटकॉइन

निवेशकों ने दिखाई दिलचस्पी!

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिप्टो मार्केट की सबसे बड़ी डिजिटल टोकन बिटकॉइन गुरुवार को 6 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। ग्लोबल स्तर पर 9.5 फीसदी उछलने के बाद दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी गुरुवार को 25,000 डॉलर पर पहुंच गई थी, क्योंकि निवेशकों ने पिछले कुछ समय से इसमें दिलचस्पी दिखाई है। हालांकि शुक्रवार को इसमें तेज गिरावट देखी गई है। बिटकॉइन इस साल अब तक करीब 16,500 डॉलर से करीब 50 फीसदी बढ़ गया है। शुक्रवार की बात करें तो ग्लोबल स्तर पर बिटकॉइन 3.6 फीसदी गिरकर 23,790.2 डॉलर पर ट्रेड कर रहा है। हालांकि ये एक दिन पहले 25,000 डॉलर पर पहुंच चुका था, जो अगस्त 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। इसका वर्तमान समय में मार्केट वैल्यू 459.5 अरब डॉलर है, जबकि ट्रेड वैल्यू 39.4 अरब डॉलर पर था। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े डिजिटल टोकन इथेरियम की बात करें तो शुक्रवार को इस कॉइन में 1.9 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। ये टोकन 1,659.9 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। इसका मार्केट कैप 203.1 अरब डॉलर है, जबकि ट्रेड वैल्यूम 12 अरब डॉलर पिछले 24 घंटे के दौरान रहा है। एक दिन पहले बिटकॉइन में बड़ी उछाल दिखने के बाद शुक्रवार को बिटकॉइन में तेज गिरावट देखी गई है। बिटकॉइन 3.12 फीसदी गिरकर 1,967,391.28 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

सेंसेक्स 316 अंक गिरकर 61,002 पर बंद, निफ्टी 91 अंक टूटा

अडाणी ट्रांसमिशन और टोटल गैस 5-5% गिरा

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पांचवें और आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार (17 फरवरी 23) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 316 अंक गिरकर 61,002 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 91 अंक की गिरावट रही। यह 17,944 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में गिरावट और 8 शेयरों में तेजी रही।

विल्मर, पावर और एनडीटीवी के शेयरों में 5-5% की तेजी रही

आज अडाणी ग्रुप के 10 में से 6 स्टॉक्स में तेजी देखने को मिली। अडाणी विल्मर, पावर और एनडीटीवी के शेयरों में 5-5% की तेजी रही। अडाणी ग्रीन एनर्जी (2.04%), अंबुजा सीमेंट (1.94%) और अडाणी पोर्ट्स (0.061%) में भी तेजी देखने को मिली। वहीं ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज में 4.32% की गिरावट रही। अडाणी ट्रांसमिशन और टोटल गैस में 5-5% की गिरावट देखने को मिली। एसीसी में भी 0.36% की गिरावट रही।

अडाणी एंटरप्राइजेज-नेस्ले इंडिया निफ्टी के टॉप लूजर

अडाणी एंटरप्राइजेज, नेस्ले इंडिया, इंडसइंड बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, एम एंड एम, एसबीआई और टीसीएस समेत निफ्टी-50 के 33 शेयरों में गिरावट रही। वहीं एलटी, अल्ट्रा टेक सीमेंट, बीपीसीएल, हीरो मोटोकॉर्प, एशियन पेंट्स, कोल इंडिया, ग्रासिम, ओएनजीसी, रिलायंस और जेएसडब्ल्यू स्टील समेत 17 शेयरों में तेजी देखने को मिली।

रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.78% की गिरावट रही

एनएसई के सभी 11 सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली। रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.78% की गिरावट रही। बैंक, आईटी, फार्मा, पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक सेक्टर में 1% से ज्यादा की गिरावट नजर आई। ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मीडिया और मेटल सेक्टर में भी मामूली गिरावट रही।

गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ था शेयर बाजार

इससे पहले शेयर बाजार में हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन, यानी गुरुवार (15 फरवरी 23) को तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स करीब 44 अंकों की तेजी के साथ 61,319 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 20 अंक की तेजी रही थी। यह 18,035 के स्तर पर बंद हुआ था।

एलएसी पर तनाव के बावजूद 10 महीनों में 9 फीसदी बढ़ा चीन से आयात, पर निर्यात में आई भारी गिरावट

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैनिकों के बीच झड़प के बाद से ही चीन के साथ रिश्तों में तनाव बना हुआ है। उस घटना के बाद चीनी सामानों के विरोध और बायकॉट का सिलसिला भी शुरू हुआ लेकिन जमीनी हकीकत पर नजर डालें तो चीनी के साथ व्यापारिक रिश्तों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा है। व्यापारिक रिश्तों में चीन का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि चीन से किया जाने वाला आयात में बढ़ोतरी आई है। वाणिज्य मंत्रालय ने आयात-निर्यात के जो आंकड़े जारी किए हैं उसके मुताबिक बीते 10 महीनों में चीन से किए जाने वाले आयात में बढ़ोतरी देखने को मिली है। आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 के जनवरी महीने यानि 10 महीने की अवधि में चीन से किए जाने वाले आयात में 9 फीसदी का उछाल आया है। जबकि इस अवधि में चीन को किए जाने वाले निर्यात में भारी कमी आई है। चीन को किए जाने वाला निर्यात 34 फीसदी घटा है।

आपका राशिफल

मेष — धू धे धो ला ली लू ले लो आ

पारिवारिक समस्याओं को अपनी पत्नी से साझा करें। एक-दूसरे को फिर से खोजने और एक प्यार करने वाले पोषण करने वाले जोड़े के रूप में पुनः पुष्टि करने के लिए कुछ समय व्यतीत करें। आपके बच्चे भी घर में खुशी और शांति सद्भाव के स्पंदनों को महसूस करेंगे। यह आपको एक दूसरे के साथ बातचीत में अधिक सहजता और स्वतंत्रता देगा।

वृष — ई उ ए जो वा वी वू वे वो

भावनाओं का पारा चढ़ेगा- आपका बर्ताव आस-पास के लोगों को भ्रमित करेगा- आप तत्काल परिणाम की तलाश में हैं, इसलिए निराशा आपको जकड़ सकती है। धन की आमद पूरे दिन बनी रहेगी, लेकिन दिन के अंत में आप महसूस कर सकते हैं कि बहुत अधिक खर्चा हो गया है। आने वाले मेहमान आपकी शाम को व्यस्त रखेंगे।

मिथुन — का की कू घ ड झ के को हा

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त समय होगा। पैसों के निवेश और बचत के संबंध में आज आपको अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की ज़रूरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार साबित होगी। परिवार और मित्रों के साथ आनंदमय समय व्यतीत होगा।

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

लंबी यात्रा से बचने की कोशिश करें क्योंकि आप यात्रा करने के लिए बहुत कमजोर हैं। जिन लोगों ने कर्ज लिया था, उन्हें आज चुकाने में परेशानी हो सकती है। कोई पुराना मित्र शाम को आपसे मुलाकात कर पुरानी यादों को ताजा कर सकता है। चंद्रमा की स्थिति के कारण आपके प्रेम जीवन में कुछ परेशानियां आ सकती हैं।

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

बाहरी गतिविधियां आज थकाने वाली और तनावपूर्ण रहेंगी। अगर आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो आपको आज से ही पैसों की बचत शुरू कर देनी होगी। दोस्त और क़रीबी आप पर मदद का हाथ बढ़ाएंगे। रोमांस कार्ड पर है लेकिन कामुक भावनाएं फूट सकती हैं।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ट पे पो

पत्नी आपको प्रफुल्लित कर सकती है। हालांकि आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन आपको ध्यान रखना होगा कि फिजूलखर्ची या अनावश्यक चीजों पर खर्च न करें। अनावश्यक वाद-विवाद परिवार में तनाव पैदा कर सकता है। याद रखें तर्क-वितर्क से मिली जीत असल मायने में जीत नहीं होती।

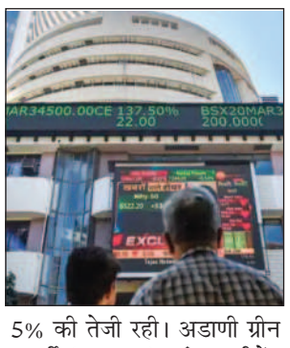

तुला — स री रु रे से ता तू ते

खुद को बेहतर बनाने के प्रोजेक्ट कई तरह से रंग लाएंगे- आप अपने बारे में बेहतर और आत्मविश्वासी महसूस करेंगे। आज आपको यह बात समझ में आएगी कि कई बार निवेश करना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है, क्योंकि आपके द्वारा किया गया कोई पुराना निवेश लाभदायक रिटर्न देने वाला होता है।

वृश्चिक — तो मा मी मू मे मो य यी यू

स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए आपको अस्पताल जाना पड़ सकता है। आपके माता-पिता आपसे किसी महत्वपूर्ण चीज के लिए भुगतान करने के लिए कह सकते हैं, लेकिन इससे आपकी आर्थिक स्थिति खराब होने की संभावना है। अपने सामाजिक जीवन की उपेक्षा न करें।

धनु — ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

आपके लिए सरासर खुशी और आनंद - जैसा कि आप जीवन का पूरा आनंद लेने के लिए तैयार हैं। जिन लोगों को अभी तक वेतन नहीं मिला है, वे पैसों को लेकर चिंतित हो सकते हैं और अपने किसी दोस्त से उधार मांग सकते हैं। किसी दोस्त की समस्या आपको ख़राब और चिंतित कर सकती है।

मकर — भे जे जी खी खू खो मा मी

आध्यात्मिक के साथ-साथ शारीरिक लाभ के लिए भी ध्यान और योग फायदेमंद साबित होगा। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन कोशिश करें कि इसे हाथ से फिसलने न दें। जीवन और कार्य के प्रति अपने दृष्टिकोण में एक प्रकाशमान और पूर्णतावादी बनें। अच्छे मानवीय मूल्यों के साथ एक गर्म दिल और दूसरों का मार्गदर्शन करने और उनकी मदद करने की सहज इच्छा।

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

आज अतीत के ग़लत फ़ैसले हताशा और मानसिक उथल-पुथल की ओर ले जाएंगे- आप फंसे रह सकते हैं और यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि आगे क्या करना है-दूसरों की मदद लें। महत्वपूर्ण लोग किसी भी चीज को वित्त करने के लिए तैयार होंगे जिसमें इसका एक विशेष वर्ग होगा।

मीन — ढी दू ध ज्ञ ञ दे दो घ घी

आज ख़ुद पर ज़्यादा ज़ोर न डालें- आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम नज़र आ रही है और आपको ज़रूर आराम की ज़रूरत है। निवास स्थान के संबंध में किया गया निवेश लाभदायक रहेगा। माता का रोग कुछ चिंता दे सकता है। आपको उसका ध्यान बीमारी से हटाकर कुछ अन्य चीजों की ओर मोड़ने और उसकी बीमारी को कम करने की जरूरत है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

4 फीट लंबी रॉड अपने गालों के आरपार की

48 दिन संबंध नहीं बना सकते, दूरी कितनी भी हो, नंगे-पांव पैदल ही मुरुगन मंदिर आना है

मदुरई, 17 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। हरे रंग की धोती और गले में रुद्राक्ष की माला पहने एक शख्स के गालों के आर-पार लोहे की रॉड निकली हुई है। उसका मुंह खुला हुआ है। गालों पर खून के निशान हैं। करीब 4 फीट लंबी इस रॉड के दोनों किनारों को दो लोगों ने पकड़ रखा है। उसके दोनों छोर पर नींबू लगे हैं। रोंगटे खड़े कर देने वाले इस सीन देखकर कोई भी विचलित हो सकता है। कितना दर्द हो रहा होगा, लेकिन उसके चेहरे पर कोई शिकन नहीं। वह तीन किलोमीटर से ऐसे ही पैदल चलकर आ रहा है। कुछ लोगों ने उसे चारों तरफ से घेर रखा है, ताकि कोई रॉड को टच नहीं कर सके।

कुछ देर बाद वह मंदिर की गेट पर पहुंचता है। उसे चारों तरफ से धोती से कवर कर दिया जाता है। फिर दो-तीन लोग मिलकर उसके गालों से रॉड को खींचकर निकालते हैं। उसके गालों के आर-पार छेद साफ दिख रहा है। जैसे ही रॉड बाहर निकलती है, उसके पैर छूने के लिए लोग टूट पड़ते हैं। जयकारे लगाने लगते हैं।

एक ने तो पूरे शरीर में ही कीलें चुभो रखी हैं। उसके होठों के आर-पार त्रिशूल निकला हुआ है। पीठ पर इतनी भारी कीलें हैं कि मांस तक खिंच गया है। ऐसा करतब दिखाने वाले कोई एक-दो लोग नहीं है। बल्कि अनगिनत लोग दिखते हैं। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग कोई पीछे नहीं है। सबकी आस्था ऐसी कि उनका जख्म पीछे छूट गया है।

ये लोग भगवान शिव के पुत्र कार्तिकेय के भक्त हैं। कार्तिकेय को तमिलनाडु में मुरुगन नाम से पूजते हैं। दिसंबर, जनवरी और फरवरी इन तीन महीनों में यहां हर दिन उत्सव का माहौल होता है। भक्तों की भीड़ इतनी कि पैर रखने की जगह भी मुश्किल

यहां आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था ऐसी है कि वो इसके लिए कोई भी दर्द झेलने को तैयार हैं

मिलती है। मान्यता ये कि कठिन साधना के बाद भगवान मुरुगन के दर्शन से उनकी सारी मन्नतें पूरी होती हैं।

आज इसी मुरुगन मंदिर और इससे जुड़ी आस्था की कहानी

तमिलनाडु के मदुरई का पलानी मुरुगन मंदिर। मदुरई से करीब 150 किलोमीटर दूर पलानी की ओर जा रही सडकों पर पदयात्रा करने वालों की लंबी कतारें हैं। ढोल-नगाड़े बज रहे हैं। लोग नंगे पांव नाच रहे हैं, झूम रहे हैं। कोई भगवा धोती पहना है, तो कोई हरे रंग की धोती में है। जिस शख्स ने अपने गालों में रॉड लगवाई थी, उनका नाम करप्पास्वामी है। उनके गाल पर मुरुगन भगवान की भभूत लगा दी गई है। पास ही उनके भाई खड़े हैं। वे बताते हैं, 'हम लोग तमिलनाडु के करूर जिले से यहां आए हैं। हमारे साथ परिवार और रिश्तेदार के करीब 150 लोग हैं। भाई हर साल यहां आते हैं। इस बार उन्होंने गालों में रॉड डालकर यहां आने की इच्छा जताई थी।'करप्पास्वामी की पत्नी काफी खुश हैं। वे कहती हैं, 'पहले घर में काफी दिक्कत थी। बीमारी से हम परेशान रहते थे। आये दिन परिवार का कोई ना कोई शख्स बीमार रहता था। फिर मेरे पति से लोगों ने कहा कि आप मुरुगन मंदिर जाओ। उसके बाद पति यहां आने लगे। पहली बार वे अकेले आए थे। उसके बाद हम परिवार के साथ आने लगे। तीन किलोमीटर पहले इन्होंने पूजा करने के बाद अपने गाल में रॉड डलवाई थी। वहीं से हम लोग पैदल आ रहे हैं।'

यहीं मेरी मुलाकात धर्मापूर्ण से होती है। वे भी दर्शन के लिए मुरुगन मंदिर आए हैं। वे बताते हैं, 'इस मंदिर में आना आसान नहीं है। इसके लिए 48 दिनों के कठिन व्रत से गुजरना पड़ता है।'

धर्मापूर्ण बताते हैं, 'जो भी यहां आना चाहता है, उसे 48 दिन पहले नॉनवेज और शराब छोड़ना होता है। इस दौरान वह अपनी पत्नी से संबंध भी नहीं बना सकता है। झूठ बोलने की भी मनाही होती है। बेड की बजाय जमीन पर सोना होता है। उसे हर दिन सुबह 4 बजे उठकर ठंडे पानी से स्नान करना होता है। अपने गांव या इलाके के मुरुगन मंदिर में हर रोज पूजा करनी होती है। मंदिर के पुजारी उसे रुद्राक्ष की माला पहनाते हैं। जिसे उसे हमेशा धारण करना होता है। 48 दिनों तक वह चप्पल या जूता नहीं पहना सकता है। उसे नंगे पैर ही रहना होता है। 48वें दिन वह गांव के मंदिर में पूजा करने के बाद यहां के लिए निकलता है। रास्ते में जहां भी नदी या तालाब मिलता है, वहां वह स्नान-ध्यान करता है। यहां पहुंचने के बाद वह माथे पर चंदन और भभूत लगाता है। जिसे भगवान को बाल चढ़ाना होता है, वह सिर मुंडवाता है।'

मंदिर के आसपास सिर मुंडवाने के लिए कई हॉल बने हैं। जहां बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सिर मुंडवा रहे हैं। केरल से आई धारिणी अपनी पांच साल की बेटी का सिर मुंडवा रही हैं। वे बताती हैं, 'बेटी को अस्थमा की शिकायत है। मंदिर में बाल चढ़ाऊंगी तो इसकी बीमारी ठीक हो जाएगी।' इस मंदिर की खासियत है कि यहां पैदल ही आना होता है। चाहे कोई कितना ही दूर से क्यों ना आ रहा हो।

65 साल के सुब्रमण्यम घेरा बनाकर युवाओं के साथ नाच रहे हैं। उनके साथ करीब 200 लोग हैं। सुब्रमण्यम इस ग्रुप के लीडर हैं। करीब 150 किलोमीटर दूर कल्लमपट्टी से यहां आए हैं। वे पिछले 32 साल लगातार यहां आ रहे हैं। इस वजह से गांव वालों ने उन्हें गुरुस्वामी का दर्जा दिया है। गांव के लोग उनकी अगुआई में ही यहां आते हैं। सुब्रमण्यम बताते हैं, 'हम लोग सुबह 6 बजे से 9 बजे तक पैदल चलते हैं। इसके बाद रास्ते में कुछ नाश्ता करते हैं। फिर चलना शुरू करते हैं। दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक आराम करते हैं। इसके बाद तीन बजे से पूरी रात चलते रहते हैं। जिन गांवों से हम गुजरते हैं, वहां के लोग सड़कों पर खाने का इंतजाम करते हैं। इसे अन्नदान कहा जाता है।'

मंदिर के चारों ओर प्रसाद और पूजा-पाठ के सामान की दुकानें हैं। केले के चिप्स और हलवा यहां का मुख्य प्रसाद है। दुकानों पर पीले रंग की पतली सी रस्सी और हल्दी की गांठ भी बिक रही है। पूछने पर पता चलता है कि यह रस्सी मंगलसूत्र है। ऐसी मान्यता है कि जिसकी शादी नहीं हो रही होती है, वह भगवान मुरुगन को मंगलसूत्र चढ़ाता है।

ऊंची पहाड़ी पर मुरुगन भगवान की प्रतिमा है। वहां तक जाने के लिए करीब 800 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। 40 डिग्री तापमान में पैदल ऊपर चढ़ने की मेरी हिम्मत नहीं हुई। मैंने रोपवे से जाने का फैसला किया। यहां रोपवे के लिए 50 रुपए का टिकट लगता है। भीड़ काफी है। कुछ देर इंतजार करने के बाद नंबर मिल गया। यहां से देखने पर पूरा शहर से दिख रहा है जैसे किसी प्याली में कुछ चीजें रखी हों। मंदिर में लोग धूप-अगरबत्ती जलाकर पूजा कर रहे हैं। खुद से ही भगवान का अभिषेक कर रहे हैं। इतनी भीड़ है कि पंडित अभिषेक करा ही नहीं पाएंगे। इसलिए यहां आने वाले खुद ही अपनी पूजा करते हैं।

यहां से करीब 300 मीटर दूर भगवान मुरुगन की मूर्ति रखी है। अंधेरा होने की वजह से मूर्ति नजर नहीं आ रही। उससे आस-पास जलते दीए दिख रहे हैं। मूर्ति तक जाने की इजाजत नहीं है। यहां थोड़ी दूर पर एक घेरे में अनगिनत मुर्गे रखे हैं। ये वो मुर्गे हैं, जो भगवान मुरुगन को लोगों ने चढ़ाए हैं। मान्यता ये कि मुर्गे मुरुगन की सवारी हैं। इसलिए जिंदा मुर्गे ही उन्हें चढ़ाए जाते हैं।

तमिलनाडु में भगवान मुरुगन के 6 मंदिर हैं, लेकिन इस मंदिर की खास विशेषताए हैं। इनकी मूर्ति का विशेष महत्व है। मंदिर के पुजारी बताते हैं कि यह मूर्ति 9 खास तत्वों से बनी है। उनका दावा है कि इनमें औषधीय गुण हैं। इसी वजह से यहां चढ़ने वाली भभूत लगाने से बीमारियां ठीक हो जाती हैं। भभूत के लिए श्रद्धालु लंबी कतार लगाते हैं। सुबह-सुबह सबसे पहले आने वाले 50-100 श्रद्धालुओं को ही भभूत मिल पाती है। पुजारी कहते हैं, 'रात में मंदिर के पट बंद कर दिए जाते हैं। उस दौरान मुरुगन भगवान सिर्फ धोती में रहते हैं। चारों पट बंद होने की वजह से उन्हें वैसे ही पसीना आता है, जैसे किसी इंसान को आता है। रात में उनके घुटनों के पास एक प्याला रख दिया जाता है, जिसमें उनके पसीने की बूंदें जमा हो जाती हैं। जिसे सुबह पहले आने वाले कुछ श्रद्धालुओं को दे दिया जाता है।

यहां भगवान मुरुगन की दिन में 6 बार पूजा की जाती है और 6 बार उनका श्रृंगार भी बदला जाता है। पहली पूजा सुबह 6.45 बजे होती है। जिसमें उनका विश्वरूपम श्रृंगार होता है। इसमें उन्हें सफेद कपड़े और फूलों से सजाया जाता है। फिर 7.45 पर पूजा होती है। जिसमें शिकारी के रूप में उनका श्रृंगार होता है। ऐसी मान्यता है कि मुरुगन को एक लड़की से प्रेम हो गया था, जो शिकारी बिरादरी की थी। उसे मोहने के लिए मुरुगन ने शिकार करना सीखा था।

8.45 पर बाल रूप में उनका श्रृंगार होता है। कहा जाता है कि वे दस साल की उम्र में इस पहाड़ पर आए थे। इसलिए बाल रूप में उनकी पूजा की जाती है। दोपहर 12 बजे वैद्य के रूप में श्रृंगार होता है। जिसमें वे ब्राह्मण के भेस में होते हैं।

फिर शाम को 6.30 पर राजा का श्रृंगार होता है। ऐसी मान्यता है कि मुरुगन को राजा के रूप में देखने पर लोगों का घर धन-दौलत से भर जाता है। इस वजह से इस रूप के दर्शन के लिए लोगों की भीड़ बहुत ज्यादा होती है। यहां प्रसाद की सौ साल से भी ज्यादा पुरानी दुकान है। यहां के प्रसाद को पंजामृत कहा जाता है। जिसमें खजूर, केला, मिश्री जैसी चीजें मिली होती हैं। यह गाढ़ा जैम की तरह होता है।

'दाऊ-ठाकुर' के बीच ट्विटर वॉर

सीएम बघेल ने लिखा- छत्तीसगढ़ सबसे गरीब राज्य था, 'ठाकुर साहब' ये आपकी लूट का नतीजा था

रायपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ के मौजूदा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के बीच सोशल मीडिया पर पोस्ट वॉर छिड़ी हुई है। दोनों एक दूसरे के कार्यकाल को सवालों के घेरे में खड़ा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल डॉ रमन सिंह के लिए ठाकुर साहब संबोधन के साथ पोस्ट लिख रहे हैं तो डॉक्टर रमन सिंह के ट्विटर पर दाऊजी लिखकर भूपेश बघेल के लिए पोस्ट की जा रही है। छत्तीसगढ़

में हाल ही में नक्सल हिंसा में मारे गए भाजपा नेताओं की जांच का मामला, कांग्रेस सरकार द्वारा लिया गया कर्ज, डॉ रमन सिंह के ट्वीट पर है तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल डॉ रमन सिंह को ठाकुर साहब कहते हुए लिख रहे हैं कि छत्तीसगढ़ का बुरा हाल आपके लूट खसोट की वजह से था , उन्होंने डॉ रमन सिंह से यह भी पूछा है कि क्या उन्हें एनआईए पर भरोसा नहीं है। विश्व आदिवासी दिवस के दिन अपने आदिवासी अध्यक्ष को हटाने वाले, पूरे आदिवासी नेतृत्व को हाशिए पर धकेलने वाले छत्तीसगढ़ भाजपा के 'सर्वे सर्वा' - ठाकुर साहब बताइए कि आपके 15 वर्षों में अधिकारी फूल छाप थे क्या? चार वर्ष में अधिकारी पंजा छाप कैसे हो गये? हम अच्छे से काम ले पा रहे हैं इसलिए आप उनको पंजा छाप बोल रहे हैं?

महाधिवेशन से अमरजीत ने खुद को किया अलग

मोहन मरकाम को चिट्ठी लिखकर कहा- अधिवेशन से जुड़े काम नहीं करेंगे, जिम्मेदारी से करें मुक्त

रायपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री अमरजीत चावला कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन से जुड़े काम नहीं करेंगे । चावला ने प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में अमरजीत चावला ने प्रदेश कांग्रेस की तरफ से पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन को लेकर की जा रही तैयारियों को लेकर बात लिखी है। अमरजीत चावला को अधिवेशन की व्यवस्था से जुड़े कुछ अहम काम सौंपे गए थे। अमरजीत चावला ने अब मोहन मरकाम को चिट्ठी लिखकर यह कह दिया है कि उन्हें सभी कामों से मुक्त कर दिया जाए। इसके पीछे अमरजीत चावला ने हाल ही में उन्हें जारी किए गए नोटिस को वजह बताया है। अमरजीत चावला और प्रदेश संगठन के बीच अब इस नई चिट्ठी से विवाद की दीवार और बड़ी हो गई है। प्रदेश में पार्टी का पूर्णकालिक अधिवेशन होने जा रहा है, जिसमें पार्टी की तरफ से उन्हें बहुत सारी जिम्मेदारियां दी गई है। लेकिन कुछ गलतफहमी की वजह से उनके खिलाफ अनुशासन समिति में शिकायत हुई है और नोटिस जारी किया गया है। अमरजीत चावला ने लिखा है कि अधिवेशन में उन्हें कई समितियों में शामिल किया गया है और जिम्मेदारियां सौंपी गई है। अब जबकि उन्हें नोटिस जारी हुआ है, तो ऐसे में उन्हें अधिवेशन के दौरान कार्यभार लेना उचित नहीं प्रतीत हो रहा है।

झुग्गी बस्ती में आग से 25 घर जलकर खाक

फटने लगे घरों में रखे सिलेंडर, फायर ब्रिगेड के पहुंचने तक सबकुछ स्वाहा

भिलाई, 17 फरवरी (एजेंसियां)। भिलाई में सूर्या नगर बस्ती जैसी फिर से बड़ी आग की घटना घटी है। यहां हॉस्पिटल सेक्टर में आग से लगभग 25 घर जलकर राख हो गए हैं। आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है, लेकिन बताया जा रहा है कि कचरे के ढेर में आग लगने से हादसा हुआ। आग बढ़ने पर 4 सिलेंडर फटे और पूरी बस्ती को स्वाहा कर दिया।

भिलाई टाउनशिप के हॉस्पिटल सेक्टर के झुग्गी क्षेत्र में शुक्रवार रात 2 बजे आग लगने से 25 घर जलकर राख हो गए। लोगों को इतना भी मौका नहीं मिला की वो अपना सामान बचा सके। देखते ही देखते आग पूरी बस्ती में फैल गई। जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचती आग ने सभी घरों को जला दिया था। कृष्णा अहिरवार ने बताया कि वो सेक्टर 9 हॉस्पिटल में अटेंडेंट का काम करती हैं। वो ड्यूटी पर गई थी। घर में उसकी 4 बेटी और एक बेटा अकेले थे।

देर रात 3.30 बजे के करीब बेटी ने फोन करके बताया कि मम्मी बड़ी आग लगी है। जल्दी आ जाओ। मौके पर आकर देखा तो पूरी बस्ती में आग लगी थी। मेरे घर का पूरा सामान जल गया था। आग लगने के बाद यहां करीब 4 सिलेंडर फटे। जिससे बस्ती के पूरे घर जल गए। गहने जल गए हैं। सोना और पैसा का पता नहीं चल रहा है। पीड़ित सुहागा अहिरवार ने बताया कि उसका पूरा सामान जल गया। पहनने के लिए कपड़े तक नहीं बचे। घर का पूरा सामान राख हो गया है। शासन प्रशासन के लोग आए हैं। अभी तो कोई मदद नहीं मिली है। हमारी मांग है कि हमारा घर बनाकर दिया जाए, जिससे हम लोग रह सकें।

एग्जाम सिर पर क्या पढ़ेंगे

झुग्गी क्षेत्र में रही निर्जला और संतोषी अहिरवार का कहना है कि वो 10वीं बोर्ड की तैयारी कर रही हैं। आग में उनकी पूरी कॉपी-किताब जल कर राख हो गई हैं। एग्जाम सिर पर है। वे कैसे परीक्षा की तैयारी कर पाएंगे। उनके पास न तो नोट्स बचा और न ही किताबें बची हैं। बच्चियों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लोगों की मदद के लिए की जा रही है व्यवस्था

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता जावेद खान ने बताया कि पास के शासकीय स्कूल में लोगों को ठहरने और खाने पीने की व्यवस्था की जा रही है। तत्काल राहत दी जा रही है। इसके बाद महापौर ने आश्वासन दिया है कि वो फिर से लोगों का घर बनवाएंगे और खाने पीने की सामग्री भी देंगे।

इतनी बड़ी दुर्घटना हो जाने के बाद भी जिला प्रशासन से मात्र एक नायब तहसीलदार क्षमा यदु को ही मौके पर भेजा गया। आग लगने के बाद पीड़ितों की व्यवस्था को देखने कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा अब तक नहीं पहुंचे, और न कोई एसडीएम व एडीएम वहां पहुंचा। लोगों का कहना है कि जब कलेक्टर के पास उनका हाल जानने के लिए समय नहीं है तो वे मदद की क्या आस लगाएं।

इसके साथ ही भिलाई निगम के मेयर नीरज पाल, विधायक देवेंद्र यादव, दुर्ग मेयर धीरज बाकलीवाल और जिलाध्यक्ष मुकेश चंद्राकर पहुंचे थे।

विधायक ने एसपी को दंगाई बताकर लगवाए पोस्टर

शिक्षक-पटवारी मारपीट विवाद के बाद आज बलरामपुर बंद, बृहस्पत सिंह लोगों के साथ करेंगे प्रदर्शन

सरगुजा, 17 फरवरी (एजेंसियां)। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में एसपी और थाना प्रभारी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर शुक्रवार 17 फरवरी और शनिवार को बलरामपुर शहर बंद रहेगा। विधायक बृहस्पत सिंह के नेतृत्व में शहरवासी आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर आज अंबिकापुर-रामानुजगंज नेशनल हाईवे- 343 पर विरोध-प्रदर्शन करेंगे।

बुधवार रात पटवारी के साथ शिक्षक अमित सिंह और उसके साथियों ने जमकर मारपीट की थी। जिसके बाद 7 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इधर आरोपियों का जुलूस नहीं निकालने से नाराज विधायक समर्थकों ने कोतवाली थाने के बाहर लगे बोर्ड और अन्य स्थानों पर एसपी मोहित गर्ग के पोस्टर लगा दिए, जिसमें लिखा था- दंगाई एसपी को बर्खास्त करो।

15 फरवरी को किसी बात को लेकर शिक्षक अमित सिंह और ग्राम बड़की महरी पटवारी हामिद रजा के बीच विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि शिक्षक अमित सिंह ने अपने 7 साथियों को फोन कर बुलाया, जो अंबिकापुर से अलखडीहा गांव एक शादी समारोह में आए थे। बुधवार देर रात शिक्षक (बलरामपुर निवासी) ने अपने साथी मॉन्टी सिंह (अंबिकापुर निवासी) और उसके कई साथियों के साथ मिलकर पटवारी के साथ

जमकर मारपीट की। ये मारपीट बलरामपुर के पुराना बस स्टैंड पर हुई। बीच-बचाव करने पहुंचे बलरामपुर के लोगों को भी आरोपी अमित सिंह, मॉन्टी सिंह और उसके सहयोगियों ने लाठी-डंडों से जमकर मारा।

घायल अपनी जान बचाने के लिए बलरामपुर निवासी जीतेंद्र श्रीवास्तव के घर में घुस गए, लेकिन आरोपी मॉन्टी सिंह और उसके साथी वहां भी घुस गए। उन्होंने जीतेंद्र श्रीवास्तव, उनके भाई राजेश श्रीवास्तव से भी मारपीट की। इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दी। इस पर थाने से पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मारपीट कर रहे आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। इस बीच मौका पाकर मुख्य आरोपी अमित सिंह फरार हो गया।

मारपीट में घायल पटवारी हामिद रजा, जीतेंद्र श्रीवास्तव और बीच-बचाव करने पहुंचे सादिक सिद्दिकी, पूर्व पार्षद सलीम खान, शकील खान सहित स्थानीय लोग पुलिस थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। घायल लोगों में पूर्व पार्षद सलीम खान, पटवारी हामिद रजा, शकील खान, सादिक सिद्दिकी, जितेंद्र श्रीवास्तव और राजेश श्रीवास्तव समेत 6 लोग शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज जिला चिकित्सालय बलरामपुर में किया जा रहा है।

पुलिस ने मॉन्टी सिंह समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया, वहीं अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। मुख्य आरोपी शिक्षक अमित सिंह फरार है। इधर गुरुवार को घटना की जानकारी मिलने पर रामानुजगंज विधायक बृहस्पत सिंह अपने समर्थकों के साथ सिटी कोतवाली पहुंचे और आरोपियों का नगर में जुलूस निकालने और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर एनएच-343 पर धरने पर बैठ गए। एनएच पर टायर जलाकर यहां चक्काजाम कर दिया गया। इससे यातायात बाधित हो गया और गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। दोपहर 2 बजे से लेकर देर शाम तक चक्काजाम चलता रहा, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी हुई। जब आरोपियों का जुलूस नहीं निकाला गया, तो विधायक समर्थकों ने कोतवाली थाने के बाहर लगे बोर्ड और बाकी जगहों पर एसपी मोहित गर्ग के पोस्टर लगा दिए, जिसमें लिखा था-दंगाई एसपी को बर्खास्त करो। वहीं चक्काजाम से निपटने के लिए पुलिस बल ने बड़ी गाड़ियों को 3 किलोमीटर दूर कलेक्ट्रेट के आगे ही रोक दिया। वहीं यात्री बसों और छोटी-बड़ी गाड़ियों को न्यू बस स्टैंड से डायवर्ट कर पुराना कलेक्ट्रेट चौक होते हुए निकाला जाने लगा। इधर विधायक को पुलिस अधिकारी मनाने की कोशिश करते रहे, लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े रहे।

अफसरों के काफी समझाने के बाद भी देर शाम तक चक्काजाम नहीं खुल पाया था। एक तरफ विधायक आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने और उनका शहर में जुलूस निकालने की मांग पर अड़े थे, तो वहीं पुलिस को कानून-व्यवस्था बिगड़ने का डर सता रहा था। इस पूरी घटना को लेकर शहर में भारी तनाव था। पुलिस ने विधायक से कहा कि अगर आरोपियों का जुलूस निकाला जाता है, तो जनता उग्र हो सकती है। इससे माहौल खराब हो जाएगा।

दिन भर गहमागहमी और तनाव के बाद देर शाम धरना स्थल पर एक सभा का आयोजन कर प्रदर्शन को समाप्त किया गया। साथ ही इस मामले को लेकर शुक्रवार और शनिवार को नगर बंद की घोषणा की गई। विधायक बृहस्पत सिंह शुक्रवार को पुराने कलेक्टोरेट चौक पर आयोजित धरना-प्रदर्शन में शामिल होंगे।

फिर यहां से रैली निकालकर छत्तीसगढ़ सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन में आरोपियों पर ठोस धाराओं में अपराध दर्ज करने, पीड़ित पक्ष पर दर्ज अपराध को शून्य करने और वर्तमान एसपी मोहित गर्ग को बर्खास्त करने की मांग की जाएगी।

तुर्किये में मरने वालों की संख्या 42,000 से अधिक

भूकंप पीड़ितों की मदद के लिए यूनाइटेड नेशंस ने एक अरब डॉलर जुटाने की मानवीय अपील की

अंकारा, 17 फरवरी (एजेंसियां)। तुर्किये और सीरिया में पिछले हफ्ते आए भूकंप के 11 दिन बाद भी मौतों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। यूनाइडेट नेशंस ने तुर्किये के लोगों के लिए एक अरब डॉलर जुटाने के लिए मानवीय अपील की है। इस बीच तुर्की पुलिस ने सोशल मीडिया पर भूकंप के बारे में भड़काऊ पोस्ट साझा करके डर और दहशत पैदा करने के आरोप में 78 लोगों को गिरफ्तार किया है।

अब तक 41 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। तुर्की के अधिकारियों ने 35,418 और सीरियाई सरकार ने 5,800 से ज्यादा लोग मारे जाने की पुष्टि की है। दोनों देशों में अब भी राहत ओर बचाव कार्य जारी है। दोनों देशों में दुनियाभर से मदद भेजी जा रही है।

इसी बीच तुर्किये की डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी ने बताया है कि बचाव कार्य को पूरा करने में 1 लाख से ज्यादा बचाव कर्मी हिस्सा लेंगे। इसमें अलग-अलग तरह के 5500 वाहनों का इस्तेमाल किया जाएगा। अब तक 95 देशों ने तुर्किये को मदद ऑफर की है।

एक हफ्ते बाद भी जिंदा मिले लोग

तुर्किये और सीरिया में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी हैं। अब भी लोगों को मलबे के नीचे से निकाला जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि 8 से 9 दिन बाद भी कई लोग जिंदा मिल रहे हैं। तुर्किये के हताय प्रांत में 26 साल की महिला को 201 घंटे बाद बचाया गया। इधर, अदीयमन शहर में 199 घंटे बाद 18 साल के युवक को रेस्क्यू किया गया।

सीरिया में रेस्क्यू ऑपरेशन छोड़कर वापस लौट रहे कई देश

कई देश सीरिया बॉर्डर पर रेस्क्यू ऑपरेशन छोड़कर वापस लौट रहे हैं। रविवार को इजराइल ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अपनी टीम हतजाला ग्रुप को इमरजेंसी फ्लाइट से वापस बुला लिया। इससे पहले जर्मनी और ऑस्ट्रिया ने भी अपने बचाव दलों के तुर्किये से निकाल लिया था।

दरअसल, इजराइल समेत कई देशों की इंटेलिजेंस एजेंसी को इनपुट मिला है कि तुर्किये बॉर्डर पर अलग-अलग गुटों में हिंसक झड़प होने वाली हैं। जिनसे वहां पहुंचे बचाव कर्मियों की जान को खतरा है। जर्मनी के बचाव दल ने भी बताया कि वहां गोलीबारी हो रही है। वहीं तुर्किये के कहरामनमारस में रविवार देर रात 4.7 की तीव्रता का एक और भूकंप का झटका महसूस किया गया। तुर्किये में 6 फरवरी को

आए भूकंप के बाद लगातार आफ्टरशॉक आ रहे हैं जिनसे लोग परेशान हैं।

तुर्किये और सीरिया में 6 फरवरी को सुबह 3 बड़े भूकंप आए थे। तुर्किये के वक्त के मुताबिक, पहला भूकंप सुबह करीब चार बजे (7.8), दूसरा करीब 10 बजे (7.6) और तीसरा दोपहर 3 बजे (6.0) आया। इसके अलावा 243 आफ्टर शॉक्स भी दर्ज किए गए। इनकी तीव्रता 4 से 5 रही। तुर्किये में 7 फरवरी सुबह 8.53 पर फिर भूकंप आया। इसके बाद दोपहर 12.41 बजे 5.4 तीव्रता का भूकंप आया।

दुनिया में हर साल 20 हजार भूकंप आते हैं

हर साल दुनिया में कई भूकंप आते हैं, लेकिन इनकी तीव्रता कम होती है। नेशनल अर्थक्वेक इन्फॉर्मेशन सेंटर हर साल करीब 20 हजार भूकंप रिकॉर्ड करता है। इसमें से 100 भूकंप ऐसे होते हैं जिनसे नुकसान ज्यादा होता है। यह कुछ सेकेंड तक रहता है। अब तक के इतिहास में सबसे ज्यादा देर तक रहने वाला भूकंप 2004 में हिंद महासागर में आया था। यह भूकंप 10 मिनट तक रहा था।

तुर्किये का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें दो नर्स नवजात बच्चों को भूकंप से बचाती नजर आ रही हैं। भूकंप का केंद्र तुर्किये का गाजियांटेप शहर था। इसी शहर के एक अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में दो नर्स नवजातों की जान बचाती हुई कैद हो गईं।

6 फरवरी को तुर्किये-सीरिया में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप से अब तक 25 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। 95 से ज्यादा देश यहां मदद भेज रहे हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। तुर्किये में अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया है। इस बीच सोशल मीडिया पर सर्वाइवल के कई किस्से वायरल हो रहे हैं।

तुर्किये और सीरिया में आई आपदा के बीच सोशल मीडिया पर कई दर्दनाक कहानियां वायरल हो रही हैं। हम ऐसी ही 12 कहानियां आप तक पहुंचा रहे हैं।

मैप और तस्वीरों में देखें- भूकंप से पहले खड़ी थीं चमचमाती इमारतें, बाद में तबाही ही तबाही

तुर्किये और सीरिया में भूकंप से अब तक 5000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। तुर्किये के अधिकारी युनुस सेजर ने बताया कि भूकंप के तीन झटकों के बाद 243 आफ्टरशॉक भी आए थे।

बाइडेन बोले- फ्लाइंग ऑब्जेक्ट मार गिराने पर अफसोस नहीं

चीन से कोल्ड वॉर नहीं चाहता, इस बारे में जिनपिंग से बात करूंगा

न्यूयार्क, 17 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फ्लाइंग ऑब्जेक्ट को मार गिराने पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने गुरुवार देर रात कहा कि हम चीन के साथ एक नया कोल्ड वॉर नहीं चाहते, लेकिन मुझे पिछले कुछ दिनों में आकाश में उड़ते गुब्बारे मार गिराने के लिए कोई अफसोस नहीं है। देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए हम आगे भी ऐसे फैसले लेते रहेंगे।

पिछले दिनों अमेरिका के अलास्का, कनाडा, मिशिगन और अमेरिका-कनाडा बॉर्डर में फ्लाइंग ऑब्जेक्ट दिखे थे। चारों जगह इन्हें मार गिराया गया था। इस पर बाइडेन ने कहा कि अभी हम अच्छे से नहीं जानते कि हमने जो तीन संदिग्ध चीजें मार गिराईं, वो क्या थीं। इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि वे चीन से भेजे गए स्पाई बैलून थे, या फिर वे किसी अन्य देश ने निगरानी के लिए भेजा था। इंटेलिजेंस कम्युनिटी के पास भी इस बात का कोई संकेत नहीं है।

जो बाइडेन ने कहा कि इंटेलिजेंस कम्युनिटी के मुताबिक, इसकी संभावना ज्यादा है कि ये निजी कंपनियों, स्टडी या मौसम की जानकारी लेने के लिए भेजे गए बैलून थे। उन्होंने कहा कि मैं इस

बारे में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात करने की उम्मीद करता हूं, जिससे चीजें स्पष्ट हो सकें। हमारे पास कोई सबूत नहीं है कि पिछले कुछ दिनों में आकाश में संदिग्ध चीजों की संख्या बढ़ी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर कोई चीज देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती है तो मैं उसे मार गिराने का आदेश दूंगा। अमेरिका, चीन के साथ नया कोल्ड वॉर नहीं चाहता। हम चीन के साथ बातचीत जारी रखेंगे और इन कथित स्पाई बैलून को लेकर चीनी राष्ट्रपति से बात करेंगे। चीन पहले ही अमेरिका के तमाम दावों को खारिज कर चुका है। उसके विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने अमेरिका को पहले ही बता दिया है कि जिस बैलून को वहां की एयरफोर्स ने मार गिराया, वो वास्तव में सिविलियन बैलून था जो गलती से अमेरिका पहुंच गया।

इसके जरिए हम वेदर डेटा जुटाते हैं। अमेरिकी सरकार इस मामले पर ओवर रिएक्ट कर रही है। ये पक्षी है, प्लेन है, ड्रोन है, एलियन है या जासूसी गुब्बारा? तरह-तरह की बातें चल रही हैं।

नक्सलियों ने बम से उड़ाया पंचायत भवन

चाईबासा, 17 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के गोईलकेरा थानाक्षेत्र में नक्सलियों ने पंचायत भवन को आईईडी बम विस्फोट कर उड़ा दिया है। घटना बीती रात की है। नक्सलियों ने गोईलकेरा के कदमडीहा पंचायत के गितिलपी स्थित पंचायत भवन को बम विस्फोट कर उड़ाया। कोल्हान जंगल के इन ईलाकों में भाकपा माओवादियों के खिलाफ पिछले एक महीने से पुलिस और सुरक्षा बल के जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। नक्सली इस तरह की घटना को अंजाम देकर सुरक्षा बलों को चुनौती दे रहे हैं। भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना गुरुवार देर रात की है। नक्सलियों द्वारा प्रतिरोध सप्ताह मनाया जा रहा है जिसके तहत ऐसी कई घटनाओं को अंजाम देने की तैयारी है। मुफ्फसिल थाना अंतर्गत बरकेला गांव के पास बम विस्फोट कर पुलिया को भी उड़ा दिया है। इस घटना के बाद सीआरपीएफ के साथ गोइलकेरा के साथ- साथ सोनुवा थाना के काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गये हैं। नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बल एक महीने से अभियान चला रहे हैं।

इमरान खान कभी भी हो सकते हैं गिरफ्तार

पूर्व प्रधानमंत्री के घर के बाहर भारी तादात में पुलिस तैनात, समर्थक भी रोकने पहुंचे

इस्लामाबाद, 17 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आर्थिक तंगी के बीच सियासी बवाल भी बढ़ता जा रहा है। लाहौर से खबर है कि पाकिस्तान के पूर्व पीएम और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान कभी भी गिरफ्तार हो सकते हैं। भारी संख्या में पुलिस बल उनके घर के बाहर जमा है।

इमरान की गिरफ्तारी की आशंकाओं के बीच उनके समर्थक भी लाहौर के जामन पार्क स्थित घर पहुंचना शुरू हो गए। इससे वहां तनाव की स्थिति बन गई है। विरोध को देखते हुए, पुलिस घर के आसपास मोर्चा संभाले हुए है। रात भर से डटे समर्थक भी जमकर नारेबाजी कर रहे हैं।

दरअसल, इमरान खान पर तोशाखाना में जमा गिफ्ट्स को सस्ते में खरीदने और ज्यादा दामों में बेचने का आरोप है। इसे लेकर पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने उन्हें 5 साल के लिए अयोग्य घोषित किया है। उनकी संसद सदस्यता भी रद्द कर दी गई है। इस फैसले के खिलाफ इमरान

समर्थकों ने चुनाव आयोग (ईसी) के ऑफिस के बाहर हिंसक प्रदर्शन किया, जिसमें कुछ लोग घायल भी हुए थे। इस घटना के बाद खान के खिलाफ एंटी टेररिज्म एक्ट के तहत वारंट जारी हुआ था।

20 अगस्त को इस्लामाबाद में एक रैली के दौरान इमरान ने महिला जज और पुलिस अधिकारियों को खुलेआम धमकी दी थी। इसी बीच इमरान की पार्टी पीटीआई की लीगल टीम ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में खान की गिरफ्तारी से पहले ही जमानत याचिका दायर कर दी है।

इसी मामले में इमरान खान को दो दिन पहले एंटी-टेररिज्म कोर्ट (एटीसी) में पेश होना था, लेकिन वे पेश नहीं हुए। जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तार करने के आदेश दिए थे।

इसके बाद इमरान लाहौर हाईकोर्ट गए। जहां गुरुवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी।

इमरान बोले- हार मत मानो

उधर, इमरान न अपने समर्थकों से कहा है कि कभी हार मत मानो, जीवन कितना भी कठिन क्यों न हो, चाहे आपको कितना भी दर्द क्यों न हो, दर्द अंततः कम हो जाएगा, कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता है, इसलिए चलते रहो और हार मत मानो।

पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार

हाल ही में पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री शेख रशीद को बुधवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रशीद की गिरफ्तारी को पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी पर इमरान खान की हत्या की साजिश रचने के उनके आरोप से जोड़ा जा रहा है। इस्लामाबाद में पहले से ही उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज थी। जरदारी फॉरेन मिनिस्टर बिलावल भुट्टो के पिता हैं।

गिरफ्तारी के बाद रशीद ने कहा- मुझे बिना किसी वॉरंट के गिरफ्तार किया है। 200 पुलिसवालों ने मेरे घर के खिड़की-दरवाजे तोड़े, बदतमीजी की। नौकरों के साथ मारपीट की गई और जबरदस्ती मुझे गाड़ी में डाला। गिरफ्तारी के पीछे शाहबाज शरीफ सरकार का हाथ है।

इमरान ने भारत की फॉरेन पॉलिसी को सराहा, बोले- पुतिन हमें भी सस्ता तेल देने तैयार थे, जनरल बाजवा ने गड़बड़ कर दी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर भारत की तारीफ की है।

खान के मुताबिक- रूस ने जब यूक्रेन पर हमला किया तो भारत ने उससे सस्ता तेल खरीदना जारी रखा। मैं ऐसा नहीं कर पाया, क्योंकि उस वक्त के आर्मी चीफ जनरल बाजवा ने मामला बिगाड़ दिया। इमरान इस मुद्दे पर पहले भी मोदी सरकार की तारीफ कर चुके हैं।

चीन का टॉप टेक बैंकर लापता होने से हड़कंप

भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में सरकार कर रही थी पूछताछ, कंपनी के शेयर 50% गिरे

बीजिंग, 17 फरवरी (एजेंसियां)। चीन में एक हाई प्रोफाइल बैंकर के लापता होने से वहां की फिनटेक इंडस्ट्री में हड़कंप मच गया है। गुरुवार को चीन रेनेसां कंपनी ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी कंपनी के चेयरमैन और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर बाओ फैन से उनका संपर्क नहीं हो पा रहा है। कंपनी के पास उनकी किसी तरह कोई जानकारी नहीं है।

बाओ के लापता होने की सूचना सार्वजनिक हुई तभी इससे कंपनी के शेयरों की कीमत 50% तक लुढ़क गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक बाओ से उनकी कंपनी के प्रेसिडेंट कोंग लिन के एक भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में महीनों से पूछताछ की जा रही थी। उनके परिवार वालों को भी यही जानकारी दी गई है।

दरअसल साल 2021 में शी जिनपिंग की सरकार ने चीन के

फाइनेंशियल सेक्टर में भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच शुरू कर दी थी। अब तक इस जांच की चपेट में देश की बड़ी कंपनियां आ चुकी हैं।

साल 2017 में चीन का बिलेनियर बिजनेसमैन शियाओ जिआनहुआ हांगकांग से लापता हो गया था। शियाओ को उनके होटल से चीन के सिक्योरिटी एजेंट्स उठा कर ले गए थे। इसके 5 पांच साल बाद सूचना मिली की वो चीन में हैं।

जहां सरकार ने उसे भ्रष्टाचार के आरोपों में 13 साल की सजा दी साथ ही उस पर 66 हजार करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया।

जहर देकर की थी मशहूर कवि पाब्लो नेरुदा की हत्या

मौत के 50 साल बाद वैज्ञानिकों की रिपोर्ट में खुलासा, 10 साल तक चली जांच

ओठावा, 17 फरवरी (एजेंसियां)। 1973 में जब नोबेल विजेता और मशहूर कवि पाब्लो नेरूदा की मौत हुई तो उसकी वजह कैंसर बताई गई थी। उसके 50 साल गुजरने के बाद अब इंटरनेशनल फोरेंसिक एक्पर्ट्स ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। बुधवार को तीन देशों कनाडा, डेनमार्क और चिली के फोरेंसिक एक्सपर्ट्स ने बताया कि पाब्लो नेरूदा की मौत कैंसर नहीं बल्कि जहर देने से हुई थी। इस नतीजे पर पहुंचने के लिए उन्होंने लगभग 10 साल जांच की है। ये रिपोर्ट चिली के जज को सौंपी गई है। इसमें बताया गया है कि नेरूदा की बॉडी में एक जहरीले किस्म का बैक्टिरिया मिला है, जो सामान्य रूप से किसी के शरीर में मौजूद नहीं रहता। ये मौत होने से पहले उनके शरीर में था।

नेरुदा की मौत की जांच करवाना चाहता है परिवार

चिली की जज पाओला प्लाजा ने सैंटिआगो में रिपोर्टर्स को बताया है कि उन्होंने अभी रिपोर्ट नहीं देखी है। उन्होंने कहा- वैज्ञानिकों ने जो रिपोर्ट सौंपी है वो काफी लंबी है। मेरे लिए इतना जल्दी उसे पढ़ना मुमकिन नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या रिपोर्ट के बाद पाब्लो नेरूदा की मौत का केस फिर से ओपन किया जाएगा, तो उन्होंने जवाब देने से इनकार कर दिया। हालांकि, इस

रिपोर्ट के आधार पर नेरूदा के रिश्तेदार उनकी मौत से जुड़े केस को फिर शुरू करवाना चाहते हैं।

1973 में जब चिली में तख्तापलट हुआ उस समय पाब्लो नेरूदा अस्पताल में भर्ती थे। उन्होंने उस दिन अपने ड्राइवर को कहा था कि वो देश छोड़कर मैक्सिको जाना चाहते हैं। नेरूदा ने यह कहकर ड्राइवर को घर से उनका सामना लाने के लिए भेज दिया, लेकिन देश छोड़ने से 5 घंटे पहले ही उनकी मौत हो गई। नेरूदा के भतीजे रोडोल्फ रेयेज का मानना है कि उनकी हत्या की गई थी।

नेरूदा चिली के सांसद, राजनयिक और नोबेल पुरस्कार विजेता कवि थे। उन्हें लैटिन अमेरिका के महानतम कवियों में से एक माना जाता है।1970 में वो चिली के वामपंथी आंदोलन के प्रमुख प्रवक्ता रहे। पाब्लो का जन्म 12 जुलाई, 1904 को दक्षिणी चिली के एक छोटे से कृषि समुदाय पैरल में हुआ था। वो वहीं पर पले बढ़े थे। उनकी माँ, एक स्कूल टीचर थीं, जो उनके पैदा होने के कुछ ही समय बाद ही मर गईं; उनके पिता एक रेलवे कर्मचारी थे। उन्हें नेरूदा का साहित्य में रुचि रखना बिल्कुल पसंद नहीं था। इसके बावजूद नेरूदा ने 13 साल की उम्र में ही कविता लिखना शुरू कर दिया था। नेरूदा ने अर्जेंटीना, मैक्सिको, स्पेन और फ्रांस सहित देशों में कई राजनयिक पदों पर कार्य किया।

हैकर्स का दावा: भारत समेत 30 देशों के चुनाव प्रभावित किए

इजराइली स्पेशल फोर्स में रह चुका हैकर्स का लीडर, सवाल-भारत में किसने इसकी सेवाएं ली

लंदन/नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। इजराइल के हैकर्स दुनियाभर में 30 से ज्यादा देशों में चुनावी धांधली कर रहे हैं। ये हैकर्स सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाते हैं। भारत समेत अमेरिका और ब्रिटेन में भी ये हैकर्स इसी तरह की धांधली कर रहे हैं। ब्रिटेन के अखबार 'द गार्डियन' की एक इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

गार्डियन रिपोर्ट के मुताबिक फेक न्यूज फैलाने वाले हैकर्स ग्रुप के लीडर का नाम ताल हनान है। वह इजराइल की स्पेशल फोर्स में रह चुका है। 50 साल का हनान पिछले 20 साल से जॉर्ज के फर्जी नाम से दुनियाभर के देशों में चुनावी धांधली और फेक न्यूज को अंजाम दे रहा है। उसके साथी 'टीम जॉर्ज' के कोडनेम से ऑपरेट करते हैं। इंटरनेशनल कन्सोर्टियम ऑफ जर्नलिस्ट्स के पास धांधली के फुटेज और डॉक्यूमेंट्स मौजूद हैं।

कांग्रेस बोली- भारत के चुनावों में भी इस्तेमाल हुआ, जांच कराएं

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा और सुप्रिया सुनेत ने गुरुवार को इस मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। खेड़ा ने कहा- टीम जॉर्ज वही काम करती है जो बीजेपी का आईटी सेल करता है। दोनों ही चुनाव प्रभावित करने के लिए फेक न्यूज फैलाते हैं। इसके लिए भाजपा फॉरेन हैकर्स के नेटवर्क का इस्तेमाल कर रही है। पेगासस मामले को सरकार ने दबा दिया था। क्या यह सच नहीं है कि भारत जोड़ो यात्रा को पांच महीने तक फेक न्यूज के जरिए निशाना बनाया गया।

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- भारत में 18 हजार सोशल मीडिया अकाउंट भाजपा के लिए फेक न्यूज फैला रहे हैं। भारत की डेमोक्रेसी को भाजपा ने हाईजैक कर लिया है। इजराइली एजेंसी यह काम कर रही है। अगर सरकार कुछ नहीं करती तो इसका मतलब ये हुआ कि वो चुनावी में दखलंदाजी के लिए खुद मदद चाहती है। पहले भी मोदी सरकार पर इसी तरह के आरोप लग चुके हैं।

मेल, सोशल मीडिया, वेबसाइट तक हैक कर सकते हैं

हैकर्स के लीडर जॉर्ज ने गार्डियन के अंडरकवर रिपोर्टर्स को बताया- हमारा काम गुपचुप तरीके से पब्लिक ओपिनियन को मैनिपुलेट या प्रभावित करना होता है। हम इंटेलिजेंस एजेंसियों के अलावा पॉलिटिकल कैम्पेन और प्राईवेट कंपनियों के लिए भी काम करते हैं। अफ्रीका, दक्षिण-मध्य अमेरिका के अलावा यूएसए और यूरोप में हमारा नेटवर्क है।

जॉर्ज की टीम के पास स्पेशल सॉफ्टवेयर पैकेज और मीडिया को प्रभावित करने वाले एप्रेटस हैं। ये टीम ट्विटर, लिंक्डइन, फेसबुक, टेलिग्राम, जीमेल, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर हजारों फेक सोशल मीडिया हैंडल ऑपरेट करती है।

जॉर्ज ने यह भी बताया कि उसने एक ब्लॉगर मशीन भी बनाई है। इसके जरिए वेबसाइट्स बनाई जा सकती है और इनसे सोशल मीडिया कंट्रोलिंग की जा सकती है, फेक न्यूज फैलाई जा सकती है।

इजराइल की डिफेंस मिनिस्ट्री ने प्रमोट की जॉर्ज की कंपनी

जानकारी के मुताबिक, ताल हनान उर्फ जॉर्ज 'डेमोमैन इंटरनेशनल' कंपनी रजिस्टर्ड करा चुका है। इस कंपनी को इजराइल की डिफेंस मिनिस्ट्री प्रमोट करती है। टीम जॉर्ज का खुलासा होने के बाद इजराइल का रक्षा मंत्रालय खामोश है। इस खुलासे के बाद ताल हनान उर्फ जॉर्ज ने भी चुप्पी साध ली। उसके भाई जोहर ने कहा- मैंने ताउम्र कानून के हिसाब से काम किया है।

द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक- अंडरकवर एजेंट्स ने जुलाई से दिसंबर 2022 के बीच इस इन्वेस्टिगेशन को अंजाम दिया। रेडियो फ्रांस, हेराट्स और द मार्कर के संवाददाता इसमें शामिल थे। ये लोग एक अफ्रीकी देश के नुमाइंदे बनकर हैकर्स से मिले, जहां सियासी अस्थिरता है। इन लोगों ने हैकर्स से कहा कि वे चुनावों को लंबे वक्त के लिए टलवाना चाहते हैं।

पत्रकारों और टीम जॉर्ज के बीच बातचीत वीडियो कॉल्स पर ही ज्यादा हुई। आमने-सामने सिर्फ एक मुलाकात जॉर्ज के ठिकाने पर हुई, जो इजराइल की राजधानी तेल अवीव से महज 20 किलोमीटर दूर है। इस दौरान ताल हनान उर्फ जॉर्ज ने पत्रकारों को बताया कि उसकी टीम 'गवर्नमेंट एजेंसीज ग्रेजुएट' है। उसके 6 देशों में दफ्तर हैं। मीटिंग में जॉर्ज के 4 सहयोगी शामिल थे। इनमें उसका भाई जोहर हनान भी शामिल था, जो खुद को कंपनी का चीफ एग्जीक्यूटिव बताता है।

मीटिंग के दौरान जॉर्ज ने कहा- फिलहाल, हम अफ्रीका के एक इलेक्शन के लिए काम कर रहे हैं। ग्रीस और यूएई में हमारी टीमें मौजूद हैं। हमने अब तक 33 प्रेसिडेंशियल लेवल कैम्पेन के लिए काम किया। 27 कामयाब रहे। अमेरिका में दो प्रोजेक्ट्स पर काम किया। हालांकि, वो ये भी कहता है कि अमेरिकी सियासत में सीधे तौर पर उनका कोई दखल नहीं है। रिपोर्ट कहती है कि जॉर्ज के दावों को वेरिफाई नहीं किया जा सका। हो सकता है कि बड़े दावे इसलिए कर रहा हो, ताकि क्लाइंट (जो पत्रकार थे) से मोटी रकम लेकर कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया जा सके।

कैम्ब्रिज एनालिटिका के एक प्रोजेक्ट के लिए उसने 4 से 6 लाख प्रति माह की डिमांड की थी। हालांकि, ये डील नहीं हो सकी। 2015 में उसने नाइजीरिया के इलेक्शन कैम्पेन में काम किया था। कैम्ब्रिज एनालिटिका के चीफ एलेक्जेंडर निक्स ने इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। जॉर्ज की टीम क्रिप्टो करंसी में भी डीलिंग के लिए तैयार थी। एक लीक ईमेल के मुताबिक- 2015 में हैकर्स ने एक ब्रिटिश कंसलटेंसी सर्विस 1 लाख 60 हजार डॉलर मांगे थे। यह डिमांड किसी लैटिन अमेरिकी फर्म के लिए काम करने के एवज में की गई थी।

जॉर्ज ने दावा किया कि बल्क मैसेज और प्रोपेगेंडा वाला एक बोट सॉफ्टवेयर टूल उसके पास मौजूद है और उसने 17 इलेक्शन्स में इनका इस्तेमाल किया है।

गो-तस्करी के शक में दो युवकों को जिंदा जलाया

परिवार बोला-पुलिस की मिलीभगत; विवाद के बाद समाज ने लिया अंतिम संस्कार का फैसला

भरतपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। गो-तस्करी के शक में राजस्थान के दो युवकों को जलाने का मामला अब गर्माता जा रहा है। हरियाणा के रेवाड़ी में जलाए गए युवकों को लेकर आज भरतपुर में समाज की पंचायत हुई। इसमें भरतपुर के कई गांवों के लोगों के साथ राजस्थान सरकार में राज्यमंत्री जाहिदा खान भी पहुंची। पंचायत में तय किया गया है मृतकों परिवारों को 20-20 लाख रुपए की मुआवजा राशि दी जाएगी। मंत्री ने बताया कि आज ही दोनों युवकों का अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। इससे पहले देर रात दोनों युवकों के शव जब घाटमीका (भरतपुर) गांव पहुंचे तो कोहराम मच गया। परिवार को रो-रोकर बुरा हाल है। आरोप है कि बुधवार सुबह हरियाणा पुलिस पुलिस ने जुनैद (35) और नासिर (28) की बोलेरो को टक्कर मारकर पकड़ा था। इसके बाद अधमरी हालत में उन्हें बजरंग दल के लोगों को सौंप दिया। इन्होंने गो-तस्करी के शक में दोनों को बोलेरो समेत जिंदा जला दिया। भिवानी के लोहारू गांव के नजदीक बुधवार रात को इनकी बॉडी मिली। आज गांव में सुबह करीब तीन घंटे तक अंतिम संस्कार और परिवार की मांगों को लेकर समाज की पंचायत हुई। पंचायत में राजस्थान सरकार में राज्यमंत्री जाहिदा खान और पीसीसी सदस्य व पूर्व प्रधान जलीस खान घाटमीका पहुंचे हैं। गांव में तनाव का माहौल है और तीन थानों की पुलिस को अलर्ट किया गया है। परिवार का दावा है कि घटना के वक्त फिरोजपुर-झिरका की क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की टीम मौजूद थी। दोनों को पहले बुरी तरह पीटा गया।

इसके बाद ये लोग जुनैद और नासिर को पुलिस स्टेशन ले गए। लेकिन पुलिस ने हालत देखकर हिरासत में लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद बोलेरो समेत जिंदा जलने की खबर आई।' वहीं, एक दावा यह भी किया जा रहा है कि जुनैद और नासिर को बजरंग दल के कुछ लोगों ने पीरूका गांव (गोपालगढ़, भरतपुर) से बुधवार सुबह मारपीट कर बोलेरो सहित ही किडनैप कर लिया था। इसके बाद उन्हें हरियाणा के भिवानी में लोहारू गांव के पास उन्हीं की बोलेरो में जिंदा जला दिया।

पुलिस बोली-आरोप झूठे

उधर, पुलिस ने परिवार के आरोपों को झूठा बताया है। फिरोजपुर झिरका के सीआईए इंचार्ज वीरेंद्र सिंह का कहना है कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। ना तो उन्होंने किसी आरोपी को पकड़ा और न ही बजरंग दल के लोगों को सौंपा। उनकी गाड़ी, स्टाफ और वह खुद उस दिन थाने में थे। उन्हें नहीं पता कि परिजन ऐसे आरोप क्यों लगा रहे है। दरअसल, भरतपुर का घाटमीका गांव हरियाणा बॉर्डर के नजदीक है। जुनैद के चचेरे भाई इस्माइल ने बुधवार को गोपालगढ़ थाना (भरतपुर) में दोनों के अपहरण और मारपीट का मामला दर्ज कराया था। भिवानी और राजस्थान के भरतपुर जिला की गोपालगढ़ पुलिस दोनों ही जांच में जुटी हैं। दोनों शवों की डीएनए जांच कराई जा रही है।

भाई के ससुराल से लौट रहे थे, बीच रास्ते में रोका

मृतक जुनैद के चचेरे भाई इस्माइल ने बताया, 'जुनैद और नासिर मंगलवार को भोरूबास सिकरी (भरतपुर) गांव गए थे। यहां उनके भाई की ससुराल है। रात में वहीं रुक गए थे। बुधवार सुबह घर आ रहे थे। रास्ते में दोनों को सीआईए की टीम और बजरंग दल वालों ने रोका। इनका नाम पूछा। इसके बाद दोनों को गाड़ी से खींचकर बाहर निकालने की कोशिश की गई।' इस्माइल ने बताया कि बजरंग दल वालों की वजह से इलाके में पहले ही दहशत फैली हुई है। इससे पहले नूंह (हरियाणा) में बजरंग दल वालों की कथित पिटाई से वारिस की मौत हो चुकी है।

दो युवकों को जलाने के मामले में बोले मोनू मानेसर

बजरंग दल ऐसे काम नहीं करती, हमें फंसाया जा रहा

भरतपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर वीडियो में हरियाणा के बजरंग दल कार्यकर्ता मोनू मानेसर ने घटना की निंदा की है। उसने कहा कि घटना से हमारा कोई लेना देना नहीं है। मोनू मानेसर ने कहा है कि जो आरोप हम पर लगाए गए हैं वो पूरी तरह निराधार हैं। जहां घटना हुई है, वहां पर बजरंग दल की कोई टीम नहीं गई थी। यह घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके पीछे चाहे कोई भी व्यक्ति हो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, जो भी दोषी हो उसे बख्शा नहीं जाए और उसमें मैं और मेरी बजरंग दल की टीम कोई भी इंवॉल्व नहीं है, जो भी इंवॉल्व है उन पर प्रशासन सख्त से सख्त कार्रवाई करें।

पुलिस का सहयोग करें

मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि पुलिस का सहयोग करें। मोनू ने कहा पुलिस का सहयोग करने के लिए हम तैयार हैं, लेकिन जो भी नाम दिए गए हैं वह बिल्कुल निराधार हैं। हमें साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। बजरंगदल इस तरह काम नहीं करती। हमारा काम केवल गौ हत्या और तस्करी को रोकना है। प्रशासन और पुलिस से कहना चाहते हैं कि जांच करके दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, हम पूरा सहयोग करेंगे।

नर कंकाल मामला : विहिप महासचिव बोले

राजनीतिक एजेंडे के तहत घसीटा जा रहा बजरंग दल का नाम, गहलोत सरकार माफी मांगे

भरतपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महासचिव डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा है कि हरियाणा के लोहारू में एक जली हुई गाड़ी में नर कंकालों का मिलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

यह आग किसी दुर्घटना में लगी है या किसी ने लगाई है, अभी इस पर जांच होनी बाकी है। गाड़ी राजस्थान की है परंतु कंकाल किसके हैं, यह भी अभी जांच का विषय है। मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा मिलनी ही चाहिए। यह हमारा का स्पष्ट मत है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के भरतपुर जिले के दो गौ तस्कर लापता हैं, जिन पर गौ तस्करी के अनेक मामले पहले से चल रहे हैं। एक तस्कर के भाई ने बजरंग दल के कुछ चर्चित नामों के बारे में संदेह व्यक्त किया है। ऐसा लगता है कि बिना प्रारंभिक जांच के राजस्थान पुलिस यह मान बैठी है कि उसके भाइयों द्वारा लिए गए नाम ही इस घटना के लिए जिम्मेदार हैं।

राजनीतिक एजेंडे के तौर पर लिया जा रहा बजरंग दल का नाम

दुर्भाग्य पूर्ण रूप से इस कांड में बजरंग दल का नाम अनावश्यक रूप से लिया जा रहा है। इस तरह के मामलों में राजस्थान सरकार की भूमिका वोट बैंक की राजनीति से हमेशा प्रभावित रही है, यह कई मामलों में पहले भी सिद्ध हो चुका है। एक राजनीतिक एजेंडे के तौर पर भी बजरंग दल का नाम अनावश्यक रूप से घसीटा जा रहा है, जिसे किसी भी तरह से उचित नहीं माना जा सकता।

सीबीआई जांच की मांग

राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त राजस्थान सरकार से न्याय की अपेक्षा वहां का समाज में नहीं करता। इसलिए विहिप की मांग है कि इस मामले की सीबीआई जांच हो। जांच पूरी होने तक किसी व्यक्ति को केवल इस आधार पर गिरफ्तार न किया जाए कि उसका नाम गौ तस्कर के भाई ने लिया है। जांच पूरी होने पर दोषियों को कठोर सजा हो। बजरंग दल का नाम अनावश्यक रूप से लेने की दोषी राजस्थान सरकार इस झूठे आरोप के लिए माफी मांगे।

चुनावी साल में मंत्रियों-आईएएस अफसरों में विवाद

पोषाहार घोटाले की जांच को लेकर ममता भूपेश ने अधिकारी से वापस लिया एडिशनल चार्ज

जयपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने में सिर्फ 9-10 महीने शेष हैं, लेकिन मंत्रियों और आईएएस अफसरों के बीच विवाद के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अभी विधानसभा सत्र चल रहा है, इसी बीच ऐसा ही एक और विवाद सामने आया है, जिसके किरदार हैं महिला व बाल विकास विभाग की मंत्री ममता भूपेश और आईएएस अफसर डॉ. समित शर्मा।

मंत्री भूपेश अपने विभाग के एक घोटाले की जांच को लेकर इतना नाराज हो गईं कि सचिव का काम देख रहे डॉ. समित शर्मा से विभाग का काम-काज हटवा दिया। विभाग का एडिशनल चार्ज किसी और आईएएस अफसर को देने के लिए कार्मिक विभाग को कह दिया। कार्मिक विभाग ने अब यह चार्ज सहकारिता विभाग की प्रमुख सचिव श्रेया गुहा को सौंप दिया है। इससे पहले एक जनवरी-2023 से यह कार्यभार डॉ. शर्मा संभाल रहे थे।

राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी के जानकार आईएएस अफसर रविशंकर श्रीवास्तव (रिटायर्ड) और एके सिंह (रिटायर्ड) का कहना है कि हर सरकार के कार्यकाल में अक्सर दो-चार मामले ऐसे सामने आते रहे हैं। यह पहली बार है कि किसी सरकार के कार्यकाल में 10 से ज्यादा बार मंत्रियों-आईएएस अफसरों के विवाद सामने आए हों। महिला व बाल विकास विभाग की ओर से प्रदेश भर में 28 लाख बच्चों को निःशुल्क पोषाहार वितरित किया जाता है। यह पोषाहार प्रदेश भर के 62,000 आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा दिया जाता है। इसके लिए राज्य व केंद्र सरकार ने मिलकर एक हजार करोड़ रुपए का बजट जारी किया हुआ है। जनवरी-23 में धौलपुर के कलेक्टर अनिल कुमार जैन ने विभाग के सचिव डॉ. समित शर्मा को बताया कि बहुत से केंद्रों पर पोषाहार के तहत 25-30 प्रतिशत सामग्री ही पहुंच रही है, जबकि भुगतान 100 प्रतिशत सामग्री का उठाया जा रहा है। कलेक्टर जैन ने मामले की जांच की और बहुत से सरकारी कर्मियों को इस घोटाले के लिए जिम्मेदार ठहराया।

अजमेर में गैस टैंकर-ट्रेलर में भिड़ंत, 4 जिंदा जले

अजमेर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। अजमेर के नेशनल हाईवे-8 पर रानी बाग रिसॉर्ट के पास गुरुवार देर रात 12:30 बजे के करीब गैस टैंकर और ट्रेलर में भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि आसपास के 500 मीटर का क्षेत्र आग का गोला बन गया। चार लोग मौके पर ही जिंदा जल गए, इनमें से तीन की वहीं मौत हो गई। इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह एक और घायल की मौत हो गई। इस तरह इस हादसे में अब तक चार लोगों की जान चली गई है। हाईवे से गुजर रहे दो ट्रक समेत कई दोपहिया भी आग की चपेट में आ गए। आग लगने के बाद तेज धमाके भी होते रहे। हादसे में गैस टैंकर और मार्बल ब्लॉक लेकर जा रहे ट्रेलर के ड्राइवर जिंदा जल गए। इनमें से पाली के गांव सिरमा के रहने वाले लूम सिंह पुत्र गुमान सिंह (38) एचपी गैस टैंकर के चालक थे। 4 लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

लॉरेंस के भाई ने जोधपुर में बनाया गैंगस्टर का नेटवर्क

कनाडा के गैंगस्टर से था कॉन्टैक्ट; खास शूटर को वॉट्सऐप की मदद से पकड़ा

जोधपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर पुलिस ने बुधवार को सरपंच समेत पांच लोगों की हत्या का प्लान बनाने वाले 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया था। इस प्लानिंग का मास्टर माइंड उम्मेद सिंह था। जो खुद फौज से रिटायर्ड होने के बाद लॉरेंस की गैंग से जुड़ गया। सरपंच को मारने के लिए चार शार्प शूटर को हायर किया गया था। खास बात यह है कि पुलिस ने इन आरोपियों को वॉट्सऐप की मदद से पकड़ा।

इस मामले में जोधपुर पुलिस ने गुरुवार को चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पुलिस उम्मेद सिंह को लेकर उसके गांव शेरगढ़ चाबा पहुंची। यहां उसकी निशानदेही पर छापा मारा तो उसके कमरे से बड़ी मात्रा में नकली नोट मिले। बताया जा रहा है पुलिस को उम्मेद सिंह के कमरे से लाइट मशीन गन की कार्टेज भी मिली है। ये मामला सामने आने के बाद जब भास्कर ने लॉरेंस के भाई के नेटवर्क और हत्या के प्लानिंग की पड़ताल की तो सामने आया कि ये लोग जोधपुर समेत पूरे राजस्थान के कई शहरों में दहशत फैलाना चाहते थे। इस हत्या के बाद से ये मैसेज देने की कोशिश करना चाह रहे थे कि लॉरेंस की गैंग अब भी एक्टिव है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार इस पूरी वारदात और उम्मेद सिंह का कनेक्शन लॉरेंस से निकला है। सामने आया कि लॉरेंस के जेल जाने के बाद उसका छोटा भाई अनमोल जोधपुर में इस नेटवर्क को देख रहा था। सरपंच की हत्या की प्लानिंग में भी उम्मेद सिंह लगातार अनमोल के कॉन्टैक्ट में था। सरपंच को मारने के लिए एमपी से हथियार खरीदे गए थे। इन हथियारों को लेकर भी बड़ा खुलासा हुआ है। उम्मेद सिंह के घर जिन हथियार (लाइट मशीन गन) के कारतूस मिले हैं, ये गन आमतौर पर आर्मी में काम में ली जाती है। इधर, सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में भी ये सामने आया था कि सिंग की हत्या के लिए हथियार जोधपुर से भेजे गए थे। ऐसे में जोधपुर पुलिस पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। इतना ही नहीं उम्मेद सिंह अनमोल के जरिए रोहित गोदारा और रितिक बॉक्सर के कॉन्टैक्ट में आया। ये वे ही बदमाश हैं, जिनका नाम जयपुर के जी क्लब में हुई फायरिंग में भी सामने आया था। बताया जा रहा है कि अनमोल उम्मेद सिंह को अपने साथ जोड़ एक बार फिर से लॉरेंस के नाम का डर दिखाना चाहता था। सरपंच की हत्या की भी प्लानिंग भी अनमोल की थी।

पंजाब के गैंगस्टर की तरह हथियार

उम्मेद के घर से एलएमजी और 32 बोर के कारतूस भी बरामद हुए हैं। एलएमजी के कारतूस मिलने से पुलिस को एके- 47 होने का अंदेशा भी था। इसके लिए उसके घर के आंगन में जेसीबी से खुदाई भी करवाई गई।

पुलिस को उसके कमरे से 58 लाइट मशीन गन के कार्टेज व 32 बोर के 3 कार्टेज मिले हैं। एलएमजी के कार्टेज से पंजाब के गैंगस्टर के लेवल के हथियार होने की आशंका पुलिस को थी।

जयपुर में दोस्ती कर युवती से रेप, शादी का वादा कर किया दुष्कर्म

2 साल तक लिव-इन-रिलेशनशिप में रखा

जयपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में दोस्ती कर एक युवती से रेप का मामला सामने आया है। शादी का झांसा देकर आरोपी ने उसे लिव-इन-रिलेशनशिप में रखा। दो साल तक झांसा देकर आरोपी उसके साथ देहशोषण करता रहा। ब्लैकमेल कर जान से मारने की धमकी देने लगा। सांगानेर सदर थाने में पीड़िता ने मामला दर्ज करवाया है।

एसआई आशुतोष ने बताया- सीकर निवासी 27 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। कुछ सालों पहले उसकी श्रवण से मुलाकात हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी ने उससे दोस्ती कर ली। प्यार में फांस कर सांगानेर सदर इलाके में दोनों लिव-इन-रिलेशनशिप में रहने लगे। शादी का वादा कर आरोपी ने उसके साथ रेप किया।

पिछले करीब 2 साल से आरोपी शादी करने का झांसा देकर लगातार देहशोषण करता रहा। जिसके बाद अब उसे छोड़कर चला गया। कॉन्टैक्ट करने पर ब्लैकमेल कर जान से मारने की धमकी दी। धोखे का पता चलने पर पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर रेप का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बूंदी में बैंक ऑफ बड़ौदा की बांसी शाखा में लगी आग-सीसीटीवी कैमरे, प्रिंटर और दस्तावेज जले

बूंदी, 17 फरवरी (एजेंसियां)। बूंदी जिले के देई थाना क्षेत्र के बांसी स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में शॉर्ट सर्किट से आग लगने का मामला सामने आया है। यहां आग लगने से बैंक का सीसीटीवी कैमरा सिस्टम, प्रिंटर व अन्य दस्तावेज जलकर खाक हो गए। बैंक में आग लगने की जानकारी गुरुवार सुबह उस वक्त लगी जब सफाई कर्मी बैंक पहुंचा। इस पर उसने तत्काल बैंक मैनेजर को इसकी सूचना दी। बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा बांसी के ब्रांच मैनेजर महावीर पंकज ने बताया कि बुधवार को अन्य दिनों की तरह ब्रांच का काम खत्म करके घर लौटे थे। गुरुवार सुबह 6:45 बजे सफाई स्टाफ बैंक पहुंचे तो वहां जलने की गंध महसूस हुई, इसपर उन्होंने बैंक का शटर खोला तो अंदर धुआं भरा हुआ था।

इसके बाद उसने ब्रांच मैनेजर को आग लगने की सूचना दी। सूचना पर ब्रांच मैनेजर भी मौके पर पहुंचे और बैंक के खिड़की दरवाजे खोले। सूचना पर फायर ब्रिगेड और देई थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की मदद से आग को बुझाया गया। आग शॉर्ट सर्किट के कारण ही लगी है। ब्रांच मैनेजर महावीर पंकज ने बताया कि सीसीटीवी कैमरा, मय डिस्प्ले, प्रिंटर सहित अन्य दस्तावेज जल गए हैं। दीवारें पूरी काली पड़ चुकी हैं, लाइट और पंखे क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। आग लगने की सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी है। फिलहाल, बैंक का काम ठप है। सिक्योरिटी टीम आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोदी सरकार ने अडानी को पहुंचाया फायदा, जेपीसी बनाने से डर रहा केंद्र : गौरव वल्लभ

जयपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। एआईसीसी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा- देश के लोग जानना चाहते हैं कि विदेशी शेल कंपनियों से भारत आने वाले काले धन का असली मालिक कौन है? कैसे एक संदिग्ध साख वाला समूह, जिस पर टैक्स हेवन देशों से संचालित विदेशी शेल कंपनियों से संबंधों का आरोप है, भारत की संपत्तियों पर एकाधिपत्य स्थापित कर रहा है और इस सब पर सरकारी एजेंसियां या तो कोई कार्रवाई नहीं कर रही हैं या इन सब संदिग्ध गतिविधियों को ही सुगम बनाने में जुटी हैं। देश जानना चाहता हैं कि प्रधानमंत्री ने एक मित्र पूंजीपति को विश्व के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बनाने में मदद क्यों की और वे इस गंभीर अंतर्राष्ट्रीय खुलासे पर चुप क्यों हैं?

संसद में कांग्रेस की आवाज दबाई जा रही, तो जनता में उठा रहे मुद्दा

गौरव वल्लभ ने पीसीसी में मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और कांग्रेस नेता आरसी चौधरी के साथ शुक्रवार को प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा- एआईसीसी देशभर के राज्यों में इस मुद्दे को उठा रही है क्योंकि संसद में कांग्रेस सांसदों, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के सवालों का जवाब केंद्र सरकार नहीं दे रही है। कांग्रेस सांसदों के आरोपों को संसदीय कार्यवाही से हटा दिया जाता है। लेकिन इससे ये सवाल दबेंगे नहीं, हम जनता के बीच सवाल उठा रहे हैं। गौरव वल्लभ बोले- हम किसी व्यक्ति के दुनिया के अमीरों की सूची में 609 वें से दूसरे स्थान पर पहुँचने के ख़िलाफ़ नहीं हैं।

लेकिन हम निस्संदेह सरकार की ओर से प्रायोजित निजी एकाधिकारों के ख़िलाफ़ हैं, क्योंकि वे जनता के हितों के खिलाफ होते हैं। हम मोनोपॉली के खिलाफ हैं। विशेष तौर पर हम टैक्स हेवन देशों से आपत्तिजनक संबंधों धोखाधड़ी और भ्रष्टाचारके आरोपों से घिरे एक ख़ास व्यक्ति द्वारा हमारी अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना और राष्ट्रीय संसाधनों का फायदा उठाते हुए मोनोपॉली स्थापित करने के ख़िलाफ़ हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रोफेसर गौरव वल्लभ ने कहा- हम जानना चाहते हैं कि मोदी सरकार इस मुद्दे पर जाँच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाने से क्यों डर रही है , जबकि संसद के दोनों सदनों में उसका अच्छा बहुमत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता में आने से पहले काला धन भारत वापस लाने और हर नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपए डालने का वादा किया था। लेकिन सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत है।

दूल्हा दाढ़ी में आया तो लौटा दी जाएगी बारात

कुमावत समाज के लोग वापस लौटा देंगे बारात, युवाओं ने शुरू किया विरोध

सवाई माधोपुर, 17 फरवरी (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर में लड़कों को शादी करनी है तो अब दाढ़ी पूरी कटवानी होगी। बड़ी दाढ़ी के साथ बारात लेकर आए तो वापस लौटा दिया जाएगा। कुमावत समाज का दावा है कि पश्चिमी सभ्यता के बढ़ते प्रभाव को रोकने और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह फैसला किया है। दरअसल, चौथ का बरवाड़ा में 5 मई (पीपल पूर्णिमा) को कुमावत समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन है। सम्मेलन की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। इससे पहले समाज के लोगों ने बैठक कर दूल्हों के सामने शादी में क्लीन शेव होने की शर्त रख दी। इसका जयपुर, टोंक, सवाईमाधोपुर से भी आए लोगों ने समर्थन किया।

अध्यक्ष बोले- फैशन के चक्कर संस्कृति भूले युवा

समाज की धर्मशाला समिति के अध्यक्ष भंवरलाल ने बताया कि सप्ताह भर पहले शंकरलाल सुकड़ीवाल की अध्यक्षता में सम्मेलन को लेकर बैठक की गई थी। समाज के लोगों का कहना था कि फैशन के चक्कर में आज का युवा अपनी संस्कृति को भूलता जा रहा है। लड़के भी बड़ी-बड़ी दाढ़ी, मूंछे, फ्रेंच कट और न जाने कितने अलग स्टाइल में दाढ़ी रखने लगे हैं। पहले के समय में जब शादी होती थी, तब दूल्हा क्लीन शेव ही होता था।

अध्यक्ष ने कहा कि कुछ समय से युवा लड़कों में दाढ़ी रखने का फैशन चला है। इसमें पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव देखने को मिलता है। अपनी शादी के दौरान भी लड़के बड़ी दाढ़ी रखते हैं। अपनी संस्कृति को बनाए रखने के लिए समाज के लड़कों के सामने शादी के लिए एक शर्त रखी गई है।

दाढ़ी वाले दूल्हे की नो एंट्री

अध्यक्ष ने कहा कि समाज का मई में सामूहिक विवाह सम्मेलन होगा। सम्मेलन में आने वाले दूल्हों का क्लीन शेव होना जरूरी होगा। दूल्हा दाढ़ी रखकर सम्मेलन में आता है तो उसे एंट्री नहीं दी जाएगी। ये सामूहिक रूप से फैसला लिया गया है।

फैसले का युवाओं ने किया विरोध

इधर, समाज के इस फैसले का युवाओं ने विरोध किया है। नाम नहीं छापने की शर्त पर युवाओं ने कहा कि ऐसा फैसला उनकी आजादी के खिलाफ है। शादी जीवन का बड़ा लम्हा होता है, इसमें दूल्हे अपनी पंसद के कपड़े, जूते, सेहरा पहनता है। बदलते ट्रेंड के साथ शादियां भी थीम बेस्ड होने लगी हैं। ऐसे में इस तरीके की पाबंदी लगाना गलत है। चौथ का बरवाड़ा में होने वाले सम्मेलन के लिए अब तक 11 जोड़ों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है।

सवाई माधोपुर में पहली बार ऐसी शादी

सवाई माधोपुर जिले में ऐसा पहला मामला होगा, जिसमें क्लीन शेव दूल्हों को ही शादी में एंट्री मिलेगी। हालांकि कुमावत समाज का इस तरीके का फैसला राजस्थान के अलग-अलग जिलों में देखा गया है। करीब 8 महीने पहले पाली के खेड़ा गांव में ही समाज ने ऐसा ही फैसला लिया था।

'हैदराबाद मुक्ति आंदोलन के स्वतंत्रता सेनानी' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय एवं स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच के तत्वावधान में महर्षि दयानंद सरस्वती की द्विशताब्दी जयंती तथा हैदराबाद मुक्ति दिवस के अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में 'हैदराबाद मुक्ति आंदोलन के स्वतंत्रता सेनानी' विषयक एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी उस्मानिया विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज में आयोजित की गई। 600 से अधिक श्रोताओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ताओं की वाणी से आर्ट्स कॉलेज गूंज उठा।

उन्होंने निज़ाम के निरंकुश शासन और हैदराबाद मुक्ति आंदोलन में भाग ले चुके स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया और श्रद्धा सुमन अर्पित किये। संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रो. चिंता गणेश (अध्यक्ष सामाजिक विज्ञान विभाग एवं आचार्य, आर्ट्स कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय) द्वारा दीप प्रज्वलन तथा संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वेद मंत्रों से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। व्यास पीठ पर मुख्य अतिथि डॉ. महेंद्र गोशाल, प्राचार्य, होम्योपैथिक महाविद्यालय, बीड, महाराष्ट्र, डॉ. केशवनारायण वेदालंकार, सेवानिवृत प्राचार्य, उविवि तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रतिभा गांधी, श्रीमती रश्मि द्विवेदी (दोनों बहने टोरंटो कनाडा), प्रो. चन्द्रदेव कवड़े, औरंगाबाद महाराष्ट्र, डॉ. चन्द्र शेखर लोखंडे, लातूर महाराष्ट्र, डॉ. विद्यानंद आर्य, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, डॉ. माया देवी वाघमारे, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, डॉ. नम्रता बागड़े, अध्यक्ष, मराठी विभाग एवं डॉ. लिंगप्पा गोनल, अध्यक्ष, कन्नड़ विभाग, भक्त राम, अध्यक्ष एवं श्रुतिकांत भारती, मंत्री, स्वतंत्रता सेनानी पण्डित गंगाराम स्मारक मंच विराजमान थे। समारोह का बीज व्याख्यान प्रो. टी. केशवनारायण वेदालंकार ने प्रस्तुत किया। अध्यक्ष स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच भक्तराम ने समारोह को पंडित गंगाराम वानप्रस्थी जी के विस्तृत जीवन के इतिहास के पन्नों में ना आने तथा गुमनाम होने की पीड़ा को बताया। मंत्री श्रुतिकांत भारती ने उस्मानिया विश्वविद्यालय में कार्यक्रम को अयोजित करने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि, निज़ाम राज्य के समय, जितने भी स्वतंत्रता सेनानी थे, इसी विश्वविद्यालय से अपनी पढ़ाई की थी एवं उस समय पूरे राज्य में एक ही विश्वविद्यालय था और वह भी उर्दू माध्यम से पढ़ाई होती थी। इस कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा हमने कर्नाटक, महाराष्ट्र व तेलेंगाने के स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार से मिलने 2-3 दिन भ्रमण कर जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा प्राप्त शोध पत्रों को भी पुस्तक रूप में प्रकाशित करने की जानकारी दी। उद्घाटन समारोह के पश्चात चार सत्र आयोजित किये गये, जिसमें कई विद्वानों ने अपना प्रपत्र वाचन किया।

शिवरामपल्ली स्थित रामदेवरा दरबार में सोनी वर्मा द्वारा माताजी की चौकी तथा जागरण का आयोजन हुआ, जिसमें भक्तों ने बढ़ चढकर भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. आशीष सोनी, डॉ. पुनीत सोनी, श्याम गिलडा, समाजसेवी धर्माराम ढाका, प्रदीप मुखर्जी, अनंतराम, ठाकुर राजेश, मोहन देशमुख, रेणु सोनी, अरविंद शर्मा, सुरेश महाराज, बनवारी, राकेश महाराज व अन्य उपस्थित रहे।

गुजराती वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों की खुशी को सर्वोच्च प्राथमिकता : जिग्नेश

बैठक में सोसायटी के विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन पर चर्चा

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती वेलफेयर सोसायटी, हैदराबाद की विशेष बैठक कोठी स्थित अपने नये कार्यालय भवन में आयोजित की गई। अध्यक्ष जिग्नेश दोशी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सोसायटी द्वारा अपने सदस्यों के लिए आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की गई। अध्यक्ष श्री दोशी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सोसायटी द्वारा अपने सभी सम्माननीय सदस्यों के लिए गोवा यात्रा का आयोजित किया जाएगा। जैसे हाल ही में सोसायटी के अपने सभी वयोवृद्ध सदस्यों के लिए जगन्नाथ पुरी की यात्रा का आयोजन किया था और इसका लाभ लगभग 100 वयोवृद्ध सदस्यों ने उठाया था, उसी प्रकार गोवा की यात्रा में युवा सदस्यों की खुशी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सोसायटी के लिए उसके सदस्यों की खुशी सर्वोपरि है। इसलिए उन्होंने अध्यक्ष के रूप में हमेशा अपने युवा, महिला, वृद्ध सदस्यों की स्वास्थ्य सुरक्षा व खुशी को प्रधानता दी है। इस अवसर पर 12 मार्च को अपने महिला सदस्याओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस भव्यता से मनाये जाने का निर्णय लिया गया। इस पर उपस्थित महिला सदस्याओं ने प्रसन्नता जताई। बैठक के दौरान गोवा यात्रा के संबंधित प्रचार सामग्री का लोकार्पण भी किया गया। बैठक में अध्यक्ष के अलावा सह सचिव योगेश तुरखिया, कोषाध्यक्ष हेतल सामाणी, जनकभाई ब्रह्मभट्ट, केतन मोमानी, राकेश सावडिया व समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेजों के मुद्दे पर हरीश राव ने बीजेपी सरकार पर साधा निशाना

कहा, राज्य के फंड से दो जिलों में स्थापित होंगे सरकारी मेडिकल कॉलेज

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर और खम्मम जिलों के लिए मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी नहीं देने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भारी पड़ते हुए, स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना सरकार इस साल राज्य के फंड से दो जिलों में सरकारी मेडिकल कॉलेज स्थापित करेगी। यह कहते हुए कि करीमनगर और खम्मम में मौजूदा कॉलेज निजी संस्थान हैं, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार दो जिलों में सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए अनुरोध कर रही थी। उन्होंने केंद्र सरकार से पूछा कि दोनों जिलों के लिए सरकारी कॉलेज क्यों नहीं स्वीकृत किए गए। क्या यह तेलंगाना के प्रति भेदभाव नहीं है। क्या करीमनगर और खम्मम भारत का हिस्सा नहीं हैं?

करीमनगर और खम्मम के लोग मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी देने में विफल रहने के लिए भाजपा को एक उपयुक्त सबक सिखाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के भेदभाव के कारण तेलंगाना अब नर्सिंग कॉलेजों को भी खो रहा है। उन्होंने शुक्रवार को गजवेल में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार कॉलेजों को मंजूरी देने पर अड़ी हुई है और लोगों को भगवा पार्टी की अवसरवादी राजनीति का अवलोकन करना चाहिए। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भाजपा सरकार की विफलताओं को ढंकने और तेलंगाना सरकार की खराब छवि पेश करने के लिए भी दोषी पाया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुरुवार को शहर में एक कार्यक्रम के दौरान टिप्पणी की थी कि तेलंगाना का कर्ज काफी बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एफआरबीएम नियमों के अनुसार ऋण प्राप्त कर रही थी और धन का उपयोग परियोजनाओं के निर्माण और विभिन्न विकास कार्यों को क्रियान्वित करने के लिए किया जा रहा था। इसके उलट भाजपा सरकार पर लाखों करोड़ों का कर्ज चढ़ गया है और कोई बड़ा विकास कार्य नहीं हुआ। मंत्री ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने राज्य विधानसभा में तथ्यों और आंकड़ों के साथ केंद्र सरकार के प्रदर्शन को उजागर किया है।

ब्रेन डैमेजिंग हैबिट्स से दूर रहें, वर्ना खतरे में पड़ेगी जान : डॉ. केएस उपाध्याय

मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाने वाली सात सबसे बड़ी आदतों से बचाव जरूरी

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अनियमित दिनचर्या कई बीमारियों को बिन बुलाए मेहमान की तरह आमंत्रित कर रही है। आए दिन ब्रेन डैमेजिंग, हार्टअटैक के लोग शिकार हो रहे है। समय-समय पर स्वास्थ्य संगठनों, डॉक्टर एसोसिएशन, चिकित्स लोगों को विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए सुझाव दे रहे है। लोग इन सुझावों को गंभीरता से नहीं ले रहे है। मुंबई के एक हॉपस्टिल के प्रख्यात चिकित्सक डॉ उपाध्याय ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाने वाली सात सबसे बड़ी आदतों की सूची बनाई है। बेहतर होगा कि लोग ब्रेन स्ट्रोक के इन कारणों पर ध्यान दें

और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। इनमें नाश्ता न करना, रात को देर से सोना, चीनी का अधिक सेवन, विशेष रूप से सुबह अधिक सोना, टीवी या कंप्यूटर देखते हुए भोजन करना, सोते समय टोपी/दुपट्टा या मोज़े पहनना और मूत्र को रोकने/झुकने की आदत मस्तिष्क क्षति का कारण बनते हैं। इन आदतों से बचना होगा। वर्ना लोगों की जान खतरें में पड़ेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हाल ही में एक नया शोध किया था और औसत स्वास्थ्य गुणवत्ता, जीवन प्रत्याशा पर एक दिलचस्प घोषणा की थी। मानव आयु पर एक नया मानदंड परिभाषित किया। नया मानदंड मानव आयु मानदंड को 0 से 17 वर्ष: कम आयु, 18 से 65 वर्ष: युवा या युवा लोग, 66 से 79 वर्ष : मध्यम आयु वर्ग, 80 से 99 वर्ष: बुजुर्ग या वरिष्ठ; और 100 प्लस लंबे समय तक जीवित रहने वाले बुजुर्ग की श्रेणी परिभाषित किया है।

सीआईआई और मास्टरकार्ड की परियोजना उद्यमियों को बनाती है डिजिटल

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और मास्टरकार्ड अपने अद्वितीय डिजिटल सशक्तिकरण कार्यक्रम, डिजिटल सक्षम के माध्यम से भारत के आठ राज्यों, 29 जिलों में 300,000 सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) को सक्षम बना रहे हैं। तेलंगाना में, डिजिटल सक्षम का लक्ष्य 5,000 सूक्ष्म उद्यमों को डिजिटल अर्थव्यवस्था में एकीकृत करने में सक्षम बनाना है। कोविद -19 के उद्भव के साथ, व्यवसायों के लिए व्यवसाय में बने रहने के लिए डिजिटलीकरण करना महत्वपूर्ण हो गया और कई छोटे व्यवसाय डिजिटलीकरण के माध्यम से डिजिटलीकरण और लाभ के लिए संघर्ष कर रहे थे। 2020 में लॉन्च किया गया डिजिटल सक्षम, डिजिटलीकरण की मूल बातें, साइबर सुरक्षा के महत्व, लेखांकन और बहीखाता पद्धति और बाजार लिंकेज के लिए ऑनलाइन टूल को कवर करने वाले अपने व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से डिजिटलीकरण के लिए छोटे व्यवसायों को संभालने और समर्थन करने के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में अनुकूलित प्रशिक्षण प्रदान करता है।

वेमुलावाड़ा मंदिर के भक्तों के लिए पार्षद ने भेजी दवा व मेडिकल किट

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय के निर्देश पर आज जामबाग डिवीजन के पार्षद राकेश जायसवाल ने वेमुलावाड़ा में श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर के लिए भाजपा डॉक्टर सेल के सहयोग से भक्तों की चिकित्सा तथा आपात स्थिति के लिए दवाओं और मेडिकल किट के साथ मुफ्त एम्बुलेंस सेवा को झंडी दिखाकर रवाना किया। तीन दिवसीय वार्षिक मेला शुक्रवार से शुरू हो रहा है और भक्तों ने अपने प्रिय भगवान की जतारा में भाग लेने के लिए मंदिर में पहुंचना शुरू कर दिया है। इस अवसर पर बीजेपी नेता डॉ. सुरेंद्र, वाई कृष्णा, राजशेखर, मयूर कालेकर, रामकृष्ण शामिल रहे।

सिकंदराबाद छावनी परिषद के सीईओ मधुकर नाइक, चुनाव प्रभारी परशुराम, सदस्य जे. रामकृष्णा ने परिषद के खेल प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में ग्रीष्मकालीन खेल शिविरों के आयोजन के संदर्भ में चर्चा की।

नेहरू के इतिहास को छिपाने की कोशिश कर रही है भाजपा : वीएच

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष वी. हनुमंत राव ने कहा कि केंद्र सरकार नेहरू के इतिहास को छिपाने की कोशिश कर रही है। बीजेपी नेता वीर सावरकर का प्रचार कर रहे हैं। वीर सावरकर ने अंग्रेजों का सहयोग किया था तथा वे स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजों के साथ शामिल हो गए थे। वीर सावरकर ने अंग्रेजों के एजेंट के रूप में काम किया और वीर सावरकर देशभक्त हैं, जबकि नेहरू देशभक्त नहीं है। वीएच ने कहा कि देश के इतिहास को बदलने की कोशिश कर रही भाजपा की साजिशों को लोगों के बीच ले जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष का यह कहना गलत है कि टीपू सुल्तान के वंशजों को देश से निकाल देना चाहिए। यह कहना सही नहीं है कि देश में सिर्फ राम की पूजा करने वाले ही होने चाहिए। टीपू सुल्तान के बारे में बात करने वाले सिद्धारमैया की पुष्टि करने के लिए कर्नाटक के मंत्री क्या कह रहे हैं। भाजपा देश में सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं का निजीकरण करने और आरक्षण हटाने की साजिश कर रही है। उन्होंने पूछा कि भाजपा नेता अडानी के बारे में बात क्यों नहीं करते? इस अवसर पर यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एसपी क्रांति कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत शांति यात्रा जारी

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की हिमायत नगर शाखा की ओर से शिवरात्रि के उपलक्ष्य में 12 फ़रवरी रविवार से अनेक स्थानों पर शांति यात्रा की जा रही है। इस यात्रा में हिमायत नगर, बशीरबाग, दोमलगुडा, गगन महल, आदर्श नगर, हैदरगुड़ा, पब्लिक गार्डन आदि स्थानों में यात्रा की गई है। इस यात्रा में शिवजी की सुंदर झांकी सजाई गई है। भक्त लोग उमड़ उमड़ कर शिवजी का दर्शन, पूजा आदि कर रहें हैं। सबका 18 फ़रवरी को ए.वी. कॉलेज के पास लगाए हुए सुंदर व भव्य पंडाल में स्वागत है। यहाँ 20 फीट के शिवलिंग की स्थापना होगी। शिवरात्रि के वास्तविक अर्थ व उपवास जागरण आदि विधियों के पीछे का आध्यात्मिक रहस्य भी समझाया जाएगा। इसमें 18 फ़रवरी शाम को स्थानीय विधायक मूटा गोपाल पधार रहें हैं। इस त्यौहार के बाद 19, 20 और 21 फ़रवरी को सुबह शाम 6:30 से 7:30 निःशुल्क राजयोग शिविर हिमायत नगर ब्रह्माकुमारी केंद्र में होने वाला है।

शिवरात्रि के उपलक्ष्य में भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा महा शिवरात्रि के उपलक्ष्य में सागर अपार्टमेंट, हिमायात नगर पर श्वेता खंडेलवाल के निवास स्थान पर भजन कीर्तन किया गया। अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने उक्त जानकारी देते हुए कहा 18 फ़रवरी के भगवान शिव और माता पार्वती को हम सब की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की। अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, रीता अग्रवाल, रितु गोयल , स्मिता शाह , श्रद्धा सुखिया आदि उपस्थित थे।

दमरे ने गर्मियों के लिए विशेष ट्रेनों की सेवा बढाई

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को क्लियर करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनों का परिचालन बढ़ाया है।

ट्रेन संख्या 07605 (तिरुपति-अकोला) केवल 17 मार्च से 26 मई तक शुक्रवार को, ट्रेन नंबर 07606 (अकोला-तिरुपति) रविवार 19 मार्च से 28 मई तक, ट्रेन नंबर 07607 (पूर्णा-तिरुपति) सोमवार को 20 मार्च से 29 मई तक, 21 मार्च से 30 मई तक मंगलवार को ट्रेन नंबर 07608 (तिरुपति-पूर्णा), ट्रेन नंबर 07631 (हैदराबाद-नरसापुर) शनिवार को 18 से 27 मई तक, 19 मार्च से 28 मई रविवार को ट्रेन नंबर 07632 (नरसापुर-हैदराबाद), ट्रेन नंबर 07643 (हैदराबाद-तिरुपति) सोमवार को 20 मार्च से 29 मई तक तक सेवा देगी। इसी क्रम में 21 मार्च से 30 मई तक मंगलवार को ट्रेन नंबर 07644 (तिरुपति-हैदराबाद), ट्रेन नंबर 07698 (विजयवाड़ा-नगरसोल) शुक्रवार 17 मार्च से 26 मई तक, ट्रेन नंबर 07699 (नागरसोल-विजयवाड़ा) शनिवार 18 मार्च से 27 मई तक, 10 मार्च से 31 मई तक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार को ट्रेन नंबर 07445 (काकीनाडा टाउन-लिंगमपल्ली) चलेगी। 11 मार्च से 1 जून तक मंगलवार, गुरुवार, शनिवार को ट्रेन नंबर 07446 (लिंगमपल्ली-काकीनाडा टाउन), 19 मार्च से 28 मई रविवार को ट्रेन नंबर 07185 (मचिलीपट्टनम-सिकंदराबाद), 19 मार्च से 28 मई तक रविवार को ट्रेन नंबर 07186 (सिकंदराबाद-मछलीपट्टनम), 19 मार्च से 28 मई तक रविवार को ट्रेन नंबर 07481 (तिरुपति-सिकंदराबाद), ट्रेन नंबर 07482 (सिकंदराबाद-तिरुपति) सोमवार को 20 मार्च से 29 मई तक, ट्रेन संख्या 07095 (मछलीपट्टनम-तिरुपति) 10 मार्च से 31 मई (एनएसएस) रविवार, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को अपनी सेवा जारी रखेगी।

बीआरएस मुखिया तथा मुख्यमंत्री केसीआर के जन्मदिन पर गोशामहल विस क्षेत्र के वरिष्ठ नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल ने सीएम की लंबी उम्र व अच्छे स्वास्थ्य के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर में विशेष पूजा की। इस अवसर पर पूर्व पार्षद श्रीमती परमेश्वरी सिंह, अनीता, शैलेश कुरमा भी उपस्थित रेह।

सीएम केसीआर के जन्मदिन पर बोइनपल्ली मार्केट यार्ड में एग्रीकल्चर मार्केट कमेटी एडवाजरी बेर्ड द्वारा जरूरतमंदों में फल वितरित किया गया। इसमें भाग लेती हुई चेयरपर्सन श्रीमती हरिका आनंद बाबू, उपाध्यक्ष वेणुगोपाल रेड्डी, निदेशक ए. गौतम जैन, डी. श्रीनिवास, एम. गिरिधर, जवाहरलाल व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले ...

याचिकाओं में दावा किया गया है कि हिंडनबर्ग ने शेयरों को शॉर्ट सेल किया जिससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। इसमें ये भी कहा गया है कि रिपोर्ट ने देश की छवि को धूमिल किया है। यह अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इसके साथ ही रिपोर्ट पर मीडिया प्रचार ने बाजारों को प्रभावित किया और हिंडनबर्ग के फाउंडर नाथन एंडरसन भी भारतीय नियामक सेबी को अपने दावों का प्रमाण देने में विफल रहे।

24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट में ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। रिपोर्ट के बाद ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। 3 फरवरी को अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 1000 रुपये के करीब पहुंच गया था। हालांकि बाद में इसमें रिकवरी आई। अभी ये 1800 रुपये के करीब है।

शिंदे की हुई ...

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को फटकार लगाई थी। सीजेआई ने कहा कि सरकार बनाने की प्रक्रिया में राज्यपाल को राजनीति से दूर रहना चाहिए। कोई भी धड़ा यदि सरकार बनाने का दावा करता है तो राज्यपाल को सदन में विश्वास मत सुनिश्चित करना चाहिए।

महाराष्ट्र में जून 2022 में सीएम एकनाथ शिंदे और उनके समर्थक विधायकों को उद्धव ठाकरे गुट ने अयोग्य ठहराने की मांग की थी। हालांकि, ठाकरे गुट की मांग से पहले ही शिंदे गुट की ओर से डिप्टी स्पीकर सीताराम जिरवाल को हटाने का नोटिस लंबित था।

अरुणाचल प्रदेश के 2016 के नबाम रेबिया मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि यदि स्पीकर को हटाने की याचिका लंबित हो तो स्पीकर विधायकों की अयोग्यता प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ सकते।

सेलेक्टर चेतन शर्मा का इस्तीफा

बीसीसीआई के अधिकारी नाराज थे, टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने सेलेक्शन मीटिंग से मना कर दिया था

मुंबई, 17 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर चेतन शर्मा ने स्टिंग ऑपरेशन के बाद शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया है। भास्कर के सूत्रों ने बताया- चेतन शर्मा पर इस्तीफे का भारी दवाब था। उनके बयान से बोर्ड के शीर्ष अधिकारी नाराज थे। इतना ही नहीं, टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने शर्मा के साथ सेलेक्शन मीटिंग करने से मना कर दिया था। ऐसे में शर्मा ने बीसीसीआई सचिव जय शाह को अपना इस्तीफा भेजा दिया, जिसे शाह ने स्वीकार भी कर लिया है। शर्मा तीन महीने में दूसरी बार हटाए गए हैं। इससे पहले वे ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में करारी हार के बाद हटाए गए थे।

57 साल के पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन शर्मा एक टीवी चैनल के स्टिंग में यह कहते नजर आए थे कि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी फिट रहने के लिए इंजेक्शन लेते हैं और 80% फिट होने पर भी 100% फिट हो जाते हैं। शर्मा ने आगे कहा था - 'नकली फिटनेस के लिए इंजेक्शन लेने वाले इन सभी खिलाड़ियों के पास क्रिकेट के बाहर अपने डॉक्टर हैं, जो उन्हें शॉट्स मुहैया कराते हैं, ताकि उन्हें महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले पूरी तरह से फिट माना जा सके।'

चेतन शर्मा ने क्या कहा था?

फिट नहीं होने पर भी हरी झंडी देता है एनसीए चेतन शर्मा ने आगे कहा - कुछ स्टार खिलाड़ियों को पूरी तरह से फिट नहीं होने पर भी एनसीए, यानी नेशनल क्रिकेट अकादमी से हरी झंडी दे दी जाती है और फिर चयनकर्ताओं को सलेक्शन पर फाइनल कॉल लेने के लिए कहा जाता है।

जसप्रीत बुमराह की चोट गंभीर चेतन शर्मा ने कहा- 'बुमराह को 2022 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ जबरदस्ती टीम में शामिल गया था। उनकी चोट इतनी गंभीर थी कि अगर वो ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप का एक भी मैच खेलते, तो वह कम से कम एक साल के लिए बाहर हो जाते।'

हार्दिक पंड्या मेरे घर आते-जाते रहते हैं

चेतन शर्मा ने कहा कि रोहित शर्मा मुझसे आधे-आधे घंटे बात करते हैं, जबकि टी-20 टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या मेरे घर आते-जाते रहते हैं। ब्रेक के नाम पर बड़े खिलाड़ियों को आराम दे रहे हैं बड़े खिलाड़ियों को ब्रेक के नाम पर बाहर बैठाया जा रहा है। जैसे ही किसी बड़े खिलाड़ी की जगह नए को मौका देना होता है, बड़े खिलाड़ी को आराम दे देते हैं।

कप्तानी छोड़ने पर गांगुली ने कोहली से कहा था- 'एक बार सोच लो'

चेतन ने कोहली के कैप्टेंसी विवाद पर खुलासा करते हुए कहा- 'कोहली को लगा कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली की वजह से उन्हें कप्तानी गंवानी पड़ी, लेकिन ऐसा नहीं है सिलेक्शन कमेटी की वीडियो कॉन्फ्रेंस में 9 लोग थे, गांगुली ने कोहली से कहा था कि कप्तानी छोड़ने के बारे में एक बार सोच लो। मुझे लगता है कि कोहली ने इसे नहीं सुना।' उसके बाद कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बेवजह यह मुद्दा उठा दिया। कोहली ने कहा था- मुझे डेढ़ घंटे पहले बताया गया कि मुझे कप्तानी छोड़नी होगी। विराट, सौरव पर पलटवार करना चाहते थे।'

कोहली-रोहित में मनमुटाव नहीं

चेतन शर्मा ने यह भी कहा कि भारतीय टीम के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली के बीच कोई मनमुटाव है। चेतन ने कहा कि दोनों एक-दूसरे की रिस्पेक्ट करते हैं। इनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है।

एक महीने पहले दोबारा बने थे चीफ सिलेक्टर

चेतन शर्मा एक महीने पहले दूसरी बार भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ सिलेक्टर बने थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की नई सीनियर सिलेक्शन कमेटी में शर्मा के अलावा शिवसुंदर दास, सलिल अंकोला, सुब्रतो बनर्जी और श्रीधरन शरत चार अन्य मेंबर्स हैं। वे नवंबर में टी-20 वर्ल्ड कप से टीम के बाहर होने के बाद चीफ सिलेक्टर पद से हटाए गए थे।

आईपीएल 2023 का शेड्यूल जारी

गुजरात और चेन्नई के बीच 31 मार्च को पहला मुकाबला; 28 मई को होगा फाइनल

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन का शेड्यूल जारी हो गया है। डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच 31 मार्च को पहला मुकाबला खेला जाएगा। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ये मैच होगा। 28 मई को फाइनल मुकाबला होगा।

18 डबल हेडर होंगे

टूर्नामेंट में कुल 18 डबल हेडर होंगे, यानि कि 18 बार एक दिन में 2 मैच होंगे। इस दौरान पहला मैच दोपहर 3:30 बजे और दूसरा मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। 31 मार्च को गुजरात और चेन्नई के बीच पहले मुकाबले के बाद एक और 2 अप्रैल को दो डबल हेडर होंगे। एक अप्रैल को पंजाब-कोलकाता के बीच पहला और लखनऊ-दिल्ली के बीच दूसरा मुकाबला होगा। वहीं, 2 अप्रैल को सनराइजर्स-राजस्थान के बीच पहला और बेंगलुरु-मुंबई के बीच दूसरा मुकाबला होगा। 8 अप्रैल को टूर्नामेंट की 2 सबसे सफल टीमें मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच मुकाबला होगा।

58 दिन में 74 मुकाबले होंगे

58 दिन तक चलने वाले टूर्नामेंट में 10 टीमों के बीच कुल 74 मुकाबले खेले जाएंगे। एक टीम 14 मैच खेलेगी, 7 अपने घर पर 7 विपक्षी टीम के घर पर रहेंगे। 10 टीमों के बीच लीग स्टेज के 70 मुकाबले होंगे। लीग स्टेज के बाद पॉइंट्स टेबल की टॉप-4 टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करेंगी।

3 साल बाद होम-अवे फॉर्मेट में होंगे मैच

कोरोना वायरस महामारी के कारण 2020 में आईपीएल का आधा सीजन भारत और आधा यूएई में कराना पड़ा था। 2021 का सीजन भी यूएई में ही खेला गया। पिछले सीजन के 70 लीग मैच महाराष्ट्र के मुंबई और पुणे शहरों में बने 4 स्टेडियम में खेले गए। फिर कोलकाता और अहमदाबाद में प्लेऑफ मुकाबले हुए थे। इस बार 2019 के सीजन की तरह होम और अवे फॉर्मेट में सभी मुकाबले खेले जाएंगे। यानि कि टूर्नामेंट की सभी टीमें लीग स्टेज के 14 में से 7 मुकाबले अपने घर और बाकी 7 मुकाबले विपक्षी टीम के घर में खेलेगी। प्लेऑफ मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे।

गुजरात टाइटंस पिछली चैंपियन

2022 के सीजन में गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम पहली बार शामिल की गईं। हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली गुजरात की टीम फाइनल में पहुंची। टीम ने राजस्थान रॉयल्स को फाइनल में 7 विकेट से हराकर खिताब जीता और डेब्यू सीजन में ही खिताब जीतने वाली दूसरी टीम बनी। उनसे पहले 2008 में राजस्थान की टीम चैंपियन बनी थी। मुंबई इंडियंस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है। टीम ने 5 आईपीएल खिताब जीते हैं। वहीं, चेन्नई सुपरकिंग्स इस मामले में दूसरे नंबर पर है। धोनी की कप्तानी वाली सीएसके ने 4 आईपीएल टाइटल जीते हैं। कोलकाता ने 2 और हैदराबाद, राजस्थान, गुजरात और डेक्कन चार्जर्स (2009) ने एक-एक बार खिताब जीता है।

दिल्ली टेस्ट: 263 रन पर सिमटी कंगारुओं की पहली पारी

ख्वाजा-हैंड्सकॉम्ब के अर्धशतक, शमी को सबसे ज्यादा 4 विकेट; भारत 21/0

दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 263 रनों पर सिमट गई। जवाब में भारत ने बिना नुकसान के 21 रन बना लिए हैं। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर रोहित शर्मा 13 और केएल राहुल 4 रन के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे।

दिल्ली के अरुण जेटली मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला लिया। उसकी ओर से ओपनर उस्मान ख्वाजा ने सबसे ज्यादा 81 रन बनाए, जबकि पीटर हैंड्सकॉम्ब 72 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने 5वां अर्धशतक पूरा कर लिया है। डेविड वॉर्नर और उस्मान ख्वाज ने 93 गेंदों पर 50 रनों की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को सधी शुरुआत दिलाई, हालांकि यह जोड़ी ज्यादा देर मैदान पर टिक नहीं सकी। तेज गेंदबाज शमी ने वॉर्नर को आउटकर यह पार्टनरशिप तोड़ी। दिन का दूसरा सेशन मिलाजुला रहा। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 105 रन बनाए, हालांकि उसे तीन झटके भी लगे। उस्मान ख्वाजा और पीटर हैंड्सकम्ब ने 5वें विकेट के लिए 87 बॉल पर 59 रनों की उपयोगी साझेदारी की। वहीं, रविचंद्रन अश्विन बीजीटी में 100 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए। साथ ही रवींद्र जडेजा सबसे तेज 250 विकेट और 2500 पूरे करने वाले भारतीय और दुनिया के दूसरे खिलाड़ी बने।

पहले दिन का आखिरी सेशन भारतीय टीम के नाम रहा। उसके गेंदबाजों ने कंगारू टीम के चार विकेट झटके। साथ ही ओपनर्स ने 21 रन भी जोड़े। इस सेशन में 85 रन बने और चार विकेट गिरे। इसमें से मेहमान टीम ने 64 रन बनाने में अपने आखिरी के 4 विकेट गंवाए। कंगारुओं की ओर से हैंट्सकॉम्ब ने अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि भारतीय गेंदबाज अश्विन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने।

2 बदलाव के साथ उतरी ऑस्ट्रेलिया, कोमैन को डेब्यू कैप

वहीं, कप्तान पैट कमिंस ने 33 रन का योगदान दिया। भारतीय टीम की ओर से मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। अश्विन-जडेजा को तीन-तीन सफलताएं मिलीं। पहले दिन का पहला सेशन भारतीय गेंदबाजों के नाम रहा, हालांकि पहले डेविड वॉर्नर और उस्मान ख्वाजा ने 50 रन की अर्धशतकीय साझेदारी कर टीम को सधी शुरुआत दिलाई, लेकिन तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने वॉर्नर को 15 रन पर पवेलियन भेजकर इस साझेदारी को तोड़ा। उसके बाद अश्विन ने एक ओवर में कंगारुओं को दो झटके देकर सेशन अपने नाम कर लिया। वॉर्नर-ख्वाजा की अर्धशतकीय साझेदारी ओपनर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को प्लेइंग-11 में शामिल किया है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम 2 बदलाव के साथ उतरी है।

'तुमने देश के लिए चोट खाई...'

100वें टेस्ट पर पुजारा का सम्मान, ऑस्ट्रेलिया ने भी किया सलाम

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के सीनियर क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला जा रहा दिल्ली टेस्ट काफी स्पेशल है. चेतेश्वर पुजारा के टेस्ट करियर का यह 100 मैच है, वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले 13वें भारतीय क्रिकेटर हैं. दिल्ली टेस्ट से पहले चेतेश्वर पुजारा का सम्मान किया गया, टीम इंडिया के लीजेंड सुनील गावस्कर ने उन्हें स्पेशल कैप सौंपी। पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने चेतेश्वर पुजारा को स्पेशल कैप सौंपी, साथ ही कहा कि आपने देश के लिए चोट खाई हैं, बॉलर्स को आपका विकेट लेने के लिए हमेशा संघर्ष करना पड़ा है. आप कई युवाओं के लिए रोल मॉडल हैं और बताते हैं कि टेस्ट क्रिकेट कितना अहम है. सुनील गावस्कर ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि आप 100वें टेस्ट में शतक मारने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बनें।

चेतेश्वर पुजारा के साथ इस मौके पर उनका परिवार भी मौजूद रहा. चेतेश्वर पुजारा के पिता, उनकी वाइफ और बेटी भी सम्मान के दौरान साथ रहे. इस मौके पर चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि एक युवा क्रिकेटर के तौर पर आपका सपना देश के लिए खेलना होता है, वह भी टेस्ट क्रिकेट खेलना. कभी नहीं सोचा था कि 100 टेस्ट मैच खेल पाउंगा, टेस्ट क्रिकेट और जिंदगी के बीच काफी समानताएं हैं, अगर आप मुश्किल वक्त को झेल जाते हैं तो बेहतर रिजल्ट मिलता है। चेतेश्वर पुजारा को इस स्पेशल मौके पर टीम इंडिया की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. जब वह फील्डिंग के लिए मैदान में एंटर हुए, तब टीम इंडिया ने उनका सम्मान किया. खास बात ये भी रही कि ऑस्ट्रेलिया के दोनों ओपनर्स भी इस दौरान पुजारा को गार्ड ऑफ ऑनर देने के लिए खड़े हुए।

पृथ्वी शॉ पर हमला करने के आरोप में भोजपुरी एक्ट्रेस सपना गिल गिरफ्तार

मुंबई, 17 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई से खेलने वाले भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर हाल ही में सांता क्रूज इलाके में एक महिला और उसके दोस्त ने हमला किया था। महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। हमलावरों की पहचान सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल और उसके दोस्त के रूप में हुई है। सपना एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने भोजपुरी सिनेमा में रवि किशन और दिनेश लाल यादव जैसे इंडस्ट्री के सुपरस्टार्स के साथ काम किया है।

सपना के इंस्टाग्राम पर 2,19,000 फॉलोअर्स हैं। वह चंडीगढ़ की रहने वाली हैं और वर्तमान में मुंबई में रहती हैं। वह एंटरटेनमेंट और डांस वीडियो से लेकर फैशन फोटो तक का कंटेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड करती हैं। उन्होंने 'काशी अमरनाथ', 'निरहुआ चलल लंदन' और हाल ही में 2021 में रिलीज हुई 'मेरा वतन' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है।

गिल और उनके दोस्त ने शॉ के साथ सेल्फी मांगी थी। पुलिस के अनुसार, शुरू में उनके अनुरोधों पर विचार करने के बाद, शॉ ने उन्हें जाने को कहा, और बाद में एक सुरक्षा गार्ड ने गिल और उसके दोस्त को परिसर छोड़ने के लिए कहा। यह विवाद एक फाइव स्टार होटल के परिसर में हुआ और बाद में जब पृथ्वी होटल से जाने लगे तो सपना और उसके दोस्त ने उनकी कार का पीछा किया, उन्हें ओशिवारा के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर रोका और विंडशील्ड तोड़ दिया। पुलिस में फर्जी मुकदमा दर्ज करने की धमकी देकर 50 हजार रुपये की मांग की। मुंबई पुलिस ने अब सपना गिल को गिरफ्तार कर लिया है।

वीरेंद्र सहवाग का खुलासा

आईपीएल बड़ा ब्रांड बनेगा भारतीय खिलाड़ियों ने नहीं सोचा था

सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री ने दिलाया था भरोसा;

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने खुलासा किया कि कैसे पूर्व कोच रवि शास्त्री और लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर ने 2007 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले सत्र को खेलने के लिए मेंस क्रिकेट टीम के कुछ मुख्य खिलाड़ियों से संपर्क किया था। उस समय टीम इंडिया के खिलाड़ियों के लिए टी20 क्रिकेट नया था। टीम पहले टी20 विश्व कप का खिताब जीती थी। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों ने नहीं सोचा था आईपीएल के इतना बड़ा ब्रांड बनेगा।

रवि शास्त्री और सुनील गावस्कर ने खिलाड़ियों इसे लेकर भरोसा दिलाया था। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पहली

नीलामी फरवरी 2008 में हुई थी। तब टीम इंडिया के बड़े नामों में से एक वीरेंद्र सहवाग समेत अन्य खिलाड़ियों को इसके बारे में पहली ऑस्ट्रेलिया के 2007/08 के दौरे पर पता चला था। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)के 15 पूरा होने पर स्टार स्पोर्ट्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया। इस दौरान वीरेंद्र सहवाग ने कहा, "मैं उस दिन को कभी नहीं भूल सकता जब हमें पहली बार जानकारी दी गई थी। हम ऑस्ट्रेलिया में थे। सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री ने हमसे संपर्क किया और कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग नाम की एक चीज होने जा रही है और वे हमें अपने सभी अधिकार देने के लिए कह रहे हैं।"

दोनों दिग्गजों ने बताया आईपीएल कैसा होगा

दोनों दिग्गजों ने बताया कि आईपीएल कैसा होगा और भारतीय टीम के वरिष्ठ सदस्यों ने उनकी बातों पर अपना विश्वास जताया। वीरेंद्र सहवाग ने कहा, "उन्होंने सुनिश्चित किया कि हम समझें कि यह भविष्य में एक बहुत बड़ी लीग बनने जा रही है। आप इस लीग को जो भी अधिकार देते हैं, आप अभी जितना कमा रहे हैं, उससे कहीं अधिक कमा रहे होंगे।

बेशक पैसा सेकेंड्री फैक्टर था, लेकिन उस समय हमने कभी नहीं सोचा था कि यह इतना बड़ा मंच बन जाएगा जहां नए खिलाड़ियों को मौका मिलेगा और वे हमारी जगह ले लेंगे।"

सूर्यकुमार एक ही टेस्ट खेलकर बाहर, अब करना होगा 12 साल इंतजार!

नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया दिल्ली में एक बार फिर टेस्ट खेलने उतर रही है. 1987 से भारतीय टीम ने यहां अब तक एक भी टेस्ट नहीं गंवाया है. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट यहीं खेला जा रहा है. मैच में पैट कमिंस ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया है. भारतीय टीम ने प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है. सूर्यकुमार यादव एक ही टेस्ट खेलकर बाहर हो गए. नागपुर में खेले गए पहले टेस्ट में वे सिर्फ 8 ही रन बना सके थे. श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी हुई है. बैक की चोट के कारण वे पहले टेस्ट में नहीं खेल सके थे। सूर्यकुमार यादव की अब टेस्ट टीम में वापसी मुश्किल हो गई है. इससे पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट को डेब्यू टेस्ट के बाद दूसरे मैच के लिए 12 साल तक इंतजार करना पड़ा था. उनादकट को 2010 के बाद दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ मौका मिला था।

ब्लंडेल ने खेली रिकॉर्डतोड़ पारी, न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 'बैजबॉल' स्टाइल में दिया मुंहतोड़ जवाब

माउंट मोनगानुई, 17 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने टॉम ब्लंडेल (138 रन) की शतकीय पारी के दम पर इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार को डे नाइट टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में 306 रन बनाये। ब्लंडेल डे नाइट टेस्ट में शतक लगाने वाले पहले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 19 चौके और एक छक्का लगाकर 181 गेंदों पर ये रन बनाए। यह टेस्ट में उनकी सबसे बड़ी पारी है। इंग्लैंड ने शुरूआती दिन पहली पारी नौ विकेट पर 325 रन पर घोषित की थी। स्टंप तक इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में दो विकेट गंवाकर 79 रन बना चुकी थी, जिससे उसने 98 रन की बढ़त बना ली है। ओली पोप 14 और स्टुअर्ट ब्रॉड छह रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इंग्लैंड ने बेन डकेट (25 रन) और जैक क्राउली (28 रन) के विकेट गंवा दिये।

कॉनवे के बल्ले से निकली फिफ्टी

दूसरे दिन सुबह न्यूजीलैंड ने तीन विकेट पर 37 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। उसके इंग्लैंड के स्कोर के करीब पहुंचने की जरा भी उम्मीद नहीं लग रही थी लेकिन पहली पारी खत्म करने के बाद वह इंग्लैंड से महज 19 रन से पिछड़ रही थी। डेवोन कॉनवे ने रात की 19 रन की पारी को अर्धशतक में तब्दील किया और 77 रन की पारी खेली। स्टुअर्ट ब्राड ने नाइट वॉचमैन नील वैगनर को दिन के सातवें ओवर में आउट कर जेम्स एंडरसन के साथ अपनी लंबी गेंदबाजी साझेदारी का 1000वां (दोनों ने मिलकर) विकेट झटका। ब्रॉड (36 वर्ष) और एंडरसन (40 वर्ष) इस तरह आस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा और शेन वार्न की जोड़ी द्वारा मिलकर 104 टेस्ट में झटके गये 1001 विकेट को पछाड़ने के करीब पहुंच गये। कॉनवे 229 मिनट तक क्रीज पर डटे रहे लेकिन स्टोक्स की गेंद पर आउट हो गये जिससे स्कोर छह विकेट पर 158 रन हो गया। इससे टीम इंग्लैंड के पहली पारी के स्कोर से 167 रन से पीछे थी। ब्लंडेल के साथ कॉनवे ने छठे विकेट के लिये 75 रन की साझेदारी निभायी। इसके बाद ब्लंडेल ने जिम्मेदारी से खेलते हुए न्यूजीलैंड को इंग्लैंड की पहली पारी के करीब पहुंचा दिया।

एमएलसी कविता ने निर्मला सीतारमण की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए एमएलसी के. कविता ने कहा कि भाजपा सरकार बार-बार दावा कर रही है कि चीन और भारत के बीच प्रतिस्पर्धा है। किंतु आश्चर्य है कि चीन कैसे 18 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया और भारत की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य सिर्फ पांच ट्रिलियन डॉलर है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की अदूरदर्शी नीतियों के कारण भारत की क्षमता का कम उपयोग हुआ है। अगर मोदी सरकार देश की क्षमता को अनलॉक नहीं कर सकती है, तो राज्यों को दोष न दें। तेलंगाना एक प्रगतिशील राज्य है और अगर आप प्रगतिशील तरीके से नहीं सोच सकते तो कृपया हमें दोष न दें। बीआरएस एमएलसी ने पूछा कि यदि भाजपा सरकार अपने 'सबका साथ, सबका विकास' अभियान के प्रति गंभीर है, तो केंद्र सरकार राज्यों की आवश्यकताओं के अनुसार योजनाओं को अनुकूलित क्यों नहीं कर रही है।

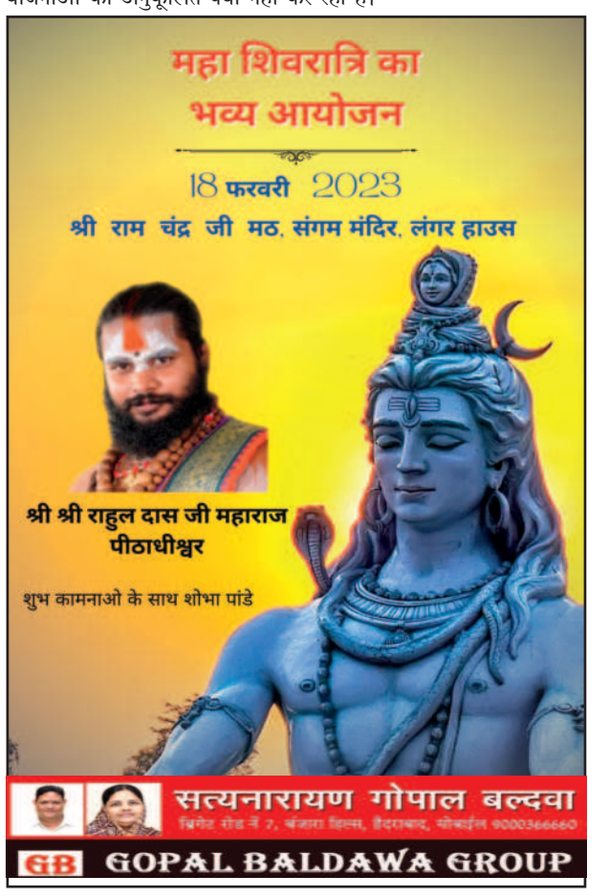

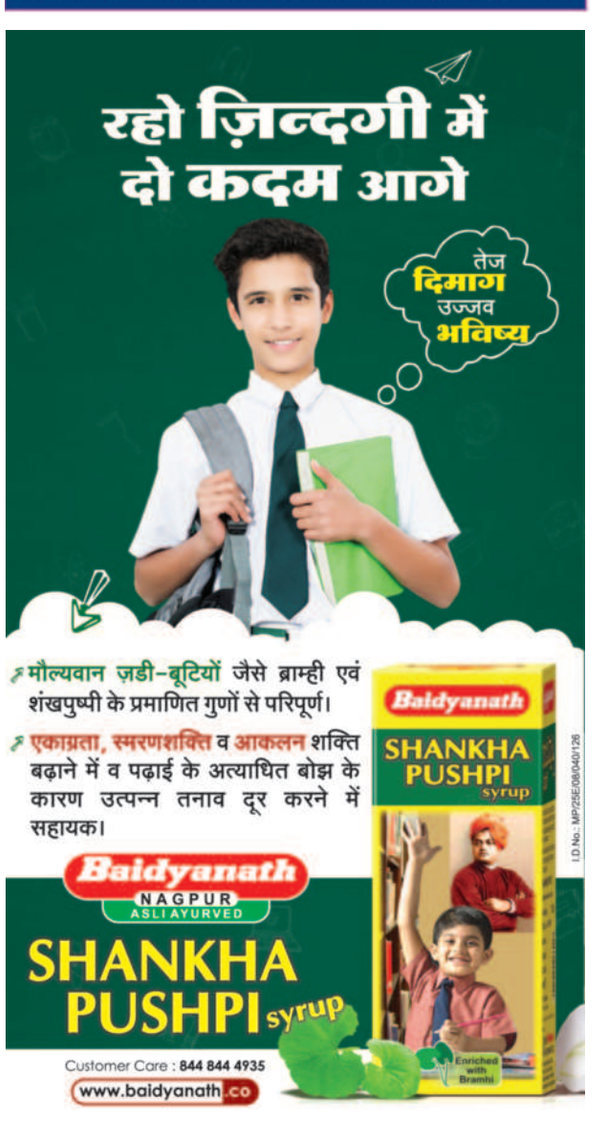

बीआरएस कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर मनाया सीएम केसीआर का जन्मदिन

पीएम समेत अन्य बड़ी हस्तियों ने भी केसीआर को शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को तेलंगाना भर में अपने संस्थापक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का 69वां जन्मदिन बड़े पैमाने पर मनाया। इसमें मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, एमएलसी और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों सहित बीआरएस नेताओं ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया और मंदिरों, मस्जिदों और गिरिजाघरों में प्रार्थना की। भगवान से मुख्यमंत्री को अच्छे स्वास्थ्य और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने पूरे राज्य में रक्तदान शिविर आयोजित किए, झोपड़ी क्षेत्रों में मुफ्त भोजन वितरित किया। अस्पतालों में रोगियों को फल और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को तिपहिया साइकिलें वितरित कीं। यहां के बालकमपेट मंदिर में एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने केसीआर के जन्मदिन के अवसर पर राजस्यामाला पूजा की और देवी को सोने के आभूषण भेंट किए।

पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के नेतृत्व में यहां पीवी मार्ग स्थित थ्रिल सिटी में मुख्यमंत्री के जन्मदिन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी, विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, परिषद के उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश मुदिराज, मंत्री मोहम्मद अली, सत्यवती राठौड़ और गंगुला कमलाकर, राज्यसभा सदस्य केशव राव ने 69 किलो केक काटा और समारोह का शुभारंभ किया, जिसमें समारोह का आयोजन भी शामिल था। सांस्कृतिक कार्यक्रम। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के जीवन पर एक वृत्तचित्र प्रदर्शित किया गया। इस बीच, सांसद संतोष कुमार ने मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी, एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी, विधायक जीवन रेड्डी और अन्य नेताओं के साथ गजवेल विधानसभा क्षेत्र के एरावल्ली गांव में मुख्यमंत्री के फार्म हाउस में एक पौधा लगाया। इस बीच, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के लिए देश भर से शुभकामनाएं दी जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं। इसी तरह, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा, तेलंगाना के राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन, पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और फिल्म अभिनेता चिरंजीवी और अन्य हस्तियों ने केसीआर को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

अंबेडकर कोनसीमा में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म

अमलापुरम, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले में 17 वर्षीय एक लड़की के साथ पांच व्यक्तियों द्वारा क्रूर गैंगरेप ने कैटरीनाकोना मंडा को झकझोर कर रख दिया है। बीती 6 फरवरी को हुई यह घटना हाल ही में प्रकाश में आई। अपराधियों ने कथित तौर पर पीड़िता को पास की झाड़ी में खींच लिया, जब वह चिर्रायनम में पानी लाने जा रही थी। पीड़िता के पिता ने शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पास्कों अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। घटना से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। ग्रामीण आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

एआईएमआईएम पार्षद व पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कालापत्थर पुलिस ने शुक्रवार को रमनसपुर एआईएमआईएम के नगरसेवक मोहम्मद कादर और पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ गुरुवार को भाजपा द्वारा आयोजित रोड कॉर्नर मीटिंग का विरोध करने और मोची कॉलोनी में उपद्रव करने का मामला दर्ज किया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि एआईएमआईएम पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उन्हें बैठक करने से रोका और उन पर हमला किया, जिससे इलाके में हल्का तनाव पैदा हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अतिरिक्त बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में किया। गुरुवार शाम कालापत्थर के पुराने शहर में भाजपा और एआईएमआईएम पार्टियों के स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद के कारण हल्का तनाव हो गया। यह मुद्दा तब उठा जब बीजेपी ने कालापत्थर पुलिस स्टेशन के पास मोची कॉलोनी में एक रोड कॉर्नर मीटिंग आयोजित की, जिसमें एआईएमआईएम के पार्षद मोहम्मद कादर और पार्टी कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर आपत्ति जताई। बीजेपी कार्यकर्ताओं के मुताबिक एआईएमआईएम पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उन्हें सभा करने से रोका और उन पर हमला भी किया।

नतीजतन, भाजपा कार्यकर्ताओं ने एआईएमआईएम के स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कालापत्थर पुलिस थाने के बाहर धरना दिया। उन्होंने नारेबाजी भी की, जिससे इलाके में हल्का तनाव फैल गया। किसी भी तरह की घटना को रोकने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तुरंत अतिरिक्त बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। भाजपा कार्यकर्ताओं के कालापत्थर थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इसमें शामिल दोनों पक्षों के सबूतों और बयानों की जांच कर रही है।

निजामाबाद : बस के लॉरी से टकराने से 15 घायल

हैदराबाद, 17 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार तड़के निजामाबाद जिले के अरमूर मंडल में परकिट गांव से गुजरने वाले राजमार्ग पर खड़ी एक लॉरी से बस की टक्कर में एक निजी बस के लगभग 15 यात्रियों को चोटें आईं। खबरों के मुताबिक, बस रायचूर से हैदराबाद जा रही थी, जब वह खड़ी लॉरी से टकरा गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को निजामाबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना बस चालक की लापरवाही के कारण हुई है, जो बस चलाते समय सो गया था। हादसे के वक्त बस में 38 यात्री सवार थे।

।।श्री गणेशाय नमः।। ।।श्री शिव गौरक्षा नमः।। ।।श्री हिंगलाज माते नमः।।

श्री नाथ समाज
हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान में
महाशिवरात्रि का विशाल जागरण
आज शनिवार 18-02-2023 रात्रि 9.15 बजे से संपूर्ण रात्रि
शुभस्थल:श्रीनाथ समाज मंदिर प्लॉट,विकलांग कॉलोनी,बालाजी नगर,सिकंदराबाद
समस्त स्वजातीय बंधु व भक्तगण सादर आमंत्रित हैं।
भजन गायक:समस्त श्रीनाथ योगेश्वरजन
निवेदक:श्री नाथ समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद (T.S)
नोट:सभी श्रीनाथ समाज बंधुओ से निवेदन है कि रविवार 19-02-2023 को आप अपना प्रतिष्ठान बंध रखें एवं इस विज्ञापन को निमंत्रण स्वरुप स्वीकार कर मंदिर प्लॉट पर सपरिवार पधारकर महाप्रसादी (भोजन) ग्रहण करें।
अध्यक्ष:धर्मनाथ रावल उपाध्यक्ष:शम्भू नाथ रावल कोषाध्यक्ष:राजूनाथ पंवार गुडा सचिव:शेरुनाथ रावल
: शुभकामनाओ सहित :
अम्बिका किराणा स्टोर वेस्ट मारडपल्ली वेनाथ चौहान
श्रीनाथ बैग वर्क्स मूलकाजगीरी धर्मनाथ रावल
प्रेमनाथ रावल नन्दनी जवैलर्स ए एसराव नगर
जगदम्बा हार्डवेयर कोटलुरोड हयातनगर शिवनाथ रावल
सोहननाथ भाटिया-अलवाल पूर्व अध्यक्ष श्री नाथ समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद
मयुर ट्रैडर्स-पुजा फेशन एलबी नगर राजूनाथ पंवार
धनलक्ष्मी किराणा स्टोर बी एन रेडी नगर शंकरनाथ रावल
आई माता प्रापर्टीज तुमकुंटा मेनरोड पारसनाथ चौहान
थानेश्वरपीर महाराज ग्लास हाउस नागौल शम्भूनाथ रावल
रामनाथ मिठाई भण्डार आलवीन कालौनी कुकडपल्ली गोविन्दनाथ
जय माताजी किराना स्टोर नानकराम गुडा सोहननाथ
भैरुजी हार्डवेयर,पेन्ट,सेन्टरी विजयनगर कालौनी-हयातनगर हरजीनाथ
जगदम्बा ईन्टरियर गिलास नीयरपत्लवी गार्डन-एल.बी.नगर पाचुनाथ
श्री अमरनाथ ज्वेलर्स बेगमपेट-सिकंदराबाद अमरनाथ
श्रीनाथ एजेंसी कानाजीगुडा राजूनाथ राठौड
बालाजी किराणा स्टोर साईलोक कालौनी जमीगड्डा भागुनाथ
महावीर बैग एण्ड फुटवेयर हसमतपेट-बोवेनपल्ली सुमेरनाथ
कमल किराणा स्टोर मनरोक कारखाना-सिकंदराबाद गोपालनाथ
ओम बालाजी किराणा स्टोर साईप्रीया कालौनी-धम्मईगुडा मदननाथ राठौड
गणेश प्लाईवुड हार्डवेयर एण्ड गिलास-दुल्लापती सुरेन्द्रनाथ,विक्रमनाथ
श्री साई बालाजी किराना स्टोर चेरलापल्ली पदम नाथ ढाका हमीर नाथ ढाका
धमाकेदार साउंड श्रीनाथ साउंड शैताननाथ
श्री राम नमकीन जहीराबाद पारसनाथ
भवानी गिलास एलुमिनियम-इब्राहिमपटनम भवानी नाथ
रवि किराना स्टोर गोशामहल माणक नाथ
सम्पर्क सूत्र:9848374779,9700745l6,9394l46436,9666649826
Mukesh Ads

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.